1986-2024 39 वर्ष स्वर्ण जयंती की ओर अग्रसर

प्रयागराज
वर्ष 33,अंक 235
रविवार 05 मई,2024

पृष्ठ 12 ₹4.00

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

www.swatantrachetnanews.com

गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

कांग्रेस एक नंबर की आदिवासी विरोध पार्टी

सत्ता में आने पर फसल बीमा का पैसा सीधे किसान के खाते में भेजेंगे : खड़गे

नयी दिल्ली,वार्ता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किसानों से कहा है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर

किसान हित में जरूरी निर्णय लिए जाएंगे और फसल बीमा की राशि सीधे किसानों के खाते में भेजी जाएगी।

श्री खड़गे ने कहा किसानों के लिए बीमा भुगतान का सीधा ट्रांसफर होगा। कांग्रेस गारंटी देती है कि फसल बीमा को खेत और किसान के अनुरूप बनाया जाएगा। किसान से बीमा राशि के अनुसार प्रीमियम लिया जाएगा और किसानों के सभी दावों का निपटान 30 दिनों के भीतर किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने फसल बीमा योजना को प्राइवेट बीमा कंपनी मुनाफा योजना बना दिया और 2016 से

● किसानों के सभी दावों का निपटान 30 दिनों के भीतर किया जायेगा

अब तक 57,619.32 करोड़ रुपये का मुनाफा चंद मुट्ठीभर बीमा कंपनियों को कमवाया।

किसानों के दावों का समय पर भुगतान नहीं करने की सरकार की आलोचना करते उन्होंने कहा सरकारी आँकड़ों के अनुसार, उदाहरण के तौर पर, रबी 2022-23 के दौरान करीब 6 करोड़ पंजीकृत किसानों में से केवल 7.8 लाख किसानों के दावों का भुगतान किया गया।

भारत की धरती जिहाद की धरती नहीं : योगी

फरुर्खाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जेहाद की बात करने वालों को शर्म आनी चाहिए। इनके

● इनके आकाओं ने पहले देश बांटा,जिन्हें जिहाद से प्यार वो पाकिस्तान जाएं ● वोट में जिहाद नहीं होता,हमें दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्र के लिए वोट देना है

आकाओं ने पहले देश का बंटवारा किया था और आज यह लोग जेहाद की बात करके लोकतंत्र को कलंकित कर रहे हैं। सीएम ने चेतावनी दी कि जेहाद से प्यार है तो भूखे मरने वाले भीखमंगे पाकिस्तान के पास जाइए, जो दो जून रोटी के लिए तरस रहा है। सपा, कांग्रेस

व बसपा पर हमलावर सीएम ने कहा कि जिन लोगों ने गरीबों के हकों पर डकैती डाली और दिव्यांगों को भी नहीं छोड़ा। ऐसे लोगों को जेहाद की बात याद आने लगी है। वे जान लें कि भारत की धरती राम-कृष्ण की है, जेहाद की नहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फरुर्खाबाद से सांसद व भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत के लिए शनिवार को जनसभा कर वोट मांगा। योगी के आह्वान पर फरुर्खाबाद वालों ने फिर से कमल खिलाने का आश्वासन दिया।

सीएम ने कहा कि आपने 2014 के पहले और बाद का भारत देखा है। 2014 के पहले का भारत दुनिया में विश्वास खो चुका था। आतंकवाद व नक्सलवाद से त्रस्त था। गरीबों को शासन की योजनाएं नहीं मिल पाती थीं। यह अराजकता वे लोग करते थे, जिन्हें भारत के लोकतंत्र पर विश्वास नहीं था और जिन्हें विश्वास था वे हाएक भारत, श्रेष्ठ भारत के साथ जुड़कर देश को मजबूत बनाने के लिए आगे बढ़ते थे। जिन्हें भारत की प्रगति अच्छी नहीं लगती थी, वे हर योजना में भ्रष्टाचार करते थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 के बाद भारत का नया रूप दिख रहा है। पहले कहीं विस्फोट और आतंकवादियों को देखकर सरकारें कहती थीं कि यह सीमापार से हैं, लेकिन आज जोर से पटाखा फटने पर सीमापार से उनका आका भी सफाई देने को मजबूर होता है। हर किसी को पता है कि नया भारत छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले को छोड़ता नहीं है।

सीएम ने भारत व उप्र के विकास की चर्चा की। बोले कि 2022 में यहां आकर कहा था कि गंगा मैया पर बनने वाला पुल जल्द शुरू होगा। अब कार्य प्रारंभ हो चुका है।

पहले नारा लगता था कि फरुर्खाबादी चूसे गन्ना, लेकिन अब फरुर्खाबाद को एक्सप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि 2022 में भी यहीं आया था और कहा था कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर भी बनेगा और माफिया का रामनाम सत्य भी होगा।

गठबंधन सरकार बनी तो खत्म कर देंगे अग्निवीर योजना : अखिलेश

बदायूं,वार्ता। उत्तर प्रदेश की बदायूं लोकसभा सीट पर सहसवान

विधानसभा क्षेत्र के कस्बा नाधा में आयोजित समाजवादी पार्टी की जनसभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार बदायूं की जनता और सहसवान विधानसभा के लोग रिकार्ड बनाकर जिताएंगे। यहां से सपा को ताकत मिलती है। गुन्नौर के बाद सबसे बड़ी जीत सहसवान विधानसभा से होगी।

श्री यादव ने कहा कि 7 तारीख को जसवंत नगर में भी चुनाव है और बदायूं में भी अब देखना यह होगा कि जसवंत नगर के लोग ज्यादा वोटों से जिताते हैं

● तीसरे चरण के लोग भाजपा का सफाया करने जा रहे हैं

या सहसवान के लोग। अब चाचा है तो आपको किसी से नहीं कहना पड़ेगा, चाचा बदायूं के हो गए हैं, अब सीधे-सीधे आपका काम होगा।

उन्होंने दावा किया कि 07 तारीख को पड़ने वाला वोट भारतीय जनता पार्टी को सात समुंदर दूर फेंक देंगे, उनका सफाया कर देगा। पहले दूसरे चरण में जनता ने भारतीय जनता पार्टी को पलटी दी है तीसरे चरण के लोग इनका सफाया करने जा रहे हैं।

कानपुर में मोदी के रोड शो में उमड़ा जन सैलाब,गूंजे जय श्रीराम के नारे

स्वतंत्र चेतना

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कानपुर और अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र

की सात विधानसभाओं में भव्य रोड शो में हिस्सा लिया और इस दौरान हजारों की संख्या में लोग अपने लोकप्रिय नेता की एक झलक पाने को आतुर नजर आये। प्रधानमंत्री के लिए रोड शो में आये लोगों में पुरुषों के साथ साथ महिलाओं और बच्चों में भी गजब का उत्साह देखने को मिला।

प्रधानमंत्री जब चकेरी एयरफोर्स एयरपोर्ट पहुंचे तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्य गणमान्यों के साथ उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से हरजेंद्र नगर होते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला रामादेवी की ओर रवाना हुआ और इस दौरान सभी विधायक, भाजपा नेता भी उनके साथ मौजूद रहे।

पुंछ में पुलवामा जैसा आतंकी हमला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकियों ने शनिवार शाम को एक वायु सेना के वाहन को निशाना बनाकर हमला किया है। बताया गया है कि पांच जवान

● वायु सेना के वाहन पर आतंकवादियों का हमला,5 जवान घायल ● सेना ने पूरे इलाके को घेरा,आतंकियों की खोज जारी

घायल हुए हैं। आतंकवादियों ने वाहन पर फायरिंग की है। इसमें कई जवान भी घायल हुए हैं। इस पूरे इलाके को घेर लिया गया है ताकि आतंकियों को मार गिराया जा सके।

जानकारी के अनुसार, वायु सेना का एक वाहन सनाइ टाप गांव की तरफ जा रहा था। रास्ते में घात लगाकर बैठे आतंकियों की तरफ से वाहन पर फायरिंग शुरू कर दी गई। यह हमला अचानक

से किया गया।

हमला करने के बाद आतंकी मौके से भाग गए।

इस हमले की जानकारी मिलने के बाद सेना और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। पूरे इलाके को घेर लिया गया।

आतंकी जंगल की तरफ भागे

बताया जा रहा है कि आतंकी जंगल की तरफ भाग गए हैं। उन्हें पकड़ने के लिए अतिरिक्त टीमों को जंगल में लगाया गया है। ताकि आतंकियों को मार गिराया जा सके। फिलहाल अधिकारिक स्तर पर कोई बयानर जारी नहीं किया गया है।

लेकिन बताया गया है कि पांच जवान घायल हुए हैं।

दरअसल कुछ दिन पहले ही उधमपुर में एक वीडीजी पर आतंकियों ने हमला किया था। जिसमें उसकी मौत हो गई थी।

राहुल का प्रज्वल मामले में त्वरित कार्रवाई करने का सिद्धारमैया से आग्रह

बेंगलुरु,वार्ता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्रवाई तथा पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से आग्रह किया है।

श्री गांधी ने श्री सिद्धारमैया को लिखे पत्र में महिलाओं के लिए न्याय के वास्ते खड़े होने की कांग्रेस पार्टी की नैतिक जिम्मेदारी पर जोर दिया और आरोपियों को जवाबदेह ठहराने के लिए एकजुट प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने और भारत में उसके प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया गया है।

उन्होंने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करें। वे हमारी करुणा और एकजुटता के पात्र हैं क्योंकि वे न्याय के लिए अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह सुनिश्चित करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है कि इन जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार सभी पक्षों को सजा दी जाये। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह को दिसंबर 2023 की शुरुआत में ही प्रज्वल के पिछले कदाचार के बारे में जानकारी दी गयी थी, जिसमें यौन हिंसा की घटनाएं भी शामिल थीं।

सरकार ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाया

नई दिल्ली। देश में चल रहे लोकसभा चुनावों के बीच सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटा लिया, लेकिन साथ न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर

● न्यूनतम निर्यात मूल्य 550 डालर प्रति टन

प्रति टन तय किया है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, प्याज की निर्यात नीति को संशोधित कर तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक 550 डॉलर प्रति टन के एमईपी के तहत प्रतिबंध से मुक्त किया गया है।

सरकार ने कल रात प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया था। पिछले साल अगस्त में भारत ने 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था। सरकार ने आठ दिसंबर, 2023 को इस साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

मार्च में निर्यात प्रतिबंध को अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया था। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने मार्च में प्याज उत्पादन के आंकड़े जारी किए थे। आंकड़ों के अनुसार, 2023-

24 (प्रथम अग्रिम अनुमान) में प्याज का उत्पादन पिछले साल के लगभग 302.08 लाख टन की तुलना में लगभग 254.73 लाख टन होने की उम्मीद है।

आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में 34.31 लाख टन, कर्नाटक में 9.95 लाख टन, आंध्र प्रदेश में 3.54 लाख टन और राजस्थान में 3.12 लाख टन उत्पादन घटा है। महाराष्ट्र के किसानों ने निर्यात प्रतिबंध का विरोध किया था। कांग्रेस ने पिछले महीने नरेन्द्र मोदी सरकार पर प्याज निर्यात पर प्रतिबंध के कारण महाराष्ट्र के किसानों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया था।

नहर में नहाने गये 4 दोस्त डूबे

मैनपुरी,वार्ता। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले के किशनी थाना क्षेत्र में शनिवार को नहर में नहाने गए चार दोस्त नहर में नहाते समय डूब गए। एक को किसान ने पानी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि अन्य की खोज गोताखोरों की मदद से शुरू कर दी गयी है।

आईपीएल 2024

आज का मैच
चेन्नई बनाम पंजाब
स्थान धर्मशाला
समय शाम 3.30 बजे

लखनऊ बनाम कोलकाता
स्थान लखनऊ
समय रात 7.30 बजे

बंगाल के राज्यपाल के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसआईटी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के सिलसिले

● एसआईटी ने राजभवन के 4 स्टाफ को किया तलब

में राजभवन के चार स्टाफ सदस्यों को तलब किया। राज्यपाल पर महिला संविदा कर्मचारी के आरोपों की जांच के लिए जांच टीम का गठन किया गया है। डीसी (सेंट्रल) इंदिरा मुखर्जी की अध्यक्षता वाली एसआईटी ने शुक्रवार को मामले की जांच शुरू की और अगले कुछ दिनों में गवाहों से भी बात करेगी। टीम ने राजभवन से सीसीटीवी फुटेज भी साझा करने को कहा है। हमने एक जांच टीम बनाई है जो अगले कुछ दिनों में इस मामले में कुछ संभावित गवाहों से बात करेगी। एक अधिकारी के हवाले से कहा, हमने राजभवन से सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध होने पर उसे साझा करने का भी अनुरोध किया है।

महिला संविदा कर्मचारी ने बंगाल के राज्यपाल पर राजभवन परिसर में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कोलकाता पुलिस में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई। हालाँकि, पुलिस राज्यपाल के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं कर सकती क्योंकि उन्हें संवैधानिक छूट प्राप्त है। संविधान के अनुच्छेद 361(2) के तहत, किसी राज्यपाल के खिलाफ उसके कार्यकाल के दौरान कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती है। अनुच्छेद में कहा गया है कि राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी अदालत में कोई भी आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जाएगी या जारी नहीं रखी जाएगी।

नेपाल के 100 रु. के करेंसी नोट पर विवादित नक्शा

काठमांडू। नेपाल ने शुक्रवार को 100 रुपये के एक नए नोट की छपाई का एलान किया। जिसमें लिपुलेख, लिपियाधुरा और कालापानी के इलाकों

● नक्शे में लिपुलेख, लिम्पियाधुरा व कालापानी हैं शामिल

के देश के मानचित्र में दिखाया जाएगा। जिन्हें भारत पहले ही कृत्रिम विस्तार करार दे चुका है।

सरकार की प्रवक्ता रेखा शर्मा ने मंत्रिमंडल के फैसले के बारे में पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल का नया नक्शा छापने का फैसला किया गया, जिसमें 100 रुपये के बैंक नोट में लिपुलेख, लिपियाधुरा और कालापानी शामिल होंगे।

रेखा शर्मा सूचना एवं संचार मंत्री का भी प्रभार संभाल रही हैं। उन्होंने कहा, मंत्रिमंडल ने 25 अप्रैल 2 मई को हुई मंत्रिमंडल की बैठकों के दौरान

100 रुपये के बैंक नोट को फिर से डिजाइन करने और बैंक नोट की पृष्ठभूमि में छपे पुराने नक्शे को बदलने को मंजूरी दी है।

18 जून, 2020 को नेपाल ने अपने संविधान में संशोधन करके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने देश के राजनीतिक मानचित्र में शामिल करने की प्रक्रिया पूरी की।

इस पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी और इसके एकतरफा कार्रवाई और नेपाल के क्षेत्रीय दावों को कृत्रिम विस्तार और समर्थनीय करार दिया था। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसका क्षेत्र है।

नेपाल पांच भारतीय राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1850 किलोमीटर से ज्यादा की सीमा साझा करता है।

सेक्स वीडियो मामले में एचडी रेवन्ना गिरफ्तार

बेंगलुरु,वार्ता। कर्नाटक में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जनता दल सेक्युलर (जद एस) विधायक एच.डी. रेवन्ना को यौन शोषण के आरोप में शनिवार को

● एसआईटी ने पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के आवास से किया गिरफ्तार

गिरफ्तार कर लिया।

रेवन्ना को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु स्थित उनके पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा के आवास से गिरफ्तार किया। इससे पहले अदालत ने अपहरण मामले में कर्नाटक के विधायक एच.डी. रेवन्ना की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की थी।

गौतलब है कि एसआईटी ने शनिवार को एक अपहृत महिला का पता लगाया था, जो कथित तौर पर श्री देवगौड़ा के पोते एवं मौजूदा जदएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े सेक्स वीडियो स्कैंडल की पीड़ितों

में से एक है। सूत्रों ने बताया कि महिला को मैसूरु जिले के कालेनहल्ली गांव स्थित रेवन्ना के निजी सहायक (पीए) राजशेखर के फार्महाउस से छुड़ाया गया। महिला 29 अप्रैल को लापता हो गयी थी।

सूत्रों के अनुसार खुफिया सूचना के बाद एसआईटी अधिकारी फॉर्महाउस पर पहुंचे,तो महिला वहां बंद थी। सूत्रों ने बताया कि राजशेखर मौजूदा समय में फरार है।

निरंकुश प्रौद्योगिकी के कारण साइबर अपराध की जद में मासूम: सीजेआई

काठमाण्डू। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ तीन दिवसीय नेपाल की यात्रा पर हैं। नेपाली मुख्य न्यायाधीश बिश्वोम्भर प्रसाद श्रेष्ठ ने उन्हें निमंत्रित किया है। नेपाल में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

● नाबालिगों को न्याय के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी,किशोर न्याय की प्रवृति व समाज के आयामों के संबंधों को समझना महत्वपूर्ण

उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकियों का तेजी से विकास हो रहा है। इससे नाबालिगों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय डिजिटल अपराधों में भी तेजी आ रही है। इससे निपटने के लिए किशोर न्याय प्रणालियों को अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना होगा।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, किशोर न्याय पर चर्चा करते वक्त हमें कानूनी विवादों में फंसे बच्चों की कमजोरियों और जरूरतों को समझना होगा। किशोर न्याय की

प्रकृति और समाज के आयामों के संबंधों को समझना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, प्रौद्योगिकी का तेजी से विकास हो रहा है। किशोर हैकिंग, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल उत्पीड़न सहित अन्य साइबर अपराधों में शामिल हो रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म की सुरक्षा और आसान प्रवेश प्रकृति के कारण युवा अवैध गतिविधियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

कार्यक्रम में उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाकर किशोरों से जुड़े डिजिटल अपराधों को काबू में किया जा सकता है। जैसे-

प्रत्यर्पण और स्वदेश वापसी के लिए प्रोटोकॉल स्थापित करना

कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सूचना साझा करना

सहयोग को सुविधाजनक बनाना

भारत और नेपाल के किशोर न्याय प्रणालियों का विश्लेषण करते हुए कहा न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, रोकथाम, हस्तक्षेप और पुनर्वास की रणनीतियों से हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर सकते हैं जो अधिक समावेशी हो।

जब तक जिन्दा हूं,धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने दूंगा: मोदी

सिसई(गुमला),वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-जब तक जिन्दा हूं, धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने दूंगा।

प्रधानमंत्री ने आज कहा- हजब

● कहा कांग्रेस जो चश्मा पहनती है,उसमें एक ही वोट बैंक दिखता है,वो है मुस्लिम वोट बैंक

संविधान बना, उस समय बाबा साहेब अंबेडकर और सबने मिलकर तय किया था कि हमारे देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को संविधान के तहत आरक्षण मिलेगा। लेकिन कांग्रेस आपका हक छीनकर, संविधान को तोड़-मरोड़कर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। आपका हक लूटना चाहती है, इसलिए बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। ये मोदी की गारंटी है - जब तक मोदी जिंदा है, मैं दलित, आदिवासी, ओबीसी के आरक्षण में से रतीभर भी चोरी नहीं करने दूंगा।

प्रधानमंत्री शनिवार को झारखंड के गुमला जिले के सिसई में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। यह क्षेत्र लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में आता है, जहां से बीजेपी ने समीर उरांव को उम्मीदवार बनाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस जो चश्मा पहनती है, उसमें एक ही वोटबैंक दिखता है - वो है मुस्लिम वोटबैंक। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की

इस नीति का बहुत बड़ा नुकसान हर किसी ने उठाया है। जबकि भाजपा सबका साथ-सबका विकास की बात करती है। भाजपा सरकार की नीतियों में किसी के साथ भेदभाव नहीं होता। लेकिन कांग्रेस को ये करना ही नहीं है, समझने का तो सवाल ही नहीं है।

श्री मोदी ने कहा- जहां सरकार भ्रष्ट है, वहां बजट कितना भी हो, विकास संभव नहीं है। झारखंड इसी स्थिति से गुजर रहा है। इस राज्य में ऐसा कोई पेपर नहीं जो लीक नहीं होता है। मोदी ने इस पेपर लीक माफिया के विरुद्ध भी एक कड़ा कानून बना दिया है।

उन्होंने कहा- झारखंड में कांग्रेस के सांसद के घर से नोटों के ढेर निकले। ये ढेर इतने बड़े थे कि बैंकों से गिनने के लिए मशीनें लाई गई, लेकिन वो मशीन भी गिनते-गिनते हांफने लगी। जिसने झारखंड को लूटा, उस पर कानून के तहत कार्रवाई हो रही है। मोदी का एक ही संकल्प है - भ्रष्टाचार हटाओ, ये इंडी अलायंस वाले कहते हैं - भ्रष्टाचारी बचाओ। मैं आपको गारंटी देता हूं - आने वाले 5 साल में ऐसे सभी भ्रष्टाचारियों पर कानून का डंडा जरूर चलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा- कांग्रेस, झामुमो और इंडी गठबंधन वालों को आज भी ये बर्दाश्त नहीं हो रहा है कि ये गरीब मां का बेटा पीएम कैसे बन गया। इसलिए ये लोग मोदी के खिलाफ नए-नए झूठ फैलाते रहते हैं। आजकल इनका नया झूठ है - मोदी आएगा तो आरक्षण खत्म कर देगा, मोदी आएगा तो संविधान बदल देगा। अरे मूर्खों के सरदार, मोदी तो 10 साल से आया हुआ है और शान से सरकार चला रहा है। 10 साल में ये पाप मैंने नहीं किया है, क्योंकि मैं भारत के संविधान की भक्ति करता हूं, मैं बाबा साहेब अंबेडकर की पूजा करने वाले लोगों में से हूं। अपने 60 साल के शासन में कांग्रेस ने देश को परिवारवाद और भ्रष्टाचार दिया।

नामांकन प्रक्रिया के 6वें दिन फूलपुर से 10, इलाहाबाद संसदीय से 5 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

▶▶ 6वें दिन दोनों संसदीय क्षेत्रों से 7 लोगों ने क्रय किया नामांकन पत्र

प्रयागराज। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के अन्तर्गत गुरूवार को नाम निर्देशन के छठवें दिन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर के लिए 03 लोगो ने एवं संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 52-इलाहाबाद के लिए 04 लोगो के द्वारा नाम निर्देशन पत्र लिया गया। इस प्रकार अबतक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर के लिए कुल 52 लोग व 52-इलाहाबाद के लिए कुल 57 लोगो ने नाम निर्देशन पत्र लिया है।

नाम निर्देशन के छठवें दिन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर हेतु निर्दलीय प्रत्याशी ऊषा, भारत जोड़ो पार्टी के प्रत्याशी मो0 नसीम हाशमी, निर्दलीय प्रत्याशी प्रेम चन्द्र पटेल, बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी जगन्नाथ पाल, समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अमर नाथ सिंह, सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी (सुभाष पार्टी) की प्रत्याशी संगीता यादव, अपना दल कमेरावादी पार्टी की प्रत्याशी महिला पटेल, पीपल्स पार्टी आफ इण्डिया के प्रत्याशी मुशीर अहमद सिद्दीकी, राष्ट्रीय अपना दल के प्रत्याशी पंडित घनश्याम दास शास्त्री, प्रबुद्धवादी बहुजन मोर्चा के प्रत्याशी लाला राम सरोज एवं 52-इलाहाबाद हेतु निर्दलीय प्रत्याशी गीता रानी शर्मा, बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रमेश, सम्यक पार्टी के प्रत्याशी शिव प्रसाद विश्वकर्मा, परिवर्तन समाज पार्टी के प्रत्याशी अशोक कुमार एवं निर्दलीय प्रत्याशी विकास कुमार मिश्र के द्वारा नाम निर्देशन किया गया।

लालमणि हत्याकांड मे एसओजी व पुलिस की मुठभेड़ मे दो बदमाश सहित तीन गिरफ्तार

प्रयागराज। पुलिस मुठभेड़ में थाना थरवई, थाना फाफामऊ व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 3 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार,कर कब्जे से 2 अवैध देशी तमंचा, 4 कारतूस, 2 खोखा कारतूस, 1 मोबाइल फोन तथा 1 चार पहिया वाहन बरामद।

थाना थरवई, थाना फाफामऊ व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना थरवई क्षेत्रान्तर्गत सिगरामऊ पुलिया के पास संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी, तभी संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 1 चार पहिया वाहन को चेकिंग हेतु रुकने का संकेत किया गया तो उक्त तीनों अभियुक्त चार पहिया वाहन से तेजी से मलाका की तरफ भागे जिन्हें उक्त संयुक्त पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर अपने आप को घिरता देख अभियुक्तों द्वारा कार से उतरकर भागते हुए पुलिस बल पर फायरिंग की गयी तत्पश्चात पुलिस बल द्वारा अपने आत्मरक्षार्थ फायरिंग में मुठभेड़ के दौरान 2 अभियुक्त अजय पटेल उर्फ सक्सेना उपरोक्त व दिलीप पटेल उपरोक्त को पैर में गोली लगी तथा अभियुक्त विकास पासी को गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध मे शनिवार को पुलिस लाइन्स मे गंगानगर उपआयुक्त अभिषेक भारती ने प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकारों को बताया कि गंगापार के थरवई इलाके में शुक्रवार देररात वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस की कार सवार तीन बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों अजय पटेल और दिलीप पटेल के पैर में गोली लगी है। दोनों लालमणि हत्याकांड में नामजद आरोपी हैं जबकि तीसरा बदमाश विकास है। पुलिस घायल बदमाशों को अस्पताल ले गई है। उनके कब्जे से तमंचा और अपहरण में इस्तेमाल कार बरामद हुई है। थरवई पुलिस शुक्रवार रात में चेकिंग कर रही थी। तभी एक कार दिखी। कार सवार तीन युवक पुलिस देख कर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी जबकि तीसरे बदमाश को दौड़ाकर पकड़ा गया। पूछताछ में पता चला कि जख्मी बदमाशों में अजय पटेल उर्फ सक्सेना और दिलीप पटेल हैं। तीसरा विकास है। पूछताछ में पता चला कि अजय पटेल और दिलीप पटेल पिछले दिनों हुआ लालमणि हत्यकांड में नामजद आरोपी हैं और उनकी तलाश रही थी। जांच में विकास का नाम भी इस मामले आया है। पुलिस इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही जेल भेज चुकी है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम प्र0नि0 अरविन्द कुमार गौतम,प्र0नि0 प्रवीण कुमार गौतम, नि0 अनूप सरोज, एसओ प्रभारी ,व0उ0नि0 रावेन्द्र कुमार, थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज।

उ0नि0 मनोज सिंह, एसओजी, उ0नि0 हेमेन्द्र प्रताप सिंह, प्रभारी एसओजी,प्रशि0उ0नि0 शैलेन्द्र कुमार, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज मौजूद रहे।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारी को लेकर विधानसभा प्रभारी ने तय की रणनीति

प्रयागराज। शिशु संगम में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारी को लेकर विधानसभा प्रभारी सुरेश मौर्य की अध्यक्षता में बैठक हुई। भाजपा मीडिया प्रभारी गोपाल जी मालवीय ने बतायाकल सायं 5 बजे नारायण वाटिका मुट्ठीगंज में होने वाले शहर दक्षिणी विधानसभा बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन के संदर्भ में आज कीटगंज स्थित कार्यालय पर विधानसभा प्रभारी सुरेश मौर्य जी एवम संयोजक ज्ञानेश्वर शुक्ल जी की उपस्थिति में एक बैठक हुई जिसमें बूथ प्रबंधन समिति के सदस्य, मंडल अध्यक्ष और मंडल प्रभारी उपस्थित रहे। संबोधित करते हुए विधानसभा प्रभारी सुरेश मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए सभी से अपने अपने मंडल के बूथ अध्यक्षों के साथ उपस्थित रहने को कहा साथ ही बताया कि जनसंपर्क के माध्यम से प्रत्याशी को जिताने के लिए सभी घरों से बाहर निकले और आम जनता के बीच जाएं। विधानाभा संयोजक ज्ञानेश्वर शुक्ल जी ने बताया बूथ अध्यक्ष चुनाव का महत्वपूर्ण स्तंभ है ये सम्मेलन सभी बूथों पर पिछली बार से कम से कम 370 वोट अधिक प्राप्त करते हुए विजय सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है। विस्तारक प्रिंस गुप्ता जी, एवं गजेश मिश्रा जिला उपाध्यक्ष, प्रमोद जयसवाल (मोदी) जिला उपाध्यक्ष, दीप द्विवेदी, विवेक अग्रवाल आदि वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व जिला जज ने किया नैनी जेल का निरीक्षण

प्रयागराज। निरीक्षण दल के द्वारा शनिवार को केंद्रीय कारागार नैनी का किया गया विस्तृत निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान कैदी व बंदियों से की गई मुलाकात। उनकी समस्याओं को सुनते हुए निरीक्षण दल से संबंधित आला अफसरों ने मौजूद अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई एवं निराकरण के लिए दिए निर्देश। गठित निरीक्षण दल कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एम के गुप्ता द्वारा सदस्य सचिव उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला जज सन्तोष राय, सीजेएम शशि कुमार, डीएम नवनीत सिंह चहल, डीसीपी यमुना नगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, सीएमओ डाः आशु पांडेय, निश्छल शुक्ला,उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, सुर्जन सिंह, दिनेश कुमार गौतम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज मौजूद रहे।

अपना दल, निषाद पार्टी, एमवी ग्रुप, भाजपा की सशक्त टीम नीरज को बनायेगी सांसद -डॉ. वाचस्पति

विकास की गंगा रूकने ना पाएं इसलिए घर-घर कमल खिलाकर तीसरी बार मोदी सरकार बनाएं -कविता

प्रयागराज। विधायक बारा के नेतृत्व व प्रत्याशी पत्नी के मौजूदगी मे अपना दल, निषाद पार्टी, एमवी ग्रुप ने नीरज त्रिपाठी को जिताकर मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया। विधायक बारा डॉ.वाचस्पति के अध्यक्षता में अपना दल, निषाद व एमवी ग्रुप के जिला एवं प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक एमवी कालेज गौहनियां में आयोजित हुई जिसमें बतौर मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री व इलाहाबाद लोकसभा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी की पत्नी कविता यादव त्रिपाठी ने शामिल होकर कहा जो विकास की गंगा क्षेत्र, प्रदेश और देश में वह रही है वह रूकने ना पाएं। इसलिए प्रत्येक गांव मुहल्ले में ज्यादा से ज्यादा मतदान हो घर-घर कमल खिलें और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। विकसित भारत संकल्प के साथ बड़ी जीत नीरज त्रिपाठी को एनडीए अपना दल, निषाद पार्टी व एमवी ग्रुप के पदाधिकारियों के माध्यम से प्राप्त हो यहीं निवेदन करने आई हूं।

विधायक डॉ. वाचस्पति ने कहा भाजपा आपके साथ ही है अपना दल, निषाद भी आपके साथ कंधा से कंधा मिलाकर कमल खिलाकर नीरज त्रिपाठी को दिल्ली भेजने का कार्य करेंगी। श्री वाचस्पति ने कहा भाजपा,अपना दल, निषाद पार्टी व एमवी ग्रुप की यह ऐसी शसक्त टीम है जिसने मात्र 14 दिन में मुझे विधायक बनाने का कार्य किया था। आज से इनका नेतृत्व व संचालन आपकी जिम्मेदारी है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया की कविता यादव त्रिपाठी व विधायक वाचस्पति ने बड़ी संख्या में मौजूद शिक्षकों से संवाद स्थापित कर समर्थन मांगा।एनडीए के सभी पदाधिकारियों ने नीरज त्रिपाठी को एतिहासिक मतों से जिताकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया। बैठक में अपना दल जिलाध्यक्ष राम मनोहर पटेल, फूलचंद्र पटेल,निषाद पार्टी के श्यामू निषाद, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री आकांक्षा सोनकर, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, राजेश केसरवानी,जगत शुक्ला, शिवप्रसाद केसरवानी,नीरज केसरवानी, दिनेश प्रजापति,चंदन भट्ट, उमेश शुक्ला,मिथिलेश पांडेय,संजय श्रीवास्तव,राजा बाबू पाठक,आरके शर्मा आदि के साथ भारी संख्या में पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहें। प्रत्याशी पत्नी कविता यादव त्रिपाठी ने घूरपुर, गौहनिया, जसरा, चिल्ला,तातारगंज,परसरा,छिडिया आदि गांव व बाजारों में जन सम्पर्क एवं संवाद स्थापित कर समर्थन प्राप्त किया।

मानक के विपरीत चल रहे सात विद्यालयों पर चला शिक्षा विभाग का चाबुक

मऊ आइमा प्रयागराज। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने विभागीय सूचना के आधार पर बहरिया में चल रहे 20 अमान्य विद्यालयों को नोटिस जारी कर बंद करने का निर्देश दिया था। विद्यालय संचालित होने पर एक लाख का अर्थ दंड का वसूल करने का भी आदेश दिया था। परन्तु गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय के संचालकों ने बेसिक शिक्षा विभाग के नोटिस पर कोई ध्यान न देते हुए विद्यालय संचालित करते रहे। जिस पर खंड शिक्षा अधिकारी बहरिया धर्मेंद्र कुमार मौर्य ने शनिवार को छापा मारी करके सात गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संचालकों पर कार्यवाही करते हुए विद्यालय को सील कर दिया। जिसमें सरस्वती ज्ञान मंदिर कमलानगर, सरस्वती ज्ञान मंदिर लहटी, जे पी पब्लिक स्कूल लहटी, अमरेश शिक्षण संस्थान बकसेड़ा, राधा रानी पब्लिक स्कूल बकसेड़ा, कमला देवी पब्लिक स्कूल करनाईपुर, स्वामी विवेकानंद बल भारती विद्यालय करनाईपुर के बच्चों को बाहर निकलवा कर स्कूल को सील कर दिया गया। सभी बच्चों के अभिभावकों को नजदीकी परिषदीय विद्यालयों अथवा मान्यता प्राप्त स्कूलों में दाखिला लेने के लिए सुझाव दिया।

स्कूल चलो रैली में बच्चों ने गगन भेदी नारों से अभिभावकों का ध्यान किया आकर्षित

फूलपुर ब्यूरो। सरकार स्कूली शिक्षा के प्रति बहुत ही सजग है। प्राइवेट विद्यालयों की तर्ज पर सरकार ने परिषदीय स्कूलों का कायाकल्प कर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाकर बच्चों को नि:शुल्क किताब,यूनिफार्म,मध्यान भोजन आदि सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनका सर्वांगीण विकास करना चाहती है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न हो तथा परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का अधिकाधिक नामांकन हो। उसी कड़ी में परिषदीय विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान के तहत रैलियां निकाली जा रही हैं। उसी क्रम में शनिवार को संविलियन विद्यालय ढोकरी में प्रधानाध्यापिका आरती श्रीवास्तव के नेतृत्व में विद्यालय प्रांगण से बच्चों ने स्कूल चलो रैली निकाली। जो गांव के विभिन्न मजरो से होकर गुजरी। इस दौरान रैली में चल रहे बच्चों ने पापा मम्मी हमें पढ़ाओ,स्कूल चलकर नाम लिखाओ, आधी रोटी खाएंगे स्कूल पढ़ने जाएंगे,आदि गगन भेदी नारों से अभिभावकों का ध्यान आकर्षित किया। रैली के साथ में चल रहे शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने भी नारे लगाकर रैली के महत्व को व्यापक बना दिया। रैली के दरमियान प्रधानाध्यापिका ने गांव की गलियों

में अपने जोरदार उद्बोधन से ग्रामीणों को आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जागरुक करते मतदान करने के लिए प्रेरित किया। और कहा कि पहले मतदान फिर जलपान। ज्ञातव्य हो कि इसकेपहले अप्रैल माह मेंभी तीन बार संविलियन विद्यालय ढोकरी के बच्चों ने शिक्षकों के नेतृत्व मेंरैली निकालकर अभिभावकों को अपने बच्चों का नामांकन करने के लिए प्रेरित किया था। अंत में रैली विद्यालय प्रांगण में पहुंचकर समाप्त हुई। रैली में शिक्षक राजेंद्र प्रसाद यादव, अभय यादव ,भावना गुप्ता ,अमरीन इशरत ,कविता भारद्वाज ,प्रीति कुशवाहा, शिक्षामित्र सुरेखा देवी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

ई रिक्शा को कार ने मारी टक्कर चालक अस्पताल में भर्ती मुकदमा दर्ज

मऊआइमा प्रयागराज। ई रिक्शा चालक सड़क पार कर रहा था।कार ने जोरदार टक्कर मार कर भाग गया। जख़्मी की पत्नी ने मुकदमा दर्ज कराया है। मऊआइमा के ग्राम मऊदोस्तपुर निवासनीय अनीता देवी पत्नी मक्खन लाल ई रिक्शा चालक है। बताया गया है कि मक्खन लाल ई रिक्शा लेकर सुल्तानपुर खास फोरलेन पर सड़क पार कर रहा था तथी अज्ञात कार चालक ने टक्कर मार दी। जिससे मक्खन लाल जख्मी हो गया। घायल मक्खन लाल की पत्नी अनीता देवी ने मऊआइमा थाने में कार चालक नाम अज्ञात में मुकदमा दर्ज करा दी है।

दिन में लू के थपेड़े व उमस भरी गर्मी से बेहाल है लोग

▶▶ रात में भी उमस से नहीं मिल रहा है चैन, पारा 43 डिसे के पार

प्रयागराज। चैत्र मास में ही जेठ की गर्मी का एहसास अब लोगों को सालने लगा है। प्रात:काल आठ बजे के बाद से ही आसमान से आग बरसना शुरू हो जाता है। दिन भर कड़ाके की धूप व उमस भरी गर्मी व लू के थपेड़ों से जनजीवन अस्त-व्यस्त सा हो गया है। जलन व तपन से लोगों का घरों से निकलना व सड़कों पर चलना दुश्वार हो गया है। वहीं दूसरी सिगनल लाईट जो चौराहों -चौराहों पर लगी है वह भीषण गर्मी में कोढ़ में खाज का काम कर रही है। लोग सिनगल लाईट पर पांच मिनट इस भीषण गर्मी में खड़े होकर चक्कर खा कर बेहोश होने लगते हैं। इस भीषण गर्मी में पूरे नगर में जगह-जगह तोड़फोड़ होने से लम्बा जाम लग जा रहा है। जाम के झाम में फंस कर स्कूली बच्चों का बुरा हाल हो गया है। घर पहुंचते-पहुंचते बच्चे मूर्छित होने लगते हैं। स्कूल प्रबंधन इस भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यालय के समय में परिवर्तन नहीं कर रहा है। जिससे अभिभावक एवं बच्चे दोनों परेशान है।

पूरा जनपद गर्मी के चपेट में आकर हालाकान है। न दिन में चैन है और न रात की नींद आ रही है। उमस के साथ पूरी रात गुजर रही है। सूर्योदय होते ही आकाश गंगा से आग बरसने लगती है। शनिवार को सुबह 11 बजे तक दिन का पारा 43 डिसे के पार पहुंच गया था जिससे भीषण गर्मी तपन व लू के थपेड़ों के चलते लोगों का घरों से निकलना मुश्किल होने लगा। कार्यालय और दूसरे आवश्यक कार्यों से बाहर निकलने वाले लोगों को तेज धूप और भीषण का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए महिलाएं एवं बच्चे अपने चेहरों को अंगौछे से ढाकने के लिए एवं सिर पर टोपी लगाकर चलने के लिए मजबूर हो गये। दिन चढ़ने के साथ-साथ गर्मी भी बढ़ने लगी। बाजारों में सामान्य दिनों के अपेक्षा भी कम हो गयी है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि आगामी एक सप्ताह तक गर्मी का कहर इसी तरह जारी रहेगा। जैसे-जैसे गर्मी की तपन बढ़ रही है बिजली आपूर्ति भी लोगों का रूलाने लगी है। कई मुहल्लों में केबिल जलने के वजह से दिन भर रात भर बिजली गूल हो गयी। ट्रिपिंग से भी लोग परेशान हैं। विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने से कई मुहल्लों के लोगा पीने के पानी के लिए तरस कर रह गये।

गोवंशजों को लादकर जा रही डीसीएम ट्रक को फ्लाई ओवर पर पकड़ा विहिप कार्यकर्ताओं ने

प्रयागराज। विश्व हिंदू परिषद, , गौरक्षा के प्रांत मंत्री लाल मणि तिवारी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने गोवंशजों को लादकर जा रही डीसीएम नंबर यूपी 70 एटी- 5577 को नयापुल बांगड़ धर्मशाला से शास्त्री ब्रिज जाने वाले फ्लाईओवर पर पकड़ा विश्व हिंदू परिषद गोरक्षा के प्रांत मंत्री लाल मणि तिवारी ने बताया कि कार्यकताओं के द्वारा काफी दिन से सूचना मिल रही थी कि नए पुल बांगड़ धर्मशाला के सामने से पुलिस की मिलीभगत से गोवंशों की तस्करी हो रही है उक्त सूचना पर आज प्रात :काल 4 :00 बजे से गोरक्षा के कार्यकताओं के साथ बांगड़ धर्मशाला के पास घेराबंदी करके गाड़ी का इंतजार करने लगे इसी बीच डीसीएम गाड़ी नंबर यूपी 70 एटी- 5577 गाड़ी दिखाई जिस पर रोकने की कोशिश किया तो कसाइयों ने जान से मारने की नीयत से गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की किसी प्रकार से जान की बाजी लगाकर उपरोक्त गाड़ी फ्लाई ओवर के ऊपर पकड़ लिया जिसमें बैठे गाड़ी मालिक सहित चार गोतस्कर गाड़ी से कूदकर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

उक्त सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई लेकिन घटनास्थल से 100 मीटर की दूरी पर स्थित बैरहना चौकी व आधा किलोमीटर दूरी पर स्थित कीडगंज थाना

गाड़ी मालिक सहित चार गो तस्कर गाड़ी से कूदकर फरार, मुकदमा दर्ज

की पुलिस घटनास्थल पर 3 घंटा तक नहीं पहुंची जिससे कार्यकताओं में भारी आक्रोश रहा और पुलिस के देरी से पहुंचने के कारण इस भीषण गर्मी में तड़प -तड़प कर पांच गोवंशजो ने अपनी जान दे दी ' 4 घंटे बाद गाड़ी जब खाली की गई तो उसमें 12 गोवंशज काफी गंभीर स्थिति में व पांच मृत अवस्था में मिले जिस पर कार्यकताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते

हुए आक्रोश व्यक्त किया ' गोवंशज पकड़े जाने के बाद तत्काल पुलिस आ गई होती तो शायद पांच गोवंशज इस भीषण गर्मी में तड़प- तड़प कर न मरते ' प्रांत मंत्री ने कहाकि प्रयागराज जिला गोवंशजों के तस्करी का अड्डा बन गया है जहां पिछले 1 साल के दौरान सैकड़ो गोवंशजो की हत्या व गोतस्करी हो चुकी है लेकिन पुलिस प्रशासन कसाइयों को पकड़ने के बजाय उनकी मदद करने में जूटा हुआ है ' गोवंशों को पकड़ने में विष्णु स्वामी, वेद मनी तिवारी, प्रियांशु, दीपक, रोहित त्रिपाठी, निकेत, संतोष, विजय पांडे, चंद्रशेखर , लवलेश बजरंगी, आयुष श्रीवास्तव, शुभम कुशवाहा, नीरज राय, विष्णु कांत दुबे, शिवम द्विवेदी आदि कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा ' घटना की प्राथमिकी विश्व हिंदू परिषद, गौरक्षा के प्रांत मंत्री लाल मणि तिवारी ने कीडगंज थाने अपराध संख्या 75 धारा 307, 429,504,506 आईपीसी 3/ 5/ 8 गोवध निवारण अधिनियम एवं 11 पशु क्रूरता अधिनियम के तहत दर्ज कराई ' गोतस्कर गोवंशजो को लादकर कोलकाता गोवध हेतु ले जा रहे थे।

सपा सुप्रीमों ने अपने ही परिवार को पांच सीटें देकर जनता को बरगलाया-नीरज

प्रयागराज। इलाहाबाद लोकसभा भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने प्राचीन श्री सर्वेश्वर हनुमान मंदिर नारीबारी में पहुंचकर मत्था टेककर विजय का आशीर्वाद व तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का आशीर्वाद प्राप्त किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि यह वहीं श्री सर्वेश्वर

श्री सर्वेश्वर हनुमान मंदिर नारीबारी में भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने मत्था टेक विजय का आशीर्वाद लिया

हनुमान मंदिर है जिनके चौकठ से कोई खाली हाथ नहीं जाता। इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र से आज तक सभी विजई हुए प्रत्याशीयों ने यहां मत्था टेक आशीर्वाद ले चुके हैं चाहे महानायक अमिताभ बच्चन रहे हो या देश के पूर्व गृहमंत्री मुरली मनोहर जोशी,पूर्व सांसद स्व. श्यामाचरण गुप्त,सांसद प्रो.रीता बहुगुणा जोशी आदि रहें।

भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो वादा किया वह पूरा किया है। इस बार अगर प्रधानमंत्री मोदी बड़ा लक्ष्य चार सौ पार का रखा है तो इसका सीधा मतलब इस

बार बड़ा एतिहासिक कार्य भी होंगे, और दूसरे विपक्षी पार्टियां है जो विकास तो करती है पर केवल अपने परिवार का। अखिलेश जी एमवाई का समीकरण लेकर चलते है। कहते हैं हम यादवों के बड़े हितैषी है, अगर आप देखेंगे तो 65 सीटों मे केवल अपने परिवार के डिम्पल यादव,अखिलेश यादव, धर्मेंद्र यादव,आदित्य यादव,रामगोपाल यादव के सुपुत्र को ही टिकट दिया गया बाकी पूरे प्रदेश में किसी यादव को टिकट नहीं दिया यह केवल जनता को वरगलाने का कार्य करते है। जाति-पाति की राजनीति करते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी जाति धर्म के लोगों को विना भेद-भाव सुविधाएं देकर सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र पर कार्य करते हैं। इसलिए आप सभी 25 मई को होंने वाले मतदान में सुबह ही पोलिंग बूथ पर पहुंचकर कमल के सामने वाली बटन दबाकर विजई बनाने का कार्य करें यहीं अनूरोध करने आया हूं। इसके पूर्व नारीबारी चौराहे पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, नारीबारी मंडल महामंत्री रिषी मोदनवाल, भाजपा नेता अशोक मिश्र, पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष महेन्द्र शुक्ला,विधाकांत शुक्ल, संतोष पाण्डेय,अनुराग शुक्ल, अखिलेश शुक्ला,सोनू ठाकुर, गिरीश कुमार चतुर्वेदी आदि ने जोरदार स्वागत अभिनन्दन किया।

मतदाता जागरूकता रैली निकालकर शत प्रतिशत मतदान करने की दिलायी शपथ

प्रयागराज। लोकसभा निर्वाचन-2024 में मतदाता भागीदारी बढ़ाने, नैतिक मतदान एवं निर्वाचन संबंधी जागरूकता संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत बेथनी कॉन्वेंट स्कूल नैनी प्रयागराज आयोजन किया गया। बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य वहां के युवा को जागरूक करना तथा उन्हें मतदान के महत्व, निर्वाचन प्रणाली, वोटर हेल्प लाइन ऐप, 1950, सुविधा ऐप, सी-विजिल ऐप व निर्वाचन से संबंधित अन्य जानकारी उपलब्ध कराना रहा।

साथ ही युवा मतदाताओं के माध्यम से उनके पैरेंट्स को भी जागरूक करने का प्रयास करना है। इस दौरान मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में मतदाता प्रतिज्ञा शपथ, पेंटिंग प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।सभी छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार रहे उन्होंने छात्र छात्राओं से बात की और उन्हें लोकतांत्रिक भारत में वोट और चुनाव के महत्व की जानकारी दी और शपथ भी दिलायी।

मोदी के नेतृत्व में शान के साथ कश्मीर में तिरंगा फहर रहा है-रजनी तिवारी

प्रयागराज। प्रयागराज,फूलपुर संसदीय क्षेत्र के शहर उत्तरी विधानसभा का बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन केंद्रीय चुनाव कार्यालय जॉर्ज टाउन क्लब के प्रांगण में आयोजित किया गया इस अवसर पर

हमारा लक्ष्य शानदार जीत होनी चाहिए - प्रवीण पटेल शहर उत्तरी विधानसभा का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन हुआ आयोजित

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा बूथ को सर्वसमावेशी व सर्वस्पर्शी बनाने की जरूरत है। और हमको समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना है। और भाजपा को अजेय भाजपा बनाना लक्ष्य है। और उन्होंने बूथ जीतो चुनाव जीतो, मेरा बूथ सबसे मजबूत का मंत्र का नारा दिया। उन्होंने कहा हमारा नेतृत्व पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहा है। और मोदी के नेतृत्व में धारा 370 जाता और कश्मीर में शान के साथ तिरंगा फहरा रहा है और पुणे के नेतृत्व में दिव्य एवं भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ और सपा कांग्रेस के लोग राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से अपने आप को एक वर्ग विशेष के वोट के लिए दूरी बनाए रखा ऐसी राम

विरोधियों का अस्तित्व आज देश की जनता ने उनका अस्तित्व नकार कर दिया है।

उन्होंने कहा कि यूपी में विकास व कानून का राज स्थापित हुआ है।योगी सरकार में गुंडागर्दी व माफिया राज समाप्त हुआ हैं।अब गुंडे माफिया थर-थर कांपते हैं।उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं से अपने पुराने व विचार परिवार के कार्यकताओं से निरंतर संपर्क करने को कहा। और बूथों पर पांच बैठक क्रमश: युवा महिला, किसान, पिछड़ा और अनुसूचित जाति के लोगों की करने को कहा। और भूतों पर पहले चुनाव की परीक्षा 370 वोट बढ़ाने को कहा और बूथ अध्यक्षों को 70 साल के ऊपर के सभी लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने का फॉर्म भरने की औपचारिकता पूरी करने के निर्देश दिए। और अंत में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल को जीत की अग्रिम बधाई दी। *इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ता एक दूसरे के पूरक हैं। हम आपके बिना एक कदम भी नहीं चल सकते।उन्होंने कहा 20 दिन में हमारा लक्ष्य शानदार जीत का होना चाहिए।मैं चाहता हूं कि इतनी शानदार जीत हो कि लोगों की ताकत भारतीय जनता पार्टी की ताकत बन जाए।उन्होंने शानदार जीत के लिए सभी कार्यकताओं से बूथ पर दो दिन में 425 मतदाताओं की सूची बनाने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा प्रत्येक बूथ पर कम से कम 425 वोट और 65 प्रतिशत मतदान कराना है।

इस अवसर इस अवसर लोकसभा सभा प्रभारी बालेंदु मणि त्रिपाठी, लोकसभा संयोजक विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर, महापौर गणेश केसरवानी,प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी, उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक डायरेक्टर उपेंद्र सिंह,पूर्व विधायक डॉ करण सिंह पटेल,विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी,विक्रम सिंह पटेल, विभूति नारायण सिंह, ओम प्रकाश त्रिपाठी ने बूथ अध्यक्षों में जोश भरते हुए कहा कि बूध अध्यक्षो के मेहनत के बल पर इस बार हम 400 पार मोदी सरकार बनाने का लक्ष्य प्राप्त करेंगे सम्मेलन का संचालन कुंज बिहारी मिश्रा एवं सचिन जायसवाल ने किया। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर शहर उत्तरी विधानसभा के 416 बूथ अध्यक्ष, 90 शक्ति केंद्र प्रमुख, 79 पोलिंग सेंटर प्रमुख और 30 वार्ड अध्यक्षो को अंगवस्त्रम पहनाकर सम्मानित किया गया। विधानसभा प्रभारी अनुज परिहार संयोजक संजय गुप्ता, मीडिया प्रमुख आनंद वैश्य सुदर्शन, राघवेंद्र सिंह, मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी बृजेश त्रिपाठी नीरज पांडे, देवेश सिंह, शशि वार्ष्णेय,मंडल अध्यक्ष विजय श्रीवास्तव ,भोला सिंह, भरत निषाद,राकेश भारती, अनिल भट्ट, अवनीश तिवारी, संजय श्रीवास्तव,हनुमान प्रसाद, प्रशांत शुक्ला एवं शहर उत्तरी विधानसभा के सभी बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे।

महापौर ने श्री श्री रविशंकर को कुंभ मेले के लिए दिया निमंत्रण

प्रयागराज। महापौर गणेश केसरवानी ने काशी पहुंचकर आध्यात्मिक गुरु श्री रविशंकर महाराज जी से भेंट किया और उनसे आशीर्वाद लिया और उन्हें 2025 में होने वाले प्रयागराज के महाकुंभ में आने के लिए निमंत्रित किया और महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए आशीर्वाद मांगा।

अबकी बार 400 पार के लक्ष्य को पूरा करने में इलाहाबाद के मतदाता करें मतदान-काबीना मंत्री

कोरांव मेजा में भाजपा प्रत्याशी नीरज के समर्थन में हुआ बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन में शामिल हुए मंत्री

प्रयागराज। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में कोरांव और मेजा में आयोजित बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में प्रदेश के काबीना मंत्री अरविन्द शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उन्होंने जनता से सीधा संवाद करते हुए कहा कि जनता जनार्दन मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए शत-प्रतिशत मतदान करें इसके लिए आग्रह करने आया हूँ। अबकी बार 400 के पार लक्ष्य को पूरा करने में इलाहाबाद संसदीय का महत्व यहां की जनता समझे और नीरज को विजयश्री दिलाकर फिर से केन्द्र में भाजपा की सरकार बनायें।

उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, किसान, महिलाओं, युवाओं के हित में मोदी सरकार में अभूतपूर्व कार्य हुए। आज प्रदेश में योगी के नेतृत्व में अमन चैन के साथ प्रदेश का बहुमुखी विकास हो रहा है। जिसको आगे बढ़ाने के लिए केन्द्र में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाना बहुत जरूरी है। भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन के साथ ही अधिवक्ताओं के बीच जनसम्पर्क कर कोरांव में ब्लाक प्रमुख और क्षेत्र पंचायत सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं आपका बेटा और भाईहूँ। पार्टी ने मुझपर जो विश्वास जताया है उसके लिए आप सबके आशीर्वाद की आवश्यकता है। मैं आप सकबे बीच 24 घंटे उपलब्ध रहूंगा और कोई भी मेरे दरवाजे से

निराश होकर नहीं लौटेगा यह विश्वास दिला रहा हूँ। अधिवक्ताओं के हित में सरकार ने अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में गुणात्मक सुधार हुए हैं। प्रत्यशी की पत्नी कविता यादव त्रिपाठी ने शहर दक्षिणी के चौक मंडल के चौक, लोकनाथ, रानी मण्डी आदि क्षेत्रों में जनसम्पर्क कर व्यापारियों, समाजसेवियों और क्षेत्र के बड़े बुजुर्गों से आशीर्वाद मांगा। सांसद रीता बहुगुणा जोशी, पूर्व विधायक नीलम करवरिया ने लोगों से 25 मई को मतदान के दिन घर का सारा काम काज छोड़कर घर से बाहर निकलकर पहले मतदान करने के पश्चात ही अन्य कोई कार्य करने का आग्रह किया और प्रत्येक बूथ पर 370 मत पिछली बार के अपेक्षा ज्यादा डालकर राष्ट्र विरोधी और विपक्षियों के मनसूबे पर पानी फेरने का काम करेंगे। मीडिया प्रभारी देवेन्द्र नाथ मिश्र, क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेन्द्र देव पाण्डेय, जिलाध्यक्ष यमुनापार विनोद प्रजापति, महानगर अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्र, लोकसभा प्रभारी मनोज जायसवाल, संयोजक शिवदत्त पटेल, योगेश शुक्ल, अशोक सिंह, पुष्पराज पटेल, मोहन जी टण्डन, सुनीता चोपड़ा, किरन जायसवाल, साहिल अरोरा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा सोशल मीडिया ने डीपी के माध्यम से चुनावी कैंपेनिग को दी धार

प्रयागराज। मिशन 2024 की फतेह को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी कैंपेनिंग के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मोदी सरकार एवं लोकसभा प्रत्याशियों के समर्थन में शानदार चुनावी कैंपेनिग की शुरूआत कर दी। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि लोकसभा चुनाव की कैंपेनिंग को लेकर प्रत्येक लोकसभा में 200 सोशल मीडिया टीम वॉरियर्स की फौज 2024 लोकसभा चुनाव की चुनावी कैंपेनिंग को सोशल मीडिया की प्लेटफार्म पर भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशियों के और मोदी सरकार की 400 पार की विनिंग चुनावी अभियान के समर्थनमें प्रयागराज की इलाहाबाद एवं फूलपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी एवं प्रवीण पटेल के समर्थन में सोशल मीडिया के व्हाट्सएप ग्रुप, इंस्टाग्राम, फेसबुक ,ट्विटर पेज एवं एक्स अकाउंट पर डीपी चेंज कर चुनावी कैंपेनिंग की शानदार धार देने का काम शुरू कर दिया ह

सूचना

मैं रविकान्त शुक्ला पुत्र स्व0 रमाकान्त शुक्ला निवासी- एच.आई.जी. 36, प्रीतम नगर, थाना-धूमनगंज, प्रयागराज दिनांक 20.04.2024 को पालीथीन में रखा कब्जा लेटर एवं भवन से सम्बन्धित सम्पूर्ण दस्तावेज बैनामा पी.डी.ए. द्वारा मोहन सिंह का बैनामा दि.14.10.1999 को क्र.सं. 1 जिल्द संख्या 1830, पृ.सं. 1 से 12 पर क्रमांक 6933 रजिस्ट्रार प्रथम के यहाँ दर्ज है एवं दूसरा मोहन सिंह सिंह के द्वारा विक्रय पत्र श्रीमती सुमन उपाध्याय के पक्ष में निष्पादित किया गया था। जिसका बही संख्या 1 जिल्द सं. 6800 पृ.सं.1 से 24 तक क्रमांक 4415 पर दिनांक 05.08.2010 को प्रथम रजिस्ट्रार के यहाँ दर्ज हुआ है शिकायतकर्ता के उपरोक्त निवास से पी.डी.ए. ऑफिस, प्रयागराज के बीच में कही गिर गया है। जिस भी व्यक्ति को उक्त असल बैनामा मिले इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर सूचित करें।

मो0 : 9794869441

7 साहित्यकारों सहित 51 पत्रकारों का हुआ सम्मान

प्रयागराज। देश के पत्रकारों साहित्यकारों के मान सम्मान को संरक्षित करने के लिये सदैव तत्पर रहने वाले सबसे बड़े संगठन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की उत्तरप्रदेश इकाई का विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 3 मई 2024 को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विख्यात पाठ्यक्रम पुस्तक लेखक डॉ सर्वेश कान्त वर्मा ' सरल ' रहे ` विशिष्ट अतिथि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव मथुरा प्रसाद धुरिया , संरक्षक प्रोफेसर अवधेश अग्निहोत्री , डॉ सुभाष चन्द्रा (कानपुर) , विजय बेशर्म (गाडरवारा) , रामचन्द्र राय (आजमगढ़) रहे।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक / संचालक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने प्रदेश अध्यक्ष प्रभाशंकर ओझा, प्रांतीय मुख्य महासचिव मधुसूदन सिंह, प्रांतीय संरक्षक राम चंद्र राय, सतीश चन्द्र मिश्र मधुर , प्रांतीय कोषाध्यक्ष हौसला प्रसाद सिंह पटेल , प्रान्तीय सचिव सुमन कुमार पाण्डेय के साथ ही अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। समारोह में इस अवसर पर देश के सात मूर्धन्य साहित्यकारों को साहित्यिक सांस्कृतिक कला संगम अकादमी परियांवां प्रतापगढ़ द्वारा मानद सम्मानोपाधि विद्या वाचस्पति के सारस्वत सम्मान में अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बीपी यादव बलिया / प्रयागराज ने भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की सदस्यता ग्रहण की। राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र ने बीपी यादव कों सम्मानित किया। सारस्वत सम्मान से सम्मानित होने वाले साहित्यकारों में श्रीमती जया सिंह (सुलतानपुर) , श्रीमती वंदना सोनी ' विनम्र ' (जबलपुर), जया मोहन (प्रयागराज),राज बहादुर राना (सुलतानपुर), सतीश बब्बा (चित्रकूट), योगेंद्र कुमार मिश्र ' विश्वबंधु ' (प्रयागराज), मालती नीलाक्षी (उन्नाव) शामिल रहे।

फूलपुर संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में बनी गांव स्तर पर नेतृत्व खड़ा करने की रणनीति

सोरांव प्रयागराज आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के फूलपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी प्रवीण पटेल की जीत को लेकर शनिवार को सेवाईथ बाजार के रॉयल पैलेस पर ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्यों का सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें गांव स्तर पर नेतृत्व खड़ा करने की रणनीति बनाई गई इस मौके पर सत्तारूढ़ युवा एवं जुझारू सोरांव ब्लॉक प्रमुख प्रदीप कुमार पासी विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी काशी क्षेत्र किसान मोर्चा महामंत्री सुनील पटेल मंडल अध्यक्ष सोरांव कुलदीप सोनी सहित सैकड़ो ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे जानकारी के अनुसार मिशन 2024 के फूलपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी प्रवीण पटेल की जीत को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवाईथ बाजार के रॉयल पैलेस गेस्ट हाउस में ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य के साथ बैठक आहूत की गई बतातें चलें कि बैठक का तात्पर्य ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य द्वारा जिस तरह से अपनी जीत को लेकर प्रचार प्रसार किया जाता है ठीक उसी तर्ज पर प्रचार प्रसार को लेकर नेतृत्व खड़ा करने की रणनीति तैयार की गई उल्लेखनीय है कि आयोजन का संचालन ब्लॉक प्रमुख प्रदीप कुमार पासी व मंडल अध्यक्ष कुलदीप सोनी द्वारा किया गया जिसमें सर्वसम्मति से इस बात का संकल्प लेते हुए निर्णय लिया गया कि

ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य द्वारा अपनी जीत को लेकर मतदाता को आकर्षित किया जाता है उसी तर्ज पर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी की जीत को लेकर भी मतदाता को अपने पक्षधर में करेंगे उल्लेखनीय है कि लोकतंत्र की नई मताधिकार प्रणाली पर आधारित समाज व शासन की स्थापना के लिए बेहद आवश्यक है जिसे लेकर प्रत्येक वयस्क नागरिक को बिना किसी भेदभाव के मत का अधिकार प्रदान किया जाए जहां अपवाद स्वरूप पार्टी सिंबल प्रत्याशी की छवि एवं लोकप्रियता व जाति समीकरण को लेकर भी मतदान का प्रयोग मताधिकार को लेकर माना जा रहा है परंतु आज के भारत का राष्ट्रीय तथा सामाजिक परिदृश्य नितांत चिंता का विषय है भारत अपने राष्ट्रीय सामाजिक सांस्कृतिक एवं भाषाई विरासत को बचाने के लिए एक ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो राष्ट्र राष्ट्रीयता और उसकी संप्रभुता को नई ऊंचाई पर ले जाने की योग्यता रखता हो जो सिर्फ सुशासन की वादे ना करें बल्कि भारत की आम जनता को स्वराज और स्वतंत्रता का विश्वास भी समग्र विकास के माध्यम से करके दिखाएं ताकि भारतीयता और भारत के गौरव को हम इतिहास के पन्नों में खोने से बचा सकें जहां सम्मेलन में मंडल उपाध्यक्ष एडवोकेट अखिलेश भारतीया एडवोकेट संजीव द्विवेदी विद्यासागर मिश्रा ग्राम प्रधान सेवाईथ जितेंद्र उर्फ बबलू मौर्य प्रधान बलकरनपुर रीता साहू पत्नी विमल साहू टीटी पंडिला कमलेश गुप्ता सधनगंज महेंद्र कुमार पटेल अकारीपुर लालचंद पटेल क्षेत्र पंचायत सदस्य धीरू पासी छेदीलाल मीडिया प्रभारी आशीष पासी सहित सैकड़ो ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे

पंपिंग सेट के घर में हुई चोरी

मऊ आइमा प्रयागराज। फाजिलाबाद उर्फ कालूपुर निवासी रामचंद्र यादव ने अपने खेत में सिंचाई के लिए पंपिंग सेट लगवा रखा है । रात में चोरों ने मशीन का ताला तोड़कर उसमें लगे स्टेप्लाइजर सहित अन्य उपकरण पर हाथ साफ कर दिया। जिसकी तहरीर रामचंद्र यादव ने बहरिया थाने में दी है।

डंपर की टक्कर से बुजुर्ग की मौके पर मौत

सोरांव प्रयागराज थाना क्षेत्र सोरांव के जूड़ापुर दांदू गांव में शनिवार को दोपहर बाद डंपर की टक्कर से बुजुर्ग की मौके पर हुई मौत सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए पीएम के लिए भेजा गया जानकारी के अनुसार उक्त थाना क्षेत्र के जूड़ा पुर दांदू गांव के पास गंगा एक्सप्रेस का कार्य निर्माणाधीन है सूत्रों की माने तो ठेकेदार द्वारा निर्माणाधीन को लेकर डंपर से मिट्टी की ढुलाई कराई जा रही है जहां मिट्टी की ढुलाई के समय ही हाईवे के पास सड़क पार करते समय देवी दिन पुत्र जमुना प्रसाद 75 वर्ष उक्त गांव निवासी की डंपर की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई सूचना पर पहुंचे ग्रामीण द्वारा पुलिस को सूचना दी गई मामले की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए पीएम के लिए भेजा गया जहां मौत के बाद डंपर चालक डंपर सहित फरार हो गया मौत को लेकर परिजन द्वारा न्याय की मांग की जा रही है समाचार लिखे जाने तक मुकदमा पंजीकृत होने की जानकारी नहीं हो सका

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शत प्रतिशत मतदान आवश्यक : अशोक मेहता

कोरांव प्रयागराज

लोक जागरण मंच के तहत मतदाता जागरूकता अभियान के क्रम में शनिवार को नगर पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश केशरी के आवास पर अपर महाधिवक्ता अशोक मेहता ने नगर पंचायत के सभासदों व सामाजिक कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शत प्रतिशत मतदान हेतु प्रेरित किया इस दौरान उन्होंने कहा की लोकतंत्र के महापर्व में हर जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी है की उसके बूथ पर शत प्रतिशत मतदान हो जो नागरिक मतदान नही करता उसे चुनी हुई सरकार पर सवाल उठाने का हक नहीं बनता,बैठक में उनके साथ अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता अरविंद सिंह ने भी उपस्थित लोगो ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने की अपील की इस दौरान उनके साथ शासकीय अधिवक्ता ज्ञान नारायण कनौजिया, अनिल मिश्र,पंकज केशरी, सुभाष चंद्र पांडेय, प्रेम शंकर, रविन्द्र मिश्र

समेत नगर पंचायत के सभी सभासद व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन कल

मऊ आइमा प्रयागराज । सिकंदरा स्थित राम जानकी मंडपम में सोमवार को निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें एम्स के पूर्व विशेषज्ञों द्वारा नेत्र चिकित्सा, जांच एवं परामर्श दिया जाएगा। यह जानकारी कार्यक्रम के आयोजक राजकुमार पांडेय ने दी।

अमिलिया पाल के बाद खिवली में हार्ट अटैक से हुई युवक की मौत , मचा कोहराम

कोरांव प्रयागराज । कोरांव के खिवली कला गांव निवासी एक और युवक की शनिवार को सुबह लगभग 11 बजे अचानक हार्ट अटैक के झटके से मौत हो गई और परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के

अनुसार खिवली कला गांव निवासी प्रमोद कुमार (40) पुत्र बाबू लाल राजमिस्त्री का काम करता था। शनिवार को वह गांव निवासी अनसुइया के यहां काम राजमिस्त्री का काम करने गया था कि अचानक उसके सीने में दर्द शुरू हो गया और लगातार बढ़ता ही जा रहा था। काम पर लगे दूसरे साथी ने हालत खराब देख बाइक से प्रमोद को उसके घर पहुंचाया। घर परिवार के लोग आनन फानन में स्थानीय स्तर पर सेवा देने वाले चिकित्सक को बुलाया और अस्पताल ले जाने की भी तैयारी शुरू किया कि इलाज का मौका दिए बिना युवक ने दम तोड़ दिया और घर परिवार में कोहराम मच गया। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था जो दो नाबालिग पुत्र और दो पुत्री का पिता था। युवक की अचानक मौत से ग्रामीणों में जहां मातम छा गया वहीं घर परिवार सहित उसकी पत्नी सुलेखा संग चारों बच्चो का रो-रो कर बुरा हाल रहा। इस वक्त हार्ट अटैक से मौत की घटनाएं आए दिन देखने व सुनने को मिल रही हैं। एक ऐसा ही मामला दो दिन पूर्व क्षेत्र के अमिलिया पाल में देखने को मिला था जहां पर राजेश कुमार (26) पुत्र हरिश्चंद्र की सीने में दर्द से मौत हो गई थी। ग्रामीणों की चचाओं पर गौर करें तो कोरोना वैक्सीन लगवाने वाले व्यक्ति हार्ट अटैक के शिकार हो रहे हैं। फिलहाल करुण क्रंदन की गूंज से आम जनमानस की आंखें नम देखी गई।

भदोही : चुनावी रण में उतरी भाजपा, बसपा और टीएमसी

- नामांकन में भाजपा, बसपा और इंडी गठबंधन प्रत्याशियों ने दिखाया दम
- भारी लाव-लश्कर के साथ शनिवार को सात प्रत्याशियों ने किया नामांकन
- भाजपा से विधायक विनोद बिंद, इंडी गठबंधन से ललितेश ने भरा पर्चा

भदोही। शनिवार को भदोही में सभी प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशियों ने लोकसभा चुनाव में अपनी-अपनी दावेदारी पेश की। भाजपा से मझवा विधायक विनोद बिंद, बहुजन समाज पार्टी से हरिशंकर और इंडी गठबंधन से टीएमसी के प्रत्याशी ललितेशपति त्रिपाठी समेत कुल सात प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया। नामांकन के छठवें दिन शनिवार को कुल चार प्रत्याशियों ने पर्चा भी खरीदा। कलेक्ट्रेट मुख्यालय पर बनाए गए काउंटर से अब तक कुल 41 नामांकन फार्म बेचे गए हैं। जबकि अब तक कुल 13 लोगों ने पर्चा दाखिल किया है।

सभी प्रमुख पार्टियों के अलावा चार अन्य प्रत्याशियों के पर्चा दाखिल करने की वजह से जिला मुख्यालय पर शनिवार को भारी गहमागहमी देखने को मिली। भाजपा के प्रत्याशी विनोद बिंद ने दो सेट में, इंडी गठबंधन के प्रत्याशी ललितेशपति त्रिपाठी ने तीन सेट एवं बसपा के हरिशंकर ने एक सेट में नामांकन दाखिल किया।

इसी तरह ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लाक से सुशील, रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (ए) से अखिलेश, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से राजनारायण पटेल, भारतीय कामगार पार्टी से कृष्ण मुरारी ने आरओ विशाल सिंह एवं एआरओ भानसिंह के समक्ष पर्चा दाखिल किया।

भाजपा प्रत्याशी के साथ मंत्री डा. दयाशंकर मिश्र ह्यद्दयालुह्ल, मंत्री आशीष पटेल, विधायक दीनानाथ भाष्कर, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष दीपक मिश्र आदि उपस्थित रहे। इसके पूर्व में तीन मई को चार और एक मई को दो प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया था, इस तरह अब तक कुल 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। पांच मई को रविवार होने के कारण अवकाश रहेगा। इसलिए अब नामांकन पत्र खरीदने व जमा करने के लिए सिर्फ एक दिन का समय शेष है।

शनिवार को निर्दल के रूप में दारा सिंह, राम कैलाश, सुंदरम वर्मा र प्रमेश कुमार ने नामांकन पत्र खरीदा। नामांकन के प्रथम दिन 18, दूसरे दिन 10, तीसरे दिन दो, चैथे दिन पांच, पांचवें दिन दो और आज छठवें दिन कुल चार नामांकन पत्रों की बिक्री के साथ कुल 41 नामांकन पत्र खरीदे जा चुके हैं। दाखिल किए जा रहे नाम निर्देशनों की जांच सात मई को की जाएगी, जबकि प्रत्याशी अपने नाम की वापसी नौ मई को अपराह्न तीन बजे तक ले सकते है। तत्पश्चात्प्रत्याशियों की फाइनल सूची सार्वजनिक कर दी जाएयेगी।

नामांकन दाखित करते ललितेश पति त्रिपाठी

नामांकन दाखिल करते डा. विनोद बिंद

नामांकन दाखिल करते हरिशंकर सिंह दादा

कालीन कॉरिडोर मॉडल मतदान बूथ का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष समेत चार कद्दावर सपाइयों ने बदला पाला

भदोही। 25 मई को मतदाताओंको पोलिंग सेंटर तक ले जाने के लिए प्रशासन हर तरह के प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को वीएनजीआईसी कालेज में कालीन कारिडोर मॉडल बूथ का शुभारंभ किया गया। डीईओ विशाल सिंह व स्वीप प्रभारी यशवंत कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटा और जनपदवासियों से मतदान का आह्वान किया।

यह कालीन कारिडोर मॉडल बूथ पूरी तरह कालीन से बनाया गयाहै। स्थानीय उत्पाद, एक जनपद-एक उत्पाद के तहत किसी प्रोडक्ट से तैयार किया गया यह मॉडल बूथ देश में अपने तरह का अनोखा उदाहरण है। कालीन कॉरिडोर मॉडल बूथ में गैलरी की दोनों दिवारें, फर्श व छत भी कालीन से ढका गया है। कालीन से ही एक मतदान केंद्र भी मॉडल के रूप में बनाया गया था। जिसमें पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय महिलाएं उपस्थित रहीं। जिनके क्रियान्वयन नेतृत्व में जिला निर्वाचन अधिकारी व स्वीप प्रभारी ने मतदान कंपार्टमेंट में प्रतीकात्मक रूप से मतदान किया।

- डीईओ विशाल सिंह ने की अपील, मतदान कर बढ़ाएं कालीनगरी का मान-सम्मान
- कालीन कॉरिडोर मॉडल बूथ जिले के सात लाख लोगों के कार्यो का सम्मान:सीडीओ

जनपद के प्रमुख कालीन निर्यातकों असलम महबूब, आलोक बरनवाल, इम्तियाज अहमद, दर्पण बरनवाल व अन्य संस्थाओं के सहयोग से स्थापित कालीन कॉरिडोर मॉडल बूथ डीएम व सीडीओ को अवलोकन कराते हुए उपर्युक्त उद्यमियों ने कालीन की विभिन्न वैरायटी- परशियन, ईरान, लेदर मेड, नैचुरल सीनरी, प्लास्टिक कोटेड, सिल्क आदि का परिचय कराया, साथ ही भारत के कालीन उत्पाद में कालीननगरी के रूप में विख्यात भदोही का गुणगान किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कालीन कॉरिडोर मॉडल बूथ के बनाए जाने के औचित्य व प्रासंगिकता पर बल देते हुए बताया कि कालीन पर चलना एक सुखद, समृद्ध, एश्वर्य व वैभव पूर्ण जीवन को दशार्ता है। ठीक वैसे ही लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा निर्वाचन में हम सभी मतदाता गण 25 मई को अपना अमूल्य मतदान कर लोकतंत्र को और सशक्त व समृद्ध बनाएं। स्थानीय उत्पादों से बने साथ ही एक जनपद, एक उत्पाद से बनाये गये इस कालीन कॉरिडोर मॉडल बूथ देश में अपने तरह का अनोखा है। जैसे कालीन के क्षेत्र में पूरे विश्व में कालीन नगरी के रूप में भदोही की पहचान है, वैसे ही हम भदोहीवासी 25 मई को रिकार्ड मतदान कर राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण स्थान स्थापित करें।

स्वीप प्रभारी यशवंत कुमार सिंह ने बताया कि जनपद की पहचान कालीन के रूप में जानी जाती हैं। यहां की 7 लाख की आबादी कालीन रोजगार से प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से जुड़ी हुई है। जिस उत्पाद से जनपद भदोही की पहचान पूरे विश्व में है। उस उत्पाद अर्थात कालीन से बने कॉरिडोर व मतदान केंद्र के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है कि 25 मई को मतदान कर जनपद भदोही की शान बने। इस दौरान डीईओ विशाल सिंह के द्वारा खिलाड़ियों, कलाकारों, साहित्यकारों, शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में खिलाड़ियों में विकास कुमार बिंद, जायस गुप्ता, गौरव यादव, अमन यादव, सिद्ध नितीश, अभिषेक कुमार सिंह, अच्युतानंद राय, सहित जनपद के दोणाचार्य के रूप में कोच मोहम्मद रूस्तम खान, सेवानिवृत्त जिला क्रीड़ा अधिकारी, स्वीप आइकॉन अशोक गुप्ता, उर्मिला देवी, योग प्रशिक्षक संदेश योगी, राजेश परदेशी को अंगवस्त्र व माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

राजेश परदेशी ने अपने लोक भाषा में विभिन्न गीतों के माध्यम से एवं मतदाता जागरूकता विशेष गीत ह्यह्यचलो मतदान करें ह्लह्ल गाकर मतदान के लिए प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं ने नाटक प्रस्तुत किया। चार मई से 10 मई तक कालीन कॉरिडोर प्रदर्शनी मेला का संचालन किया जाएगा।

इस मौके पर डीडीओ ज्ञानप्रकाश, उपायुक्त राजाराम, डीआईओएस विकालय भारती, बीएसए भूपेंद्र नारायण सिंह, उप निदेशक कृषि डा. अश्विनी कुमार सिंह, डीआईओ डा. पंकज कुमार, उपायुक्त उद्योग आशुतोष सहाय पाठक, एसीएमओ डा. ओपी शुक्ल, सीएमएस महराजा चेतसिंह, डा. सरोज पांडेय, नाजिर प्रमोद पांडेय मौजूद रहे।

भाजपा की सदस्यता लेते सपाई

ज्ञानपुर(भदोही)। वैसे तो आप सभी ने कुल सात रंगों के बारे में ही सुना होगा, इन्हीं रंगों से मिलकर अलग-अलग रंग बनते हैं, लेकिन राजनीति में इतने रंग होते हैं कि उसका अंदाजा लगा पाना भी मुश्किल है। शनिवार को भाजपा प्रत्याशी का नामांकन होना था। इसके पूर्व जनपद मुख्यालय पर जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें चार कद्दावर सपा नेताओं ने तमाम कार्यकताओं के साथ साइकिल की सवारी छोड़ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा प्रत्याशी व मझवा विधायक डा. विनोद कुमार बिंद के नामांकन से पहले ज्ञानपुर-गोपीगंज मार्ग स्थित सिंहपुर में एक जनसभा का आयोजन किया गया था, जिसमे उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक बतौर चीफ गेस्ट भाग लेने पहुंचे थे। यह सभा चल ही रही थी कि अचानक मंच पर कुछ सपा नेता दाखिल होगए, जिनका डिप्टी सीएम ने स्वागत करते हुए भाजपा की सदस्यता दिलवाई।

कार्यशाला में मन दूत व मन परी का चुनाव

भदोही। जिला मानसिक सवास्थ्य प्रकोष्ठ की टीम के द्वारा शनिवार को स्कूल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम के तहत मिठाईलाल चंद्रभान गुप्त इंटर कॉलेज (कंसापुर, महराजगंज) और नेताजी राजनारायण इंटर कॉलेज (सरबतखानी) का भ्रमण किया गया और कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रोग्राम ऑफिसर मनोचिकित्सक डा. अभिनव पांडेय ने मानसिक रोग के विभिन्न लक्षणों के बारे में बताया और बच्चों को मानसिक रूप से स्वास्थ्य रहने के टिप्स दिए। बताया कि बच्चे देश के भविष्य हैं। मानसिक रोगों के प्रति जागरूक रहने से आने वाले कल को बेहतर बना सकते हैं।

नैदानिक मनोवैज्ञानिक डा. अशोक परासर ने मनोवैज्ञानिक रूप से उपचार पर

चर्चा की। सामाजिक कार्यकत्री डा. शांति ने मन कक्ष की रूप रेखा के बारे में विस्तार से बताया। दोनों विद्यालय में 20-20 मन दूत व मन परी का चुनाव किया गया, साथ ही उनको प्रमाण पत्र, बैच, एवं डायरी प्रदान की गई, साथ ही हेल्पलाइन नंबर 911-85705-999 पर संपर्क करने के लिए कहा गया। टोल फ्री टेली मानस 14416 पर 24 घंटे संपर्क किया जा सकता है।

जनवरी में मारपीट, मई में लिखा मुकदमा

औराई(भदोही)। जनवरी महीने में हुई मारपीट की एक घटना का मुकदमा औराई पुलिस ने चार महीने बाद अब जाकर लिखा है। जानकारी के मुताबिक औराई क्षेत्र के नटवा गांव में नाद-खूंटा रखने के चक्कर में मारपीट हो गई थी, जिसमें महिला व उसके ससुर घायल हो गए हैं। पिंकी शुक्ला (निवासिनी नटवा) ने गांव के ही चार लोगों पर आरोप लगाया कि छह जनवरी को उसकी जमीन पर कुछ लोग नाद रखकर खूंटा गाड़ने लगे, मना करने पर वह अमादा फसाद हो गए और मुझे व ससुर को जमकर मारापीटा। इस संबंध में औराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 325, 323, 504 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पराली जलाने का विधि विरुद्ध कृत्य कदापि न करें , होगी कार्यवाही - डॉ आरके पाण्डेय

कोरांव प्रयागराज । तहसील क्षेत्र कोरांव में लोगों द्वारा शासन के मंशा के विपरीत पराली जलाने का सिलसिला नहीं थम रहा है और प्रतिदिन एक साथ दर्जनों स्थानों पर पराली जलाया जा रहा है। क्षेत्र में एक साथ कई जगहों पर पराली जलाए जाने से अग्निशमन विभाग की मुश्किलें बढ़ गई हैं जिन्हें बढ़ती हुई आग पर काबू पाने और बस्तियों को बचाने के लिए दूर दूर से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मंगवानी पड़ रही हैं। मामले को लेकर अग्निशमन विभाग के सीएफओ डॉ आरके पाण्डेय से शनिवार को हुई एक वार्ता के दौरान उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि पराली जलाने का विधि विरुद्ध कृत्य कदापि न करें अन्यथा विधिक कार्यवाही की जाएगी। इतना ही नहीं उन्होंने पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए पराली न जलाने की अपील किया और कहा कि पराली जलाने से जमीन के जैविक फायदे वाले कीट नष्ट हो जाते हैं जिससे जमीन की उपजाऊ शक्ति कमजोर हो जाती है। फिलहाल पराली जलाने को लेकर विश्वास सूत्रों की मानें तो कतिपय लोगों द्वारा फसल बीमा कराया गया था जिसका मिलीभगत से अनुचित लाभ लेने के लिए पराली जलाया जा रहा है जबकि क्षेत्र में कहीं भी किसी भी व्यक्ति की फसल खेतों में खड़ी या पड़ी देखने को नहीं मिल रही है। भीषण गर्मी और लू में लोगों द्वारा निजी स्वार्थ में पराली जलाए जाने से एक ओर जहां पशुओं का निवाला खाक हो रहा है वहीं दूसरी ओर निकटस्थ बस्तियों में आगजनी के घटनाओं की चिंता सता रही है। यदि पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई तो किसी न किसी दिन कोई बड़ी अप्रिय घटना देखने व सुनने को मिलेगी।

डाक बाँटने के साथ मतदान के लिए भी करेगा प्रेरित डाक विभाग: पोस्टमास्टर

लाखों लोगों के घर पहुंचने वाली चिट्ठी पर होगी वोट देने की अपील

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। डाकिया डाक लाया, डाकिया बैंक लाया और अब डाकिया देश में लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए लोगों को मतदान के लिए भी प्रेरित करेगा। भारतीय चुनाव आयोग के ह्यस्वीप कार्यक्रमह्ल के अंतर्गत चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने का बीड़ा अब डाक विभाग ने भी उठाया है। प्रयागराज परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव के निर्देश पर प्रतापगढ़ जनपद के 362 डाकघरों सहित परिक्षेत्र के अधीन कुल 1960 डाकघरों के माध्यम से यह वृहद् अभियान चलेगा।

पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने लोगों से लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। एक तरफ डाकघरों के माध्यम से बँटने वाली डाक पर चुनाव का पर्व, देश का गर्व और मतदान की मुहर लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है, वहीं डाकिया भी डाक वितरण के दौरान लोगों से अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील करेंगे। इसके साथ ही डाकघरों में स्पीड पोस्ट व रजिस्ट्री बुकिंग, आईपीपीबी और बचत खाता खुलवाने, आधार नामांकन व अपडेशन इत्यादि तमाम कार्यों के लिए आने वाले लोगों को भी डाककर्मी अपना वोट देने के लिए प्रेरित करेंगे। पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि लाखों लोगों के घरों तक पहुंचने वाली चिट्ठियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करना है। खास कर बुजुर्ग, युवा, महिला और फर्स्ट वोटर्स के साथ-साथ दिव्यांग मतदाताओं तक हर हालत में जागरूकता संदेश पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रतापगढ़ मंडल के अधीक्षक डाकघर संजय कुमार ने कहा कि पोस्ट ऑफिस में दैनिक रूप से बड़ी संख्या में आम जनता अपने कार्यों के लिए पहुंचती है। इस लिहाज से पोस्ट ऑफिस मतदाता जागरूकता के लिए भी उचित स्थान है। उन्होंने डाक विभाग के समस्त कर्मियों को डोर-टू-डोर मतदाता जागरूकता अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का अनुरोध किया।

पोस्टमास्टर कृष्ण कुमार यादव

फांसी का फंदा लगाकर किशोरी ने की आत्महत्या, घर में कोहराम

शौच गयी महिला की करंट की चपेट में आने से मौत

स्वतंत्र चेतना

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात कारणों से किशोरी ने शनिवार को घर के अंदर कमरे मे पंखे के हुक में लटक कर आत्महत्या कर ली। सांगीपुर थाना क्षेत्र के देउम पूरब सेमरी निवासी हरिलाल की पुत्र सुशीला 17 ने कमरे के अंदर पंखे के हुक में दुपटटे से फांसी लगा लिया।

मृतका का पिता हरिलाल मजदूरी करने तथा उसकी मां मवेशियों को लेकर चाराजोई में गयी थी। दिन में एक बजे जब मृतका की मां सूरसती मवेशियों को लेकर घर वापस आयी तब दरवाजा अंदर से बंद देखा। सूरसती ने कई बार आवाज लगायी। फिर भी अंदर से कोई जबाब नही मिला। सूरसती की चीखपुकार पर गांव के लोग जुटे और पडोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के अंदर किशोरी को फांसी पर लटकता देख मां चीख पड़ी। सूचना मिलने पर सांगीपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पीएम के लिए भेजवाया। किशोरी की मौत को लेकर परिजन कुछ भी बोलने की स्थिति में नही दिखे। उधर घर से शौच जाने के लिए निकली महिला करंट की चपेट में आ गयी।

अस्पताल में ले आने पर चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों से कोहराम मचा है। लालगंज कोतवाली के अन्तर्गत रानीगंज कैथौला पुलिस चैकी क्षेत्र के देल्हूपुर गांव निवासी प्रमोद वर्मा की पत्नी ललिता देवी (38) शनिवार की सुबह करीब पांच बजे घर से शौच के लिए अपने खेत में गयी थी। उसके खेत से सटे पडोसी के खेत में मवेशियो से फसल के बचाव के लिए झटका करंट का तार खींचा गया था। शौच के दौरान महिला के झटका करंट तार की चपेट में आ गयी। जानकारी होते ही परिजन उसे इलाज के लिए ट्रामा सेण्टर लालगंज ले आये। यहां चिकित्सकों ने महिला ललिता देवी को मृत घोषित कर दिया। मृतका की दो पुत्रियां सरिता व अंजली तथा एक पुत्र राहुल है। घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। रानीगंज कैथौला चैकी इंचार्ज सुरेन्द्र सिंह का कहना है कि शव को पीएम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला विवाहिता का शव

प्रतापगढ़। महेशगंज थाना क्षेत्र के बला का पुरवा रायगढ़ गांव में संदिग्ध अवस्था में फांसी के फंदे पर एक विवाहिता का शव लटकता मिला। बता दें कि विवाहिता प्रिया की शादी दो साल पहले हुई थी। फांसी के फंदे से उतारकर ससुरालवालों ने प्रिया को कुण्डा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गये जहां प्रिया को मृत चिकित्सकों द्वारा घोषित कर दिया गया। इस दौरान जब मायके वालों को जानकारी हुई तो वह भी अस्पताल पहुंच गये और उन्होंने ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने सास को हिरासत में लिया है और पति अस्पताल से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रिया की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिये भेजा है।

जमीन विवाद को लेकर महिला सहित तीन को पीट कर किया घायल

पट्टी, प्रतापगढ़। जमीनी रंजिश के चलते पड़ोसियों ने महिला सहित तीन को लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस घायलों को सीएचसी पट्टी लेकर आए इलाज के बाद पीड़ित ने प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली इलाके के पूरेघना गांव के रहने वाले संतलाल पुत्र राम अनंद ने प्रार्थना पत्र देकर आरोपित किया है कि शुक्रवार की देर रात उसके हैंडपंप को पड़ोसी लोग उखाड़ने लगे, जिसका विरोध करने पर उक्त लोग संतलाल को लाठी डंडों से पीटने लगे यह सब देख पत्नी मीरा देवी आई तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। इसी दौरान हल्ला गुहार सुनकर बेटा संदीप कुमार बचाने के लिए आया तो उसके सर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिए जिससे वह अचेत होकर गिर पड़ा शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर आए। तो विपक्षी लोगों ने जान से मार देने की धमकी देते हुए चले गए। कोतवाल आलोक कुमार ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

एसडीएम सदर ने कब्जेदारों को दी नोटिस

प्रतापगढ़। एसडीएम सदर ने किशोरी मिष्ठान (चैक), केसरवानी पुस्तक भंडार के अलावा एक अधिवक्ता नेता सहित आधा दर्जन स्वामियों को नोटिस भेजकर चेतावनी दी है कि एक सप्ताह के अंदर अवैध कब्जा स्वयं हटा लें अन्यथा राजस्व टीम उसे जमीदोज करा देगा। इस कार्य पर आने वाले खर्च को अवैध कब्जेदारों से वसूल किया जाएगा। नोटिस मिलने से कब्जेदारों में हड़कम्प मच गया है।

गर्मी में पानी की भारी किल्लत नगर पंचायत मौन

पट्टी, प्रतापगढ़। आदर्श टाउन एरिया पट्टी में तहसील परिसर के पास उमसभरी गर्मी में पट्टी तहसील आने वाले फरियादियों वादकारियों को पेयजल के संकट से जूझना पड़ रहा है। दूर-दूर से आगंतुक फरियादियों के लिए पानी की व्यवस्था में भारी चूक दिखाई दे रही है।

गौरतलब है कि नगर पंचायत पट्टी के अध्यक्ष स्वयं अपनी पीठ थपथपाते हुए नगर पंचायत पट्टी को दुल्हन की तरह सजाने का वायदा करके चुनावी समर में जीत हासिल किये थे। लेकिन अब जब गर्मी चरम पर है तब कस्बे में कहीं पेयजल की व्यवस्था नहीं है। कस्बे में लगे वार्टर एटीएम प्याऊ महज शोपीस बन गए हैं। और एक-एक बूंद पानी के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। फिलहाल इस उमस भारी गर्मी में ना तो प्रशासनिक अमला इस पर ध्यान दे रहा है न टाउन एरिया अध्यक्ष वैसे देखना है कि इस समस्या से लोगों को कब निजात मिलेगा और प्रशासनिक अमला इसका निदान कब कराएंगा।

अंश व शिवांग वर्मा के घर पहुंच कर एसपी पटेल ने जताई संवेदना

स्वतंत्र चेतना

पट्टी, प्रतापगढ़। पूरे दलपत शाह गांव में मंगलवार की शाम को तालाब

हर संभव मदद का दिया आश्वासन

नहाने गए दो मासूम की मौत हो गई थी आज प्रतापगढ़ के सपा प्रत्याशी शिवपाल सिंह पटेल घर वालों से मिल कर हर संभव मदद का भरोसा दिया।

आसपुर देवसरा गांव के पूरे दलपत शाह गांव में मंगलवार की शाम अंश वर्मा शिवांग वर्मा घर से कुछ दूर स्थित तालाब पर नहाने के लिए गए थे तालाब में नहाते वक्त दोनों बच्चों की तालाब में डूबने के कारण हो गई थी शनिवार को लोकसभा प्रत्याशी सपा एसपी सिंह पटेल पीड़ित स्वजनों के घर पहुंच कर संवेदना जताई व हर संभव मदद करने का भरोसा दिया इस मौके पर आर के भीम, आशीष पटेल, शिखर पाल, जगलाल, दिनेश कुमार वर्मा आदि लोग मौजूद रहे। उधर शनिवार को विधानसभा सदर क्षेत्र के अचलपुर सहित कई मुहल्लों में जनसंपर्क कर लोगों से अपने पक्ष में जन-समर्थन मांगते हुए आशीर्वाद लिया। इस दौरान गठबंधन के प्रत्याशी डॉव एस.पी. सिंह पटेल ने कहा कि राजनीति उनका रोजगार नहीं है, वे प्रतापगढ़ में लोगों की सेवा करना चाहते है। गठबंधन के प्रत्याशी डॉ एस.पी. सिंह पटेल ने लोगों से स्नेह आशीर्वाद लेते हुए अपने पक्ष में मतदान की अपील किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष आशुतोष पाण्डेय, जावेद खान, सद्दाम एडवोकेट, गुलफाम खान, सफात खान, इंजीनियर प्रिंस कुमार पटेल, जी. एस. वर्मा, सेबू शहरे आलम, राजेश कुमार यादव, राहुल मौर्या, बबलू पाल, जयप्रकाश पाल, रंजीत सरोज आदि सम्मानित लोग मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर पूर्व शिक्षक एम.एल.सी. कांति सिंह ने इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी डॉव एस.पी. सिंह पटेल के समर्थन में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के डिघवट व आस पास के गांव में गठबंधन के कार्यकताओं साथ सघन जनसंपर्क करते हुए लोगों से इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी को मत देकर मजबूत बनाने की अपील की।

मासूम की मौत पर संवेदना जताते सपा प्रत्याशी एसपी पटेल

दो पहिया और चार पहिया वाहनों की हुई सघन चेकिंग

पट्टी, प्रतापगढ़। सामान्य लोकसभा निर्वाचन 2024 को लेकर जगह-जगह संदिग्ध स्थलों पर एकाग्र होकर जनपद की पुलिस संदिग्ध दशा में मिलने वाले सभी दो पहिया और चार पहिया वाहनों की चेकिंग कर रहे हैं। चेकिंग की बात तो देखरेख की रही स्थानीय पट्टी पुलिस बाकायदा वाहनों की तलाशी ले रही है, जिससे वाहन चालकों में हड़कंप जैसा माहौल नजर आया। इस तलाशी अभियान में प्रमुख रूप से कोतवाल आलोक कुमार, चैकी इंचार्ज पृथ्वीगंज लक्ष्मीकांत सिंगर, उप निरीक्षक इंद्रेश कुमार प्रजापति, उप निरीक्षक शुभम सिंह, महिला उप निरीक्षक अर्चना, मुख्य आरक्षी मुकेश त्रिपाठी आरक्षी सोनू कुमार चेकिंग अभियान में शामिल रहे।

सिल्वर जोन ओलंपियाड के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। बी एस एस एकेडमी प्रतापगढ़ में आज सिल्वर जोन फाउंडेशन,

बी एस एस एकेडमी में हुआ आयोजन

नई दिल्ली द्वारा आयोजित सिल्वर जोन ओलंपियाड के विजेताओं को संस्था के प्रतिनिधि रवि एवं विद्यालय के निदेशक विनोद सिंह द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विनोद सिंह ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में छुपी प्रतिभाओं को निखारने में सहायक होती हैं। विद्यार्थियों को ऐसी प्रतियोगिताओं में अवश्य प्रतिभाग करना चाहिए। कक्षा 9 के छात्र अंशुमान सिंह को गोल्ड मेडल, अनुराग रजक को सिल्वर मेडल और मुनफ पटेल को कांस्य पदक प्रदान किया गया। सांत्वना पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थियों में कक्षा 7 से छात्र रुद्रांश सिंह, प्रसिद्धि सिंह, सृष्टि गुप्ता, कक्षा 8 से प्रियांशु तिवारी, अर्पिता वर्मा, रुद्राक्ष सिंह, कक्षा 9 से आर्यन सिंह, कृष्णा शुक्ला, सोनाक्षी सरोज, कक्षा 12 से उत्कर्ष ओझा, प्रनव मिश्र, आयुष कुमार मोदनवाल को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मैनेजर धर्मेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य अवधेश प्रताप सिंह, शिक्षकगण अर्चना तिवारी, दिग्विजय सिंह, संजय सिंह, प्रीतम राज, यमी सिंह आदि उपस्थित रहे।

विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते अतिथिगण

खुलेआम हो रहा है आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन

पट्टी, प्रतापगढ़। सड़क किनारे लगे लोहे के बोर्ड पर बड़े नेताओं की तस्वीरें लगी है जो प्रशासन को नहीं दिखाई दे रहा है। यहां खुलेआम आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है।ट

ट्टी कोतवाली क्षेत्र के पट्टी से बंधवा वाया पृथ्वीगंज मार्ग पर सड़क किनारे देश के प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व सांसद संगम लाल गुप्ता की फोटो लोहे के बोर्ड पर सड़क किनारे लगी हुई है जिसे प्रशासन ने अभी तक नहीं हटवाया, जिससे आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उलंघन हो रहा है, जिसकी चर्चा लोगों की जुबान पर। जबकि इस समय देश में आचार संहिता लागू है और मई महीने में चुनाव होने हैं। लेकिन प्रशासन को नेताओं के बोर्ड पर लगे फोटो नहीं दिख रहें हैं, जिसकी चर्चा इलाके में चोरों पर है।

शोध छात्रा प्रिया पाण्डेय को मिली पीएचडी की उपाधि

प्रतापगढ़। शैक्षिक करियर में हमेशा उच्चांक प्राप्त करने वाली होनहार शोधछात्रा प्रिया पाण्डेय को ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय जयपुर राजस्थान से पीएचडी की उपाधि मिली है। यह उपाधि उन्हें आहार एवं पोषण विषय पर प्राप्त हुई। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में यह उपाधि प्रिया पाण्डेय को पाण्डुचेरी की उपराज्यपाल एवं प्रथम महिला आईपीएस किरन बेदी ने प्रदान की।

विश्वविद्यालय की प्रो० पल्लवी सिंह तथा प्रो० नीरज के निर्देशन में प्रिया पाण्डेय ने शोधकार्य किया। गौरतलब है कि प्रिया पाण्डेय डीआईओएस कार्यालय के पूर्व शिक्षाकर्मी विनोद पांडेय तथा जीजीआईसी की शिक्षिका नीरू पाण्डेय की बेटी हैं। जनपद के सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी माता बदल पाण्डेय की प्रपौत्री हैं। इस उपलब्धि पर प्रबुद्धजनों-डीआईओएस सरदार सिंह, पूर्व एडीआईओएस डॉ. दयाराम मौर्य रत्न, पूर्व प्राचार्य जगदीश मिश्र, आलोक मिश्र, ज्ञान प्रकाश मिश्र, अम्मा साहब ट्रस्ट के ट्रस्टी आनन्द मोहन ओझा, समाजसेवी रोशन लाल ऊमर वैश्य, विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य आदिक ने प्रिया पाण्डेय को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

प्रिया पाण्डेय

अधिवक्ताओं के शस्त्र लाइसेन्स जमा कराए जाने को लेकर जतायी नाराजगी

प्रतापगढ़। लोकसभा चुनाव में जिले के अधिवक्ताओं को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत ब्राण्ड एम्बेस्डर बनाये जाने को लेकर आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन ने शनिवार को डीएम को पत्रक सौंपा है। वहीं एसोशिएसन ने चुनाव की आड़ में अधिवक्ताओं के लाइसेंसी शस्त्र जमा कराए जाने को लेकर पुलिस प्रशासन के दबाव को लेकर नाराजगी भी जतायी है। एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने डीएम संजीव रंजन को लिखे पत्र में कहा है कि संसदीय चुनाव में मतदाता जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाये जाने के लिए जिले भर के अधिवक्ता संगठनों के पदाधिकारियों व अधिवक्ताओं को मतदान केन्द्रों के लिए ब्राण्ड एम्बेस्डर बनाए जाने की सकारात्मक पहल की जाय। वही उन्होने डीएम के साथ एसपी सतपाल अंतिल से भी मुलाकात कर उन्हें सौपे गये पत्र में कहा है कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा को देखते हुए थाना स्तर पर उनके लाइसेंसी शस्त्र जमा कराये जाने की कार्रवाई को अविलम्ब रोका जाना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा है कि अधिवक्ताओं के शस्त्र लाइसेंस जमा कराए जाने के दबाव के बीच यदि चुनाव के दौरान अधिवक्ताओं की सुरक्षा प्रभावित हुई तो इसके लिए जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा। एक तरफ अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को लेकर अधिवक्ता लोकतांत्रिक आवाज उठा रहे हैं दूसरी तरफ निर्वाचन की आड़ में अधिवक्ताओं के शस्त्र लाइसेंस जमा कराये जाने के पुलिसिया अभियान से जिले भर में अधिवक्ताओं में क्षोभ व आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

चार प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन पत्र

प्रतापगढ़। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत कलेक्टेज्ट में बनाये गये नामांकन स्थल पर आज छठे दिन 04 प्रत्याशियों द्वारा जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया गया जिनमें श्रवण कुमार त्रिपाठी सुत राम मनोहर त्रिपाठी-निर्दलीय-दो सेट, फूलचन्द्र सोनी सुत राम अंजोर-निर्दलीय एक सेट, ऋषि पटेल सुत राम सजीवन-अपना दल (कमेसवादी) एक सेट व धनन्जय सुत गौरीशंकर-निर्दलीय एक सेट में नामांकन दाखिल किया। इसके अलावा छठें दिन आठ लोगों ने 11 सेट में नामांकन पत्र प्राप्त किया।

अतुल अंजान के निधन पर प्रमोद तिवारी व मोना ने जतायी पीड़ा

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य तथा स्वामीनाथन आयोग के सदस्य रहे अतुल कुमार अंजान के आकस्मिक निधन पर गहरी संवेदना प्रकट की है। राज्य सभा सांसद प्रमोद तिवारी व विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि अतुल अंजान जी का सम्पूर्ण जीवन किसान मजदूर एवं समाज के पिछडे तबके के लोगों के लिए समर्पित रहा है।

कांग्रेस नेताद्वय ने कहा कि अतुल अंजान के निधन से किसानों, मजदूरों एवं गरीबों का एक सच्चा हितैषी सदासर्वदा के लिए चला गया है। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना ने अतुल के निधन को पारिवारिक मित्र खो देने की व्यक्तिगत क्षति भी कहा है। नेताद्वय का संयुक्त बयान यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

जेईई मेंस में संस्कार ग्लोबल स्कूल के पांच छात्रों ने बाजी मारी

जेईई मेंस में चयनित संस्कार ग्लोबल स्कूल के बच्चे

प्रतापगढ़। जेईई मेंस के घोषित परिणाम में संस्कार ग्लोबल स्कूल टेउंगा के पांच छात्रों ने बाजी मारी है। शनिवार को सभी को सम्मानित किया। शुभी, सारा मतीन, मोहन सिंह, मो. अनस, अक्षत शुक्ला ने अच्छे अंक अर्जित किये। चेयरपर्सन डॉ. अंजना सिंह सेंगर ने बच्चों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।निदेशक संजय सिंह,प्रिंसिपल समीना अख्तर ने चयनित छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए मुंह मीठा कराया। निदेशक ने कहा कि देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक इस परीक्षा में बच्चों ने बिना कोचिंग के यह परीक्षा न सिर्फ पास की है, बल्कि अच्छा स्कोर किया है। संचालन अविनाश सिंह ने किया। प्रकाश त्रिपाठी, अखिलेश मिश्र, सुधा सिंह, मो.रईस, आरएम शर्मा, तरुण शुक्ल, आनन्द सिंह, महेन्द्र वर्मा, संजीव शुक्ल, नौशाद खान, जेपी त्रिपाठी, कृष्णा सिंह, प्रमोद गुप्ता आदि रहे।

घर में घुसकर मारपीट पर तीन के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिश में घर में घुसकर युवती के साथ मारपीट करने की घटना में कोतवाली पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के भदारी कला शिवबक्श गांव की अंतिमा पुत्री श्यामलाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि रंजिश को लेकर दो मई की शाम करीब साढ़े सात बजे गांव के रमाकांत वर्मा के पुत्र मुकेश वर्मा व पुत्रियां सुनीता व रोशनी उसके घर में घुस आये। आरोपियों ने लाठी डंडा व धारदार हथियार से उसे मारापीटा। गंभीर चोट लगने से पीड़िता बेहोश हो गयी। आरोपी जान से मारने की धमकी देते चले गये। मामले में जांच के बाद पुलिस ने मुकेश समेत तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

घर में हुई चोरी को लेकर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। घर में घुसकर चोरी की घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के कल्यानपुर गांव निवासी राहुल उपाध्याय पुत्र छोटे लाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि दो मई की रात्रि अज्ञात चोर उसके घर में घुस आये। आलमारी का ताला तोडकर लाखों के जेवरात व नकदी चुरा ले गये। कोतवाल अवन दीक्षित का कहना है कि मामले में जांच के बाद अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शीघ्र की घटना का राजफाश किया जाएगा।

आज विविध कार्यक्रमों में शामिल होंगे प्रमोद तिवारी

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी आज रविवार को रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वह अपरान्ह साढ़े तीन बजे लालगंज के भदारी कला तथा साढ़े चार बजे पूरे नोती एवं सांय साढ़े पांच बजे समापुर में आयोजित पार्टी द्वारा जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके पहले राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी दिन में एक बजे अगई मोड़ में कार्यकताओं से मुलाकात व डेढ़ बजे बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन करेंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

स्वतंत्र चेतना

www.swatantrachetnanews.com

प्रयागराज । रविवार । 05 मई 2024 6

संपादकीय

सिर्फ शर्मनाक

एक समय था कि जब लोग देश के नेताओं के सार्वजनिक जीवन में आचरण का अनुसरण करते थे। नेताओं को भी समाज में अपनी छवि व प्रतिष्ठा की फिक्र रहती थी। वे कहे को जीते भी थे। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीति में कई क्षत्रप परिवारों के ऐसा नेता भी सामने आए हैं जिन्होंने सत्तामद में चूर होकर तमाम नैतिकताओं व मयार्दाओं को ताक पर रखा। पिछले दिनों कर्नाटक में हासन सीट से जनता दल (सेक्यूलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर सैकड़ों महिलाओं के साथ दुराचार के जो गंभीर आरोप लगे, उसने राजनीति में पतन की पराकाष्ठा को दशार्या है। आरोपी सांसद का दुस्साहस देखिए कि वह मतदान के दिन तक चुनाव क्षेत्र में रहा और फिर जर्मनी भाग गया। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पौत्र और पूर्वमंत्री एचडी रेवन्ना के पुत्र प्रज्वल के यौन उत्पीड़न व दुराचार दशार्ते करीब तीन हजार वीडियो सार्वजनिक हुए। चुनाव प्रचार के दौरान वीडियो पेन ड्राइव के जरिये बांटे जाते रहे। निस्संदेह इस मामले के खुलासे की टाइमिंग के राजनीतिक निहितार्थ हैं। वहीं भाजपा के एक नेता ने एक साल पहले भाजपा नेतृत्व को पत्र लिखकर चेताया था कि प्रज्वल के कुकृत्यों की पेन ड्राइव कांग्रेस के पास पहुंच चुकी है। जिसका उपयोग लोकसभा चुनाव में हथियार के रूप में किया जाएगा। सवाल भाजपा नेतृत्व पर भी है कि हकीकत से वाकिफ होने के बावजूद क्यों प्रज्वल रेवन्ना को गठबंधन के सहयोगी कोटे से टिकट दिया गया जब राज्य में कांग्रेस की सरकार है तो एक साल पहले जानकारी होने के बावजूद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई दरअसल, एक समुदाय विशेष में एचडी देवगौड़ा परिवार की पकड़ होने की वजह से भाजपा व कांग्रेस कड़ी कार्रवाई से बचते रहे हैं। बहरहाल, इस सेक्स स्कैंडल के उजागर होने और उसके बाद तमाम सफाई के बावजूद जनता दल सेक्यूलर और उसकी सहयोगी भाजपा को राहत मिलना मुश्किल है। वजह है कि आरोप गंभीर और महिलाओं की अस्मिता से जुड़े हैं।

निश्चित रूप से कर्नाटक में पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार के सदस्य व सांसद ने जो कुकृत्य किये हैं, उससे भारतीय लोकतंत्र शर्मसार हुआ है। विडंबना देखिये कि जो बड़े राजनेता महिलाओं की प्रशंसा में कसीदे पढ़ने से नहीं थकते हैं, वे व्यावहारिक जीवन में दुराचार की पराकाष्ठा देखकर भी आंखों पर पट्टी बांध लेते हैं। वे इस शर्मनाक कांड की व्याख्या अपनी सुविधा के अनुसार कर रहे हैं। एक पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार का सांसद अपने घर में काम करने वाली महिलाओं तक को न बख्शे, इससे ज्यादा शर्मनाक क्या हो सकता है। आरोप है कि प्रज्वल रेवन्ना ने किसी भी आयु और वर्ग की महिला को नहीं बख्शा। इतना ही नहीं, सरकारी महिला अधिकारियों, कर्मचारियों व पार्टी कार्यकताओं तक को हवस का शिकार बनाकर वीडियो बनाने तक के गंभीर आरोप प्रज्वल पर लगे। वीडियो इसलिये बनाये ताकि शोषण के बाद लोकलाज के भय से उन्हें चुप रखा जा सके। आरोपों के निशाने पर पूर्व मंत्री व प्रज्वल के पिता एचडी रेवन्ना भी हैं। हालांकि, प्रज्वल का आरोप है कि एआई के जरिये उसके फोटो से छेड़छाड़ करके वीडियो बनाए गए हैं। लेकिन यदि वह निर्दोष है तो फिर उसे चुपके से जर्मनी भागने की क्या जरूरत पड़ी बिना सरकारों की मिलीभगत के क्या वह जर्मनी भाग सकता था क्या यह जन विश्वास सही है कि घोर विरोधी राजनीतिक दल व्यावहारिक जीवन में एक दूसरे के बड़े नेताओं को बचाने के लिये कवच का काम करते हैं सवाल स्वाभाविक है कि जनता दल (एस) ने अश्लील वीडियो मामले में प्रज्वल को पार्टी से निलंबित करने में इतनी देर क्यों की निस्संदेह, ऐसे यौन कुंठित जनप्रतिनिधि का चुना जाना लोकतंत्र के दामन पर एक दाग सरीखा है। प्रज्वल के जैसे विकृतिपूर्ण वीडियो सार्वजनिक हुए हैं उसे देखते हुए तत्काल उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की जरूरत है। बहरहाल, अब कर्नाटक सरकार द्वारा मामले में एसआईटी के गठन और प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार व अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के बाद उम्मीद जगी है कि दोषी को दंडित करके पीड़िताओं को न्याय मिल सकेगा।

सेहत

क्यों समय से पहले सफेद होने लगते हैं बाल

आज के समय में युवाओं के बेहद कम उम्र में बाल सफेद होना शुरू हो जाते हैं। जो कि एक बड़ी समस्या के रूप में देखा जा रहा है। अगर आपके बाल भी समय से पहले सफेद होने लगे हैं, तो हम आपको इसके कारणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

पहले के समय में 40-45 की उम्र के आसपास बाल सफेद होना शुरू होता था, जोकि एक स्वभाविक प्रक्रिया है। लेकिन अब 20-30 की उम्र से ही युवाओं के बाल सफेद होने लगते हैं। इसका एक बड़ा कारण लाइफस्टाइल और खानपान है। हांलाकि इसके अलावा भी बाल सफेद होने के क्या कारण है इस बारे में भी जानना जरूरी होता है।

ऐसे में अगर आपके बाल भी समय से पहले सफेद होने लगे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको समय से पहले बालों के सफेद होने के कारण के बारे में बताने जा रहे हैं।

बाल सफेद होने के वजह

हांलाकि बाल सफेद होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। यदि आपके बाल भी समय से पहले सफेद हो रहे हैं, तो पहले इसके पीछे की वजह जाननी चाहिए, जिससे कि आप उसका सही से उपाय किया जा सके।

विटामिन्स की कमी

कैल्शियम, कॉपर, आयरन, फॉलिक एसिड, विटामिन बी 12 की कमी बाल जल्द सफेद होने लगते हैं। यदि आपके बाल भी समय से पहले सफेद होने लगते हैं, तो पहले चेक करें कि आपकी बॉडी में विटामिन्स की कमी तो नहीं है। इसलिए सही डाइट और सप्लिमेंट्स से आप विटामिन की कमी को पूरा कर सकते हैं।

हेयर प्रोडक्ट्स

कुछ हेयर केयर प्रोडक्ट्स जैसे- जेल, स्प्रे और बोल्ड हेयर कलर में कई हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। जिसके कारण बाल समय से पहले सफेद होने लगते हैं। इसके साथ ही कर्लिंग और स्ट्रेटनिंग जैसे हेयर ट्रीटमेंट आदि से भी बाल जल्दी सफेद होने लगते हैं। इसलिए कोई भी हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से पहले यह जरूर देख लें कि उसमें हानिकारक केमिकल तो नहीं मिला है।

गलत खानपान

कई बार बहुत ज्यादा अल्कोहल, चाय कॉफी, तली-भुनी चीजें और जंक फूड आदि का सेवन करने से आपके बाल समय से पहले सफेद होने लगते हैं। ऐसे में आप अपने खानपान की आदतों में सुधार लाकर इस समस्या से बच सकते हैं।

आनुवंशिकता

अगर आपके परिवार में बाल जल्दी सफेद होने की समस्या है, तो यह आपके साथ भी हो सकता है। क्योंकि सफेद बाल या गंजेपन की समस्या आनुवंशिक भी होती है, जो अगली पीढ़ी को भी झेलना पड़ सकता है। ऐसे में आप अपने लाइफस्टाइल में बदलाव करने के साथ बालों को समय से पहले सफेद होने से रोक सकते हैं।

नींद की कमी

आज के समय में काम करने के घंटे काफी बढ़ गए हैं। इसके साथ ही शिफ्ट में जॉब करने का ट्रेंड बढ़ गया है। वहीं टठउ में काम करने वालों को समय के हिसाब से काम करना पड़ता है। ऐसे में नींद न आने की समस्या होने लगती है। पर्याप्त नींद न मिलने की वजह से बाल समय से पहले सफेद होने लगता है।

तनाव

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव से बच पाना काफी मुश्किल होता है। योग और मेडिटेशन की मदद से तनाव को काफी कम किया जा सकता है। यदि आप तनाव में रहते हैं, तो आपके बाल समय से पहले सफेद हो सकते हैं। बालों को सफेद होने से बचाने के लिए योग और मेडिटेशन को अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बना लेना चाहिए।

घरेलू उपाय

आंवला-मेहंदी हेयर पैक

बालों को सफेद होने से बचाने के लिए आंवला काफी फायदेमंद साबित होता है। बालों को जल्दी सफेद होने से बचाने के लिए रोजाना एक गिलास में पानी और आंवले का रस मिलाकर पीना चाहिए। यह आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत रखता है। सबसे पहले लोहे की कड़ाही में सूखे आंवले को भूनकर पीस लें। फिर इसको मेहंदी के पेस्ट में मिलाकर बालों में अप्लाई करना चाहिए। बालों में आंवला और मेहंदी नियमित रूप से लगाने से बाल जल्द सफेद नहीं होंगे।

करी पत्ता का हेयर पैक

करी पत्ते को अपनी डाइट में शामिल करने से बालों की जड़ें और फॉलिकल्स मजबूत होते हैं। यह प्रोटीन और बीटा-कैरोटीन का स्त्रोत होता है। जो बालों को झड़ने से रोकने के साथ मजबूत बनाता है। करी पत्ते में फॉस्फोरस, आयरन, कैल्शियम और विटामिन सी, बी, ए और ई पाया जाता है। बालों को सफेद होने से बचाने के लिए बालों में करी पत्ते का पेस्ट लगाना चाहिए। 20-30 मिनट तक हेयर पैक को लगाने के बाद बालों को धो डालें। इससे जल्दी बाल सफेद नहीं होंगे।

मोबाइल की आभासी दुनिया में खोता बालमन

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चे, गेमिंग, सोशियल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है।

सोशल मीडिया पर आये दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रुम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने-अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सएप या इसी तरह के किसी दूसरे एप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वोही आएगा जो अधिक ग्लेमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चेटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे। इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रहे हैं वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलो करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। सोशल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चैनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते-देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बेन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चैनलों, प्लेटफार्म, एप आदि पर रोक लगाने के लाख दावें किये जाते हो पर साफ्तवेयर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नहीं करें, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा, यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा।

तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चे को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टेबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सेल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक दूसरे से मारामारी-हाथापाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चे, गेमिंग, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सेल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेश लड़कों और लड़कियों दोनों में ही समान रुप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दो राय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मार्टफोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। प्लेटफार्मों पर चाइल्ड लोक की बात भी की जाती है पर चाइल्ड लोक कितना कारगर है यह हम सब अच्छी तरह से जान और समझ सकते हैं। मजे की बात तो यह है कि मोबाइल फोन, टेब, कम्प्यूटर, सोशल मीडिया प्लेटफार्म आदि के फीचर्स व उपयोग का तरीका बड़ों से ज्यादा बच्चों को आता है। यहां तक कि प्ले ग्रुप के बच्चे को भी यह जानकारियां होने लगी है। ऐसे में इन पर परोसी जाने वाली सामग्री को सेंसर करने या इससे बच्चों और बालपन को दूर रखने की बात बेमानी होती जा रही है। समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों, चिकित्सकों यहां तक शिक्षाविदों के सामने यह गंभीर चिंतनीय चुनौती सामने आ रही है।

आज बच्चे के सामने दो विकल्प एक मोबाइल फोन या सोशल मीडिया पर सफरिंग और दूसरा परिवार के साथ गप्पे लड़ाना या आउटडोर गेम्स जैसा विकल्प होगा तो बच्चे की पहली पसंद मोबाइल फोन व सोशल मीडिया पर सफरिंग ही होती जा रही है। यह कोई अतिश्योक्ति नहीं है और दूसरा यह कि गरीब हो या अमीर सभी घर परिवारों के हालात लगभग यही है। दरअसल आज समय के बदलाव को इस तरह से समझा जा सकता है कि तीन से चार दशक पहले मोहल्ले में एक फोन होता था, ट्रंक काल में तो घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी वहीं फिर एसटीडी का युग आया और एसटीडी बूथों का अंबार लग गया उसके बाद पेजर युग को अलग कर भी दिया जाये तो मोबाइल युग ने घर-घर ही नहीं अपितु परिवार के लगभग सभी सदस्यों तक पहुंच बना ली है। ऐसे में इसके लाभ के साथ ही साइड इफेक्ट जो हमारे सामने आ रहे हैं उनका समाधान खोजना भी सबका दायित्व हो जाता है। बच्चे को चुप कराने से लेकर उसे व्यस्त रखने तक के लिए मोबाइल की घुट्टी पिलाई जाने लगी है और लोरी की जगह मोबाइल ने ले ली है तो फिर हमें बालमन पर इसके पड़ रहे दुष्प्रभाव से दो चार होने के लिए तैयार रहना होगा। देखा जाए तो पूरा सामाजिक ताना बाना ही बदल गया है। एकल परिवार, आने वाले समय में चाचा-चाची, मौसा मौसी या इसी तरह के रिश्तों की तलाश आदि सामने आने लगी है। शादी विवाह आदि पारिवारिक फंक्शन तक अब औपचारिक होते जा रहे हैं। बारात के समय पहुंचना, खाना खाना, लिफाफा थमाना तक रिश्ते सीमित हो गए हैं। ऐसे में समाज के सामने गंभीर समस्याएं आती जा रही है। ऐसे में मोबाइल या सोशल मीडिया प्लेटफार्म आने वाली पीढ़ी को कहां ले जाएंगे यह भयावह तस्वीर कल्पना में नहीं अपितु हमारे सामने आती जा रही है। समय रहते विकास और विनाश के बीच कोई रास्ता तलाशना ही होगा।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

कोविशील्ड पर फैला भ्रम या हकीकत

कोविशील्ड वैक्सीन टीका लगवाने वाले लोग दहशत में हैं। क्या इसकी वजह कोरोना वैक्सीन निमार्ता कंपनी एस्ट्राजेनेका का साइड इफैक्ट को लेकर कोर्ट में सरेआम कबूल कर लेना है बीते एकाध दिनों से पूरे संसार में इसी को लेकर चर्चा हो रही है। भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व में कोरोना के बाद कुछ ऐसा हुआ है कि कम उम्र और बिल्कुल तंदुरुस्त और चंगे भले इंसानों को अचानक हार्ट अटैक होना आरंभ हुआ। सांस्कृतिक मंचन हो, या शादी-ब्याह, पार्टी समारोह... लोगों का नाचने के दौरान गश खाकर गिरना और उसके तुरंत बाद मौत हो जाने की अनगिनत कहानियां हैं। करीब दो-तीन साल में हुई ऐसी मौतें पहेली बनी हुई हैं। अब संदेह और गहरा गया है। ऐसा दावा है कि ये सब कोविशील्ड टीके के साइड इफैक्ट के चलते हो रहा है। भ्रम है या हकीकत ये तो भगवान ही जाने पर कोविशील्ड कंपनी का खुलासा यह दशार्ता है कि भविष्य में भी टीकाधारकों को साइड इफैक्ट हो सकता है। इस वैक्सीन के इस्तेमाल के आंकड़ा देखें तो सिर्फ भारत में ही एक अरब 17 करोड़ का है, जिसे कोरोना के बाद लोगों ने बचाव को ध्यान में रखकर लगवाए थे। पूरे संसार की बात करें, तो ये आंकड़ा ढाई से तीन अरब तक पहुंचता है।

गौरतलब है कि कोविशील्ड कंपनी एस्ट्राजेनेका ने जब से ब्रिटिश कोर्ट में जज के समक्ष स्वीकारा है कि उनके टीके के इस्तेमाल से ब्लड क्लॉटिंग यानी खून के थक्कों के जमने की प्रबल संभावनाएं हैं, तब से चारों तरफ हंगामा कटा हुआ है। कंपनी की इस स्वीकारता से संसार भर में कोविशील्ड का टीका लगवाने वालों में दहशत का माहौल है। लोग डरे हुए हैं। लोग चिकित्सकों से परामर्श करने में लगे हुए हैं। हालांकि, तसल्ली इस बात की है कि भारत के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। भारतीय चिकित्सा तंत्र ने इसे मात्र भ्रम ही बताया है। उन्होंने फिलहाल वैक्सीन को सुरक्षित बताते हुए, भरोसा दिया है कि अगर साइड इफैक्ट देखें भी तो उस पर काबू पाने में हमारा हेल्थ सिस्टम सक्षम है। सरकार की ओर से भी यही बताया गया है। पर, लोगों के भीतर बैठ चुका डर निकलने का नाम नहीं ले रहा। एस्ट्राजेनेका का मामला कोर्ट तक पहुंचा कैसे ये जानना भी जरूरी है। दरअसल, ब्रिटिश नागरिक जैमी स्कॉट ने एस्ट्राजेनेका कंपनी के कोर्ट में खदेड़कर मुकदमा दर्ज करवाया था। उन्होंने अप्रैल-2021 में कोविशील्ड के टीके लगवाए थे, जिसके बाद वह स्थाई तौर पर मस्तिष्क से क्षतिग्रस्त हो गए। जैमी स्कॉट समेत कई अन्य कई लोग भी थ्रोम्बोसिस नामक दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त हो गए। तभी इन सभी ने मिलकर कंपनी के खिलाफ कोर्ट में केस दर्ज करवा दिया। उसके बाद इस दिग्गज दवा कंपनी ने कोर्ट में वैक्सीन के कारण गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएं पैदा होने की बात स्वीकार ली। कोर्ट ने कंपनी को प्रभावित लोगों को 10 करोड़ पाउंड हजार्ना देने का आदेश भी दिया है। इस खुलासे के बाद कोविड-19 की अन्य वैक्सीन जैसे फाइजर, मॉडर्ना भी सवालों के घेरे में हैं। ऐ कंपनियां भारत में उस वक्त खूब एक्टिव थी। इन्हें भी अपने टीकों के संबंध में अब जवाब देना होगा, क्योंकि मसला वैश्विक स्तर पर गरमा चुका है।

मालूम हो, जब कोरोना कहर बरपा रहा था। पूरी दुनिया इसके चपेट में थी। तब, कोविशील्ड को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा ईजाद किया गया। वैसे कम ही लोग जानते होंगे कि काविशील्ड नाम भारत ने ही दिया था। एस्ट्राजेनेका वैक्स जोब्रिया टीके का निर्माण भारतीय फार्मा कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया यानी एस-ाआईआई ने भी अपने स्तर से किया था। टीका बनने के बाद बाकायदा उसका ट्रायल हुआ। सबसे पहले चूहों पर प्रयोग किया गया। उसके बाद एकाध गंभीर मरीजों को टीका लगाया गया, जिसका रिजल्ट बेहतरीन पाया गया। फिर, डब्ल्यूएचओ की स्वीकति मिली, उसके बाद भारतीय वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के संयुक्त पैनल की देखरेख में मुकम्मल पड़ताल हुई, तब कहीं जाकर टीकों को मरीजों में लगवाना आरंभ हुआ।

हां, इतना जरूर है कोविशील्ड को ब्रिटेन में आनन-फानन में नियमों के विरुद्ध जल्दबाजी में बिना ट्रायल के लोगों को टीका देना शुरू कर दिया गया था। यह बात भी वहां की हुकूमत ने कोर्ट में स्वीकारी है। इसलिए एस्ट्राजेनेका का ये कहना सच साबित होता है कि वैक्सीन बहुत दुर्लभ मामलों में टीटीएस का कारण बन सकती है। चिकित्सकों के मुताबिक इसे लंबे ट्रायल की आवश्यकता थी। जो उस वक्त नहीं किया गया। इसकी जवाबदेही फार्मा कंपनी की ही बनती है। जब उन्हें ये पता था कि इसके दुष्परिणाम भविष्य में अच्छे नहीं होंगे तो क्यों लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने की इजाजत उन्होंने दी। कई ऐसे सवाल हैं जिन्हें बिंदूवार तरीके से अब एस्ट्राजेनेका कंपनी को ही देने होंगे। ऐसे में भारतीय डाक्टरों को चाहिए, अगर इस टीके से साइड इफैक्ट की उन्हें जरा भी संभावना दिखती है तो उसका तोड़ बिना किसी देरी के खोजना शुरू कर देना चाहिए। कोरोना से जब संसार तकरीबन-तकरीबन हार चुका था। सभी को अपने जीवन को बचाने के लिए जूझना पड़ रहा था। तब, एस्ट्राजेनेका ने वैश्विक साझेदारों के साथ वैश्विक स्तर पर वैक्सीन की तीन बिलियन खुराक बनाई। सरकारों ने उन्हें बाकायदा लक्ष्य दिया था। जल्दबाजी हुई थी, जिसे स्वीकारा जा चुका है। उन्हीं की भांति भारत में भी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने कोविशील्ड टीके का उत्पादन युद्धस्तर पर किया और उन्हें भारत सरकार को सौंप दिया। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए एस्ट्राजेनेका ने ऑक्सफोर्ड के साथ मिलकर कोविड वैक्सीन बनाई थी। वहीं, भारत में वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ने एस्ट्राजेनेका के साथ समझौता करके कोविशील्ड वैक्सीन बनाई। इसके बाद देश में आधे से अधिक लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगाई गई। कुछ अन्य कंपनियों की वैक्सीन को भी लोगों ने लगवाया था। लेकिन असर सबका एक जैसा ही दिखाई पड़ता है। हालांकि भारत के वैज्ञानिक और चिकित्सक इस मत में कतई नहीं हैं कि अचानक हुई मौतों का संबंध कोरोना के टीकों से है। पर, ब्रिटिश कोर्ट के मामले ने विशेषज्ञों को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। भारतीय चिकित्सक भी इसकी खोज में लग गए हैं। यहां, जिम्मेदारी अब हुकूमत की बनती है कि लोगों के मन में कोविशील्ड को लेकर पनप चुके डर को कैसे भी दूर करें **डॉ. रमेश ठाकुर**

युवाओं के हौसलों की उड़ान को संबल

बीते कुछ सालों में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनेक वैश्विक उपलब्धियां हासिल करके दुनिया को चौंकाने का काम कर दिया है। इनमें पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना, सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल मिशन प्रक्षेपित करना और इसरो द्वारा ब्लैक होल के रहस्यों को खंगालने के लिए उपग्रह भेजने जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। भविष्य में भारत अंतरिक्ष में मानव युक्त गगनयान भेजने और शुक्र ग्रह पर पर जाने की तैयारी में है। धरती और समुद्री सतह पर भी उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धियां हासिल की हैं। बावजूद वैज्ञानिक अनुसंधानों में भारत कई देशों से पिछड़ रहा है। धन की कमी के चलते संस्थाएं और मौलिक सोच रखने वाले युवा सपने देखते ही रह जाते हैं। इसकी एक वजह निजी क्षेत्र का अनुसंधान में ज्यादा योगदान नहीं देना भी रहा है। 2024 के अंतरिम बजट में ऐसे प्रावधान कर दिए हैं, जो युवाओं के सपने पूरा करने में मदद करेंगे। उन्हें अब धन की कमी आड़े नहीं आएगी। शोध के लिए वे जितना चाहेंगे, ब्याज मुक्त धन मिल जाएगा। बजट में सरकार ने युवाओं के सपने साकार करने के लिए बड़ा ऐलान किया है। इसके अंतर्गत 50 वर्षों तक के लिए ब्याज मुक्त ऋण हेतु एक लाख करोड़ रुपये की निधि तय की गई है, इससे उभरते नवीन क्षेत्रों में अनुसंधान और आविष्कारों के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी। इस पहल से शोध में तो तेजी आएगी ही, नए रोजगार भी विकसित होंगे। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जय अनुसंधान नारे से जोड़कर देखा जा रहा है।

हालांकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत राष्ट्रीय शोध संस्थान के गठन की घोषणा की थी। 2021 के बजट में इस मकसद पूर्ति के लिए 5 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये खर्च भी किए जाने हैं। इस परिप्रेक्ष्य में शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर शोध के क्षेत्र में तेजी आई हुई है। इसका कारगर परिणाम हाल ही में जारी हुई उच्च शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग में दिखा दी है। अब तक भारत अपनी जीडीपी का मात्र 0.65 प्रतिशत शोध पर खर्च करता रहा है। अतएव एक लाख की आबादी पर महज 26 शोधार्थी ही नए शोध कर पाते हैं, जबकि निम्न आय वाले देशों में यह अनुपात 32 और चीन में 169 एवं अमेरिका में 445 है। धन की कमी से शोध कार्य न केवल लंबे खिंचते हैं, बल्कि कभी-कभी अप्रासंगिक भी हो जाते हैं। इस नाते भारत अनुसंधान के पैमाने पर चीन और अमेरिका से तो पीछे है ही, दक्षिण अफ्रीका से भी पिछड़ा है, दक्षिण अफ्रीका में जीडीपी दर 0.8 प्रतिशत है, जो भारत से अधिक है।

बहरहाल, आर एंड डी पर विश्व का औसत खर्च 1.8 प्रतिशत है, अतएव हम औसत खर्च का आधा भी खर्च नहीं करते हैं। भारत का शोध पर कुल खर्च 17.6 अरब डॉलर है, जबकि अमेरिका का 581 और चीन का 298 अरब डॉलर है। नतीजतन हम नए अनुसंधान, आविष्कार और स्वदेशी उत्पाद में पिछड़े हैं। इसीलिए पेटेंट के क्षेत्र में भारत विकसित देशों की बराबरी करने में पिछड़ गया है। भारत से कम जीडीपी वाले फ्रांस, इटली, ब्रिटेन और ब्राजील भी हमसे कई गुना ज्यादा धन शोध पर खर्च करते हैं। यदि यही सिलसिला जारी रहता तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत भविष्य में कैसे टिक पाता गोया, शोध के क्षेत्र में धन बढ़ाकर भारत ने न केवल युवाओं के हौसलों को उड़ान भरने का सुनहरा अवसर दिया है, बल्कि आविष्कार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाने का मार्ग भी प्रशस्त कर दिया है।

भारत में उच्च शिक्षा के 40 हजार से ज्यादा संस्थान हैं। इनमें से सिर्फ एक प्रतिशत में अनुसंधान होता है। इसीलिए अब तक दुनिया के 100 बेहतरीन संस्थानों में से भारत का एक भी नहीं है। शोध का अवसर नहीं मिलने के चलते ही भारत के युवा अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन में पीएचडी के लिए चले जाते हैं। इनमें से अधिकतर वापस भी नहीं लौटते। पिछले साल अमेरिका में विज्ञान पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में सबसे ज्यादा भारत के ही छात्र थे। भारत में सरकार या सरकारी संस्थाएं ही सबसे ज्यादा शोध का खर्च वहन करती हैं। जबकि अमेरिका में सरकार शोध पर सिर्फ 10 प्रतिशत और चीन में सिर्फ 16 प्रतिशत खर्च करती हैं। बाकी खर्च निजी क्षेत्र उठाता है। यदि भारत के निजी उच्च शिक्षा संस्थान शोध के क्षेत्र में खर्च की भागीदारी बढ़ा दें तो शोध का स्तर बेहतर हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो संभव है कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में शिखर पर पहुंच जाए। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि विज्ञान के क्षेत्र में भारतीयों की रुचि अधिक है। भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश हैं, जहां के 31 प्रतिशत विद्यार्थी विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में सबसे ज्यादा रुचि लेते हैं। इसके बाद इस्राइल है जहां के 27 प्रतिशत छात्र और फिर अमेरिका आता है, जहां के 20 प्रतिशत छात्र विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में रुचि लेते हैं।

हालांकि नवाचारी वैज्ञानिकों को लुभाने की सरकार ने अनेक कोशिशें की हैं। बावजूद देश के लगभग सभी शीर्ष संस्थानों में वैज्ञानिकों की कमी है। वर्तमान में देश के 70 प्रमुख शोध-संस्थानों में 3200 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। बेंगलुरु के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) से जुड़े संस्थानों में सबसे ज्यादा 177 पद रिक्त हैं। पुणे की राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला में 123 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। देश के इन संस्थानों में यह स्थिति तब है, जब सरकार ने पदों को भरने के लिए आकर्षक योजनाएं शुरू की हुई हैं। इनमें रामानुजन शोधवृत्ति, सेतु-योजना, प्रेरणा-योजना और विद्यार्थी-वैज्ञानिक संपर्क योजना शामिल हैं। महिलाओं के लिए भी अलग से योजनाएं लाई गई हैं। इनमें शोध के लिए सुविधाओं का भी प्रावधान है। इसके साथ ही राज्यों में कार्यरत वैज्ञानिकों को स्वदेश लौटने पर आकर्षक पैकेज देने के प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। बावजूद परदेस से वैज्ञानिक लौट नहीं रहे हैं। इसकी पृष्ठभूमि में एक तो वैज्ञानिकों को यह भरोसा पैदा नहीं हो रहा है कि जो प्रस्ताव दिए जा रहे हैं वे निरंतर बने रहेंगे दूसरे नौकरशाही द्वारा कार्यप्रणाली में अड़ंगों की प्रवृत्ति भी भरोसा पैदा करने में बाधा बन रही है। **प्रमोद भार्गव**

(शख्सियत)

शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान रहा है अबुल कलाम आजाद का

मौलाना अबुल कलाम आजाद स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे। वह प्रमुख राजनीतिक नेता तथा मुस्लिम विद्वान थे। उनका असली नाम अबुल कलाम गुलाम मोहिउद्दीन अहमद था। लेकिन आगे चलकर लोग उन्हें मौलाना आजाद के नाम से बुलाते थे। अबुल कलाम ने हिन्दू मुस्लिम एकता का समर्थन किया। वह एक दूरदर्शी नेता होने के अलावा विद्वान, प्रखर पत्रकार और लेखक भी थे। 22 फरवरी को मौलाना अबुल कलाम का निधन हुआ था। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मौलाना अबुल कलाम के बारे में कुछ खास जानकारी देने जा रहे हैं।

मौलाना आजाद प्रारंभिक जीवन

मौलाना आजाद का जन्म मक्का, सऊदी अरब में 11 नवंबर 1888 को हुआ था। इनके पिता मौलाना सैयद मोहम्मद खैरुद्दीन बिन अहमद अलहुसैनी एक लेखक थे। उन्होंने 12 किताबें लिखी थीं। पिता मौलाना सैयद के किताबें लिखने के कारण उनके छात्रों की संख्या ज्यादा थी। बताया जाता है कि वह इमाम हुसैन के वंश से थे। वहीं मौलाना आजाद की मां का नाम खेल आलिया बिंते मोहम्मद थी। साल 1890 में मौलाना आजाद का परिवार मक्का से कलकत्ता आ गया। मौलाना आजाद बचपन से ही काफी कुशाग्र बुद्धि के थे। उन्हें हिन्दी, फारसी, बंगाली, अरबी, उर्दू और अग्रेजी भाषा में महारथ हासिल थी। वहीं काफी कम उम्र में उनकी शादी खदीजा बेगम से हो गई।

शिक्षा

मौलाना आजाद अपने पढ़ाई के दिनों से काफी प्रतिभावान और मजबूत इरादे वाले छात्रों में आते थे। स्टूडेंट लाइफ में ही उन्होंने अपना पुस्तकालय चलाना शुरू कर दिया। बता दें कि उन्होंने काहिरा के अल अजहर विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई की थी। इसके अलावा इतिहास और समकालीन राजनीतिक और पश्चिमी दर्शनशास्त्र का भी अध्ययन किया था। वह बचपन से ही चीजों के बारे में जानने-समझने के लिए काफी ज्यादा उत्सुक रहते थे। उन्होंने अफगानिस्तान, मिस्र, इराक, सीरिया और तुर्की जैसे देशों का सफर किया। इसके अलावा उन्होंने एक डिबेटिंग सोसायटी खोली। जिसमें वह अपने से दोगुनी उम्र वाले छात्रों को पढ़ाया करते थे।

पत्रकारिता का सफर

मौलाना अबुल कलाम आजाद ने कोलकाता में लिसान-उल-सिद नामक पत्रिका की शुरूआत की। बता दें कि 13 से 18 साल की उम्र में उन्होंने बहुत सी पत्रिकाओं का संपादन भी किया और कई पुस्तकों की रचना की। उनके द्वारा लिखी गई किताबों में इंडिया विन्स फ्रीडम और गुबार-ए-खातिर प्रमुख रुप से शामिल हैं। वहीं साल 1912 में उन्होंने साप्ताहिक पत्रिका अल हिलाल निकालना शुरू किया। इस पत्रिका के माध्यम से वह सांप्रदायिक सौहार्द और हिंदू मुस्लिम एकता को बढ़ावा देते थे। बाद में ब्रिटिश शासन की आलोचना के कारण इस पत्रिका को बैन कर दिया गया।

विशेष कार्य

आपको बता दें कि मौलाना अबुल कलाम आजाद पंडित जवाहरलाल नेहरू की कैबिनेट में 1947 से 1958 तक शिक्षा मंत्री रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना की। बता दें कि वह 35 साल की उम्र में इंडियन नेशनल कांग्रेस के सबसे युवा अध्यक्ष बने थे। उन्होंने शिक्षामंत्री के तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में कई अतुलनीय कार्य किए। शिक्षामंत्री बनने पर मौलाना आजाद ने निशुल्क शिक्षा और उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना का कार्य किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के सम्मान में मौलाना आजाद के जन्म दिवस 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस घोषित किया गया।

निधन

बता दें कि मौलाना आजाद गांधीजी के अनुयायी थे। उन्होंने अहिंसा का साथ देते हुए गांधीजी के साथ सविनय अवज्ञा और असहयोग आंदोलन में बढ़चढ़ के हिस्सा लिया था। 22 फरवरी 1958 को स्ट्रोक के चलते अचानक से मौलाना आजाद की दिल्ली में निधन हो गया। उनके निधन के बाद उन्हें 1992 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

दैनिक पंचांग

05 मई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2024 वर्ष का 126 वां दिन दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत 2081 शक संवत 1946 मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) पक्ष कृष्ण तिथि द्वादशी 17:42 बजे को समाप्त। नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 19:57 बजे को समाप्त। योग वैधृति 07:37 बजे तदनन्तर विष्कुम्भ 04:05 बजे तक को समाप्त। करण कौलव 07:12 बजे तैतिल 17:42 बजे तदनन्तर गर 04:12 [illegible]

[illegible]

गायनीकोमैस्टिया का भी है कारगर इलाज

कुछ पुरुषों के सीने पर फैट टिश्यूज बहुत ज्यादा संचित हो जाते हैं। इस कारण उनका सीना बेडौल नजर आने लगता है। इस स्थिति को गायनीकोमैस्टिया कहा जाता है, जिसका अब कारगर इलाज उपलब्ध है... गायनीकोमैस्टिया से ग्रस्त पुरुष अपने शरीर के प्रति बहुत चिंतित हो जाते हैं विशेषकर तैरते समय, जिम में या चुस्त टीशर्ट पहनते वक्त या फिर किसी पर्यटनस्थल पर शर्ट उतारते वक्त। इस स्थिति में उनका आत्मविश्वास घट जाता है और उन्हें बेडौल सीने को लेकर शर्म महसूस होती है।

न हों परेशान: गायनीकोमैस्टिया को आसानी से ठीक किया जा सकता है। इसके लिए लाइपोसक्शन और सर्जिकल विधियों द्वारा अतिरिक्त वसा और ग्रंथि युक्त टिश्यूज को हटा दिया जाता है। कुछ मामलों में ऊपरी त्वचा को भी टाइट करना पड़ता है। यह सर्जरी लोकल या जनरल एनेस्थीसिया देकर की जा सकती है। निप्पल एरिया के निचले भाग में एक छोटा छेद किया जाता है जिसके जरिए लाइपोसक्शन कैन्युला या ट्यूब को भीतर डाला जाता है। कितनी वसा निकालनी है, इसके आधार पर सर्जरी में 1 से 2 घंटे लग सकते हैं। जनरल एनेस्थीसिया देकर सर्जरी करनेपर मरीज को एक रात के लिए अस्पताल में रुकना पड़ता है।

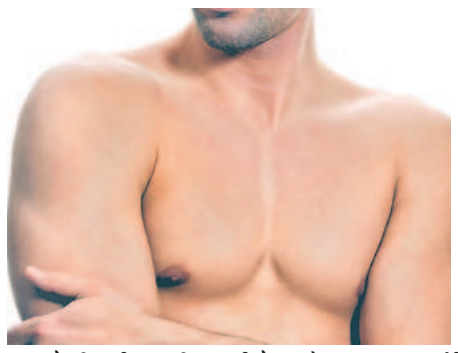

आधुनिक सर्जरी-पुल-थ्रू प्रोसीजर: यह एक आधुनिक और बेहद कम चीरफाड़ वाली सर्जरी है। इसमें एक छोटे से छिद्र के जरिए वसा या चर्बी और ग्रंथियुक्त टिश्यूज को बाहर निकाला जाता है। इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इसमें निशान कम पड़ते हैं और कोई रिक्त स्थान बाकी नहीं रहता। इससे तेजी के साथ रोगी ठीक होता है और कम से कम निशान दिखाई देते हैं। रोगी को उस जगह पर कुछ पीड़ा, खरोंच व सूजन का अनुभव होता है, किंतु ये सब परेशानियां कुछ ही दिनों में ठीक हो जाती हैं। मरीज को कुछ दिनों के लिए काम से छुट्टी लेनी पड़ सकती है और कुछ समय के लिए ऐसी गतिविधियों से परहेज करना पड़ता है, जिनसे शरीर पर दबाव पड़ता हो। शरीर को कस के रखने के लिए एक विशेष प्रकार का इलास्टिक कपड़ा चार से छह हफ्ते के लिए पहनाया जाता है। सर्जरी किए गए स्थान पर संक्रमण या निशान रह जाने का जोखिम बहुत कम होता है।

स्मार्ट बैंडेज से जल्द भरेगा जख्म

इन दिनों वैज्ञानिक ऐसा बैंडेज बनाने में जुटे हैं जिससे जख्म तेजी से भर सके। आमतौर पर घाव भरने में देरी के कारण संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। इसी वजह से वैज्ञानिकों ने स्मार्ट बैंडेज बनाने पर काम शुरू किया है। स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने स्मार्ट बैंडेज बनाने के लिए इलेक्ट्रोस्पिनिंग तकनीक का सहारा लिया है।

ऐसे काम करेगा: नई प्रक्रिया में विद्युत आवेशित नॉजल से मानव बाल से भी सौ गुना पतले पॉलीमर फिलामेंट को निकाला जाता है। इससे एक जाली बनाई जाती है जो जख्म में मौजूद बैक्टीरिया को अपनी ओर खींचते हैं। पहले चरण में पॉलीमर नैनोफाइबर को घाव के ऊपर लगाया जाएगा जो उसमें मौजूद संक्रमणकारी बैक्टीरिया को खत्म करने में सहायक होगा। फाइबर बैक्टीरिया से भी छोटे होंगे और इसमें चिपकते ही मर जाएंगे। दूसरे चरण में नैनोफाइबर पर अनेक यौगिक पदार्थों का लेप चढ़ाकर उसका एशरीकिया कोली बैक्टीरिया पर परीक्षण किया जाएगा। तीसरे चरण में टिश्यू-इंजीनियर्ड स्किन मॉडल पर इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

रेनाड्स सिंड्रोम

उंगलियों की करें हिफाजत

रेनाड्स सिंड्रोम नामक रोग का प्रकोप सर्दियों के मौसम में ज्यादा होता है। वैसे तो इस बीमारी की रोकथाम संभव है, लेकिन अगर कोई शख्स किन्हीं कारणों से इस रोग से ग्रस्त हो ही गया, तो इसका समुचित इलाज संभव है। क्या है रेनाड्स सिंड्रोम का इलाज...? जैसे-जैसे नए व्यवसाय खुलते जा रहे हैं, वैसे-वैसे रेनाड्स रोग फैलता जा रहा है। खाद्य संरक्षण उद्योग से जुड़े कर्मचारियों में रेनाड्स रोग की संभावना बढ़ रही है। ऐसा इसलिए, के हाथों का ठंडे और गर्म पानी से जल्दी-जल्दी संपर्क होता रहता है। आइसक्रीम फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों में रेनाड्स रोग का खतरा हमेशा मंडराता है।

रेनाड्स रोग की संभावना उन लोगों में भी होती है, जो चक्करदार गतिशील उपकरणों का बहुत इस्तेमाल करते हैं। जैसे ड्रिलिंग मशीन, मिक्सी व ब्यूटी पार्लर में काम आने वाला हेयर ड्रायर। पियानो, हारमोनियम व टाइपिंग मशीन पर ज्यादा समय बिताने वाले लोग भी रेनाड्स रोग से ग्रस्त हो सकते हैं। रेनाड्स सिंड्रोम से ग्रस्त 50 प्रतिशत मरीज आटोइम्यून रोग (शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमजोरी से होने वाले रोग) से पीड़ित होते हैं। इनमें स्क्लीरोडर्मा नामक आटोइम्यून रोग रेनाड्स सिंड्रोम का बहुत बड़ा कारण हैं। इसके अलावा गर्दन की मांसपेशियों पर अनावश्यक रूप से अत्यधिक दबाव पढ़ने पर भी रेनाड्स हो सकता है।

रोग का स्वरूप: इस रोग में आमतौर पर हाथ और पैर की अंगुलियों की धमनियां (आर्टरीज) ही प्रभावित होती हैं। ये धमनियां हाथ और पैर को शुद्ध खून और ऑक्सीजन की सप्लाई करती हैं। अधिक ठंड होने या अत्यधिक मानसिक तनाव होने पर हाथ और पैर के निचले हिस्से की धमनियां अचानक थोड़ी देर के लिए सिकुड़ जाती हैं। इससे शुद्ध रक्त का बहाव और ऑक्सीजन की सप्लाई एकाएक रुक जाती है। इसके बाद अशुद्ध और ऑक्सीजन रहित खून के एकत्र हो जाने की वजह से अंगुलियां धीरे-धीरे नीली पड़ जाती हैं। कुछ देर के बाद धमनियां पूर्वावस्था में लौट आती हैं। अंगुलियों का पीला, फिर नीला और उसके बाद लाल हो जाने की प्रक्रिया बार-बार होती रहती है।

क्या करें: रेनाड्स रोग से ग्रस्त व्यक्तियों को शीघ्र ही किसी वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श करना चाहिए। डॉक्टर की निगरानी में जरूरी जांचें करवाकर अपना इलाज शुरू कराना चाहिए।

जांचें: डॉप्लर स्टडी की विशेष तकनीक, डिजिटल फोटोप्लेथिस्मोग्राफी और ऑक्ल्यूसिव डिजिटल हाइपोथर्मिक चैलेंज टेस्ट आदि आधुनिक जांचों का भी सहारा लेना पड़ता है। कभी-कभी हाथ की एंजियोग्राफी करने की भी आवश्यकता पड़ती है। इसके अलावा एक्स रे और सीटी स्कैन से भी रेनाड्स के कारणों का पता चलता है।

बचाव

रेनाड्स सिंड्रोम से बचने के लिए लोगों को धूम्रपान और तंबाकू उत्पादों के सेवन से परहेज करना चाहिए। इस रोग से ग्रस्त महिलाओं को गर्भ निरोधक गोलियों का सेवन और ब्लडप्रेशर के इलाज के लिए प्रयुक्त होने वाली दवा बीटा ब्लाकर का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए बीटा ब्लाकर की बजाय अन्य दवाओं का इस्तेमाल करना चाहिए। हाथों को बार-बार डिटर्जेंट, साबुन से नहीं धोना चाहिए और त्वचा को मुलायम रखने के लिए तेल और क्रीम का प्रयोग करना चाहिए। अगर अंगुलियों में घाव हो, तो गुनगुने पानी में हाथ डुबोकर साफ करें और डॉक्टर के परामर्श से मलहम का प्रयोग करें।

सावधानियां बरतें: ■ हर हाल में ठंडे पानी के संपर्क में न आएं। सर्दी के मौसम में हाथों व पैरों में गर्म ऊनी दस्ताने व जुराब का इस्तेमाल करें। ■ रेफ्रिजरेटर में अपना हाथ न डालें। खुले फ्रिज के आगे न खडे हों। डीप फ्रीजर(बर्फ जमाने वाला फ्रिज का ऊपरी हिस्सा में से अपना हाथ डालकर कोई सामान न निकालें। ■ घर में बर्तन व प्लेट धोने के वक्त या रसोईघर में सिंक में काम करते समय रबर के दस्ताने अवश्य पहनें। ■ घर में कभी नंगे पैर न चलें। ■ डिटर्जेंट पाउडर व कपड़े धोने वाले साबुन का हाथों से इस्तेमाल न करें।

इलाज

रेनाड्स सिंड्रोम का इलाज आमतौर पर दवाओं से किया जाता है। इसके अलावा हाथों का तापमान नियंत्रित करने के लिए 'बॉयो फीडबैक' की तकनीक का सहारा लिया जाता है। अगर दवाओं से इसके लक्षण नियंत्रित नहीं होते हैं, तो सरवाइकल सिम्पेथेक्टॅमी नामक ऑपरेशन करना पड़ता है। इस ऑपरेशन से छोटी धमनियों के सिकुड़ने की प्रक्रिया ढीली पड़ जाती है।

लक्षण

- अगर सर्दियों के मौसम में आपके हाथों या पैरों की अंगुलियों की त्वचा का रंग बदलता हो। जैसे पहले पीला फिर हल्का नीला और उसके बाद लाल हो जाता हो।
- अंगुलियों में हल्की सूजन और झनझनाहट रहती हो।
- सुबह के वक्त हाथ या पैर की अंगुलियों में लाल रंग के गोल चकत्ते उभर आते हों।
- उपर्युक्त लक्षण रेनाड्स सिंड्रोम नामक रोग से संबंधित हैं। यह बीमारी आमतौर पर 40 वर्ष से कम उम्र के लोगों खासकर 40 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक होती है।

मस्कुलर डिस्ट्राफी का माकूल इलाज

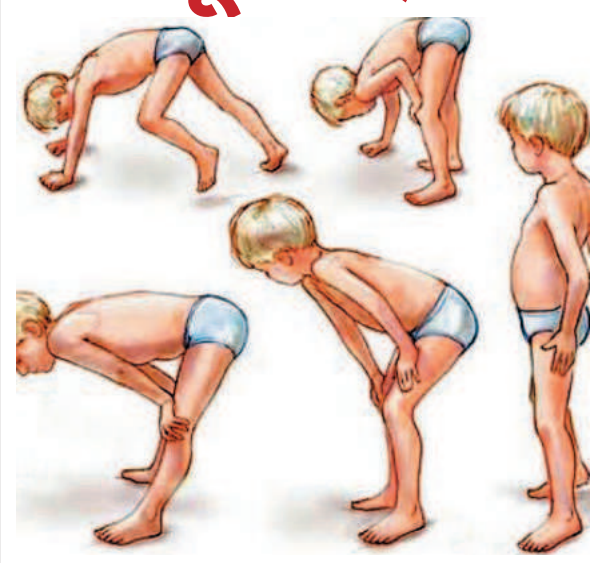

मस्कुलर डिस्ट्राफी मूल रूप से मांसपेशियों के रोगों के एक समूह को कहते हैं, जिसमें लगभग 80 प्रकार की बीमारियों को शामिल किया जाता है। इन रोगों में सबसे खतरनाक और जानलेवा बीमारी ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी है। दुनिया भर में 3500 बच्चों में से एक बच्चा इस रोग से ग्रस्त होता है। दुनिया में भारत को स्टेम सेल थेरेपी के डेस्टिनेशन (उपयुक्त स्थान) के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए जब मारीशस स्थित मस्कुलर डिस्ट्राफी एसोसिएशन को भारत में इस सुविधा की जानकारी मिली, तब उन्होंने ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी से पीड़ित बच्चों को इलाज के लिये भारत भेजना शुरू किया। बीते दिनों 10 वर्षीय टोशन रामखिलावन स्टेम सेल थेरेपी के लिए देश में लगभग दो माह तक रुका था और इस छोटे से समय में भी उसकी मांसपेशियों की ताकत लगभग 25 प्रतिशत तक वापस आ चुकी है, जबकि वह पिछले एक वर्ष से अपने बिस्तर पर ही सीमित रह गया था।

राहत की दरकार: चूंकि मारीशस के मरीज वहां की सरकार और मस्कुलर डिस्ट्राफी एसोसिएशन से मदद पाते हैं। इसलिए किसी प्रकार अपना इलाज करवा लेते हैं, लेकिन अपने देश के गरीब मरीजों का बुरा हाल है। स्टेम सेल थेरेपी ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी के अलावा अन्य प्रकार की मस्कुलर डिस्ट्राफी के इलाज में अन्य चिकित्सकीय विधियों की तुलना में बेहतर है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस रोग के इलाज में ज्यादातर चिकित्सक कॉर्टीसोन या स्टेरायड नामक दवाओं का प्रयोग करते हैं, लेकिन अंत में ये दवाएं अपने दुष्प्रभावों के चलते बच्चों में डाइबिटीज, शरीर में पानी भरना और हड्डियों का खोखलापन आदि विकार उत्पन्न कर देती हैं। जबकि स्टेम सेल थेरेपी में शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति के साथ नई मांसपेशियों का निर्माण होता है।

मुख्य लक्षण

- शुरू में बच्चा तेज चलने पर गिर जाता है।
- पीड़ित बच्चा जमीन से उठने में घुटने का सहारा लेकर या फिर घुटने पर हाथ रखकर उठता है।
- वह मुश्किल से सीढियां चढ़ पाता है या फिर धीमे-धीमे चढ़ता है।
- पैर की पिंडलियां मोटी हो जाती हैं।
- बच्चा थोड़ा सा भी दौड़ने पर थक जाता है।

कारण

मस्कुलर डिस्ट्राफी जीन में आयी विकृति के कारण होता है, लेकिन इसके लक्षण सिर्फ लड़कों (मेल चाइल्ड) में ही पाए जाते हैं। जबकि लड़कियों में जीन विकृति आने पर वे कालांतर में विवाह के बाद अपनी संतानों को ये बीमारियां दे सकती हैं।

रोकथाम

गर्भवती महिलाओं को 10 से 12 हफ्ते के गर्भकाल के दौरान एमनिओटिक फ्लूइड्स की जेनेटिक जांच करानी चाहिए।

शरीर में इसकी पूर्ति के लिए करते रहें जरूरी चीजों का सेवन

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कैल्शियम को हमेशा से ही मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक माना जाता रहा है, लेकिन नए शोधों के अनुसार इसके अतिरिक्त भी कैल्शियम हमारे शरीर के लिए कई बीमारियों को दूर रखने में सहायता करता है। हड्डियां हमारे शरीर के लिए कैल्शियम के स्टोर का कार्य करती हैं, जहां से आवश्यकतानुसार शरीर कैल्शियम लेता रहता है।

शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्रायः 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोत्तरी ठीक हो गई।

बोलने की प्रैक्टिस करें...

अगर आप लोगों से संपर्क करने और उनके बीच खुल कर बोलने में असहज महसूस करते हैं तो आज से ही इसे बदलने की कोशिश शुरू करें। अंतर्मुखी प्रकृति सफलता में बड़ी बाधा भी बन सकती है। खुद पर विश्वास है तो लोगों के बीच घबराना कैसा? अगर किसी को अचानक एक बड़े जनसमूह के सामने कुछ बोलने के लिए कह दिया जाए तो अधिकतर लोग बुरी तरह घबरा जाते हैं। हालांकि इस बात का आपकी योग्यता से कोई लेना-देना नहीं होता, फिर भी यह बात आपकी छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। ऐसा पढ़ाई के दिनों में, नौकरी के लिए दिए जाने वाले साक्षात्कार के समय, नौकरी के दौरान या कभी भी हो सकता है। इससे लोग आपका सही मूल्यांकन नहीं कर पाते और आप कई अवसरों से चूक जाते हैं। इस हिचक को तोड़ना बहुत मुश्किल भी नहीं है। यह हिचक तोड़ कर आप सफलता के कुछ और करीब हो जाएंगे। बस आपको अपने डर पर काबू पाना होगा।

मजबूत पक्ष याद रखें

दूसरों के सामने बोलने में होने वाली हिचक दरअसल सोशल एंग्जाइटी का नतीजा होती है। ऐसे में आप अपना उद्देश्य याद रखें, ना कि उसमें अपनी सफलता या असफलता। अपनी कमजोरियों के बारे में सोचने की बजाय अपने व्यक्तित्व के मजबूत पक्ष के बारे में सोचें। उन वजहों को तलाशने की कोशिश करें, जिनके कारण आपको झिझक या संकोच महसूस होता है। इसकी तीन संभावित वजहें हो सकती हैं। मुमकिन है कि आप खुद को लेकर आश्वस्त न हों। खुद के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचते हों या जब कोई आपकी तारीफ करता है तो आप उस पर यकीन न कर पाते हों। इसे दूर करने के लिए लोगों के बीच बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। प्रेरक किताबें पढ़ें। यदि आवश्यकता लगे तो काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

परिचितों से करें शुरुआत

लोगों के बीच आत्मविश्वास से बोलने के अभ्यास की पहल दोस्तों से करें। जब आप यहां सहज महसूस करने लगें, तब अपरिचितों के बीच इसे आजमाएं। इसे भी एक-दो लोगों से ही शुरू करें। अगर आप शुरू में ही सीधे बड़े समूह में बात रखने की कोशिश करेंगे तो बहुत अधिक दबाव होने के कारण संभवतः कठिनाई भी ज्यादा होगी। आप पाएंगे कि दो व्यक्तियों के सामने बोलने में आपको तुलनात्मक रूप से ज्यादा आसानी हुई और यह भी कि जल्द ही आपकी हिचक टूट गई और अब विशाल जनसमूह में भी अपनी बात रखने में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

अभ्यास की है जरूरत

हिचक मिटाने के लिए आपको नियमित रूप से प्रयास करना जरूरी है। अपने डर पर आपको विजय पानी होगी। उसे खुद पर हावी न होने दें। शुरू-शुरू में ऐसा करने में आप खुद को असहज महसूस करेंगे, लेकिन लगातार प्रयास करते रहें। धीरे-धीरे आप महसूस करेंगे कि आपको अब अपनी बात रखने के लिए प्रयास नहीं करना पड़ रहा है, आप बड़ी सहजता से अपनी बात रख पा रहे हैं।

बेवजह के परिचय से बचें

बड़ा सामाजिक दायरा होने का एक अर्थ यह भी है कि आपको लोगों का सामना करने में हिचक नहीं होती। यह आपके आत्मविश्वासी व्यक्तित्व का द्योतक भी है। आप भी अपना सोशल सर्कल बड़ा करें। इसके लिए खुद अपने क्षेत्र से जुड़े कार्यक्रमों पर नजर रखें। अपने परिचितों से यह कह सकते हैं कि वे ऐसे कार्यक्रमों की जानकारी आपको दे दिया करें। एक समय के बाद आप अपनी मर्जी से भी आयोजनों को चुनें कि कहां जाना है या नहीं जाना है। इसका एक कारण यह भी है कि अंतर्मुखी ना होने का मतलब यह नहीं है कि हर जगह या समूह में आपकी उपस्थिति जरूरी हो। बेमतलब किसी ईवेंट या समूह में न जाएं।

अपनी तैयारी पूरी रखें

अगर आप सच में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षिक करना चाहते हैं तो इस नुस्खे को आजमाएं। अगर आप किसी सामूहिक आयोजन में जा रहे हैं या कई लोगों के सामने आपको कुछ बोलना है तो विषय आदि के बारे में पूरी जानकारी कर लें। अपनी भाषा पर भी खास ध्यान दें। ऐसी स्थिति में उच्चारण, शब्दों के उचित चयन आदि का विशेष महत्व होता है। उस कार्यक्रम की पूरी रूप-रेखा और वहां आने वाले मेहमानों के बारे में मुकम्मल जानकारी रखें।

अनौपचारिक आयोजनों में वहां आने वाले आगंतुकों की मदद करें, उन्हें कार्यक्रम और मेहमानों के बारे में अपनी तरफ से पहल कर बताएं। इस तरह से आप वहां आने वाले दूसरे लोगों की मदद कर अपनी छवि बेहतर बना सकते हैं और लोग आप पर ध्यान देंगे।

मुस्कराहट से काम लें

किसी भी प्रेजेंटेशन में या कि किसी सामाजिक स्थिति में कई लोगों के बीच मुस्कराहट से आपकी छवि का तुरंत प्रभाव बनता है। इसी से अपनी बात की शुरुआत करें। मुस्कराहट से मानसिक तनाव भी कम हो जाता है और आप ज्यादा आत्मविश्वास अनुभव करते हैं। सुनने वालों से आपका एक जुड़ाव तुरंत बन जाता है। औपचारिक या अनौपचारिक माहौल में भी बोलते समय मुस्कराहट महत्वपूर्ण मानी जाती है।

कैसी हो प्रोफाइल पिक्चर?

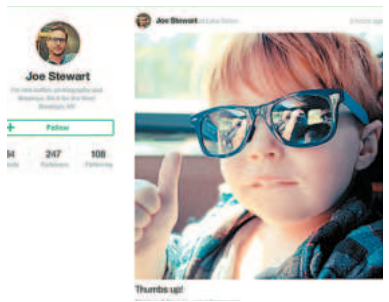

सोशल नेटवर्किंग साइट पर आपकी प्रोफाइल पिक्चर आपके बारे में बहुत कुछ बयान करती है। जब भी आप किसी से बात करते हैं तो आपका यही चेहरा दूसरों के सामने होता है। एक अच्छी प्रोफाइल तस्वीर से आपका प्रभाव बेहतर होता है। आपकी प्रोफाइल पिक्चर में आपका मुस्कुराता हुआ चेहरा होना चाहिए। प्रोफाइल में ग्रुप फोटो लगाने से बचना चाहिए। इस तरह की तस्वीर से किसी के लिए आपको पहचानना कठिन होता है। अपने पालतू जानवर के साथ प्रोफाइल पिक्चर लगाना भी ठीक नहीं माना जाता है. पेट्स के साथ खींची पिक्चर्स को एल्बम में रखना ठीक है लेकिन प्रोफाइल पिक्चर बनाना ठीक नहीं।

जॉब छोड़ने के पहले क्या करें...?

क्या आप अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ कर किसी अन्य कंपनी में नौकरी करने की तैयारी कर रहे हैं? अगर ऐसा है, तो जॉब छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए, ताकि कोई समस्या पैदा न हो। अगर आप कंपनी छोड़ रहे हैं, तो नोटिस या इस्तीफा देने से पहले बोनस आदि के नुकसान के बारे में जानकारी जुटा लें। अगर पेपरवर्क सही नहीं होगा, तो वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आपको कंपनी की अपेक्षाओं को समझने का प्रयास भी करना चाहिए।

बात पर कायम रहें: आपने अपनी पुरानी कंपनी से जो वायदा किया है, उसे निभाएं। आपकी पहचान आपके कमिटमेंट्स से होनी चाहिए। अगर आप किसी कंपनी को बीच में ही छोड़ते हैं, तो इससे कंपनी की योजनाओं पर नेगेटिव असर पड़ता है। सो, अपना प्रोजेक्ट पूरा करके ही कंपनी छोड़ें।

प्रोटोकॉल फॉलो करें: आपको कंपनी छोड़ने के बारे में एचआर या बॉस को सबसे पहले बताना चाहिए। ऐसा न हो कि दोस्तों और कलीग्स को इसके बारे में पहले पता लगे और बॉस को बाद में। अगर कंपनी के प्रति गुस्से को सबके सामने जाहिर करेंगे, तो गैर-पेशेवर माना जाएगा।

रेफरेंस तैयार करके जाएं: आपको आईटी, एचआर और बॉस को रेफरेंस, प्रूफ ऑफ सर्विस, सैलेरी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट आदि के लिए तैयारी करनी चाहिए। कई बार नई कंपनी लिखित में रेफरेंस मांगती है या मौजूदा बॉस से बात करवाने के लिए कहती है। इसलिए आपको प्रोफेशनल तरीके से इसका प्रबंध पहले ही कर लेना चाहिए।

दरवाजे खुले रखें

ध्यान रखें कि अगर नई कंपनी में आपकी चाहत के मुताबिक नहीं हुआ तो आपको कुछ महीने या सालभर बाद वापस अपनी पुरानी कंपनी में लौटना पड़ सकता है। इसलिए कंपनी छोड़ते समय कोई भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

बात पते की

ज्यादातर लोग कंपनी छोड़ते वक्त सभी लोगों से मिल कर धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। यह गलत असर डालता है। इसलिए सभी से मिल कर जाएं। इस्तीफा देने के बाद कई लोग कंपनी या बॉस के खिलाफ हर तरफ जहर उगलने लगते हैं। उनकी बुराई करने लगते हैं, यह गलती करने से बचें।

बीएलओ ने लगाई मतदाता जागरूकता की पाठशाला

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में प्रत्येक मतदाता को मतदान में उत्साह पूर्वक हिस्सा लेने हेतु मूरतगंज ब्लॉक के महगांव क्षेत्र की बीएलओ व परिषदीय शिक्षिका कीर्ति सिंह ने मतदाता जागरूकता पाठशाला लगाई। पाठशाला में मौजूद ग्रामीणों को मतदान के प्रति प्रेरित करते हुए बीएलओ ने मतदान के महत्व व मतदाताओं को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया।

लोकसभा निर्वाचन में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके नए मतदाताओं को प्रेरित करते हुए बीएलओ ने बताया कि लोकतंत्र के महापर्व में एक-एक वोट की कीमत है, आपके एक वोट से देश के सबसे बड़े सदन के लिए प्रतिनिधि चुने जाते हैं। इसके बाद मौजूद ग्रामीणों ने हाथों में जागरूकता संदेश की तख्ती लेकर मोहल्लों में भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान सारे काम छोड़ कर सबसे पहले वोट दो। वोट डालने जाना है, अपना फर्ज निभाना है आदि नारों से गांव की गलियां गुंजायमान रहीं।

स्पोर्ट्स टीचर पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

◘ सहायक शिक्षिका की शिकायत पर मुकदमा दर्जकर जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। संदीपनघाट थाने के एक स्थानीय कॉलेज में तैनात सहायक शिक्षिका ने स्पोर्ट्स टीचर पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत पुलिस से की है। मुकदमा दर्जकर पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है।

प्रयागराज की एक युवती संदीपनघाट इलाके के एक कॉलेज में सहायक शिक्षिका है। आरोप है कि कॉलेज में तैनात स्पोर्ट्स टीचर ने गुरुवार की रात उसे निर्वस्त्र करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। मनमानी का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। कॉलेज प्रबंधन को प्रकरण की जानकारी देने के बाद शुक्रवार की शाम शिक्षिका ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की। थानाध्यक्ष भुवनेश कुमार ने बताया कि दोनों के बीच प्रेम संबंध की जानकारी मिली है। शादी-विवाह को लेकर विवाद के बाद शिकायत हुई है। जांच पड़ताल की जा रही है। जो भी सच्चाई सामने आएगी, उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

चरवा में आयोजित हुई आईएनडीआईए गठबंधन की समन्वय बैठक

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। आईएनडीआईए गठबंधन की समन्वय बैठक शनिवार को चरवा कस्बे में आयोजित हुई। मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय ने पार्टी एवं सपा के कार्यकताओं को जीत का पाठ पढ़ाया।

बैठक में सपा जिलाध्यक्ष दयाशंकर यादव ने कार्यकताओं को चुनाव में पूरी तरह से जुट जाने को कहा। कार्यक्रम के आयोजक कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पांडेय ने कहा कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता गठबंधन प्रत्याशी के साथ है। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष तलत अजीम ने गठबंधन प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत की बात कही। बैठक में कौशांबी प्रभारी राजेश तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष मिश्रा, प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी, शिव पांडेय, राम किशुन पटेल, प्रदेश राजेश साहनी, लोकसभा कोऑर्डिनेटर राजेश राकेश, राम बहादुर त्रिपाठी, मॉडल बार एसोसिएशन कौशांबी के महामंत्री लक्ष्मीकांत त्रिपाठी, चायल तहसील बार एसोसिएशन के महामंत्री राजेश्वर यादव, आशीष मिश्रा पप्पू, कुलदीप शुक्ला, आप नेता अर्चना गौतम आदि मौजूद रहे।

समन्वय बैठक को संबोधित करते कांग्रेस नेता

बेखौफ चोरों ने खंगाला किसान का घर

स्वतंत्र चेतना सिराथू. कौशांबी। पइंसा कोतवाली के खाड़ेपुर गांव में शुक्रवार की रात बेखौफ चोर किसान का घर खंगाल ले गए। सुबह जानकारी मिलने पर किसान के होश फाख्ता हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर चोरी की तलाश में जुट गई है। खाड़ेपुर निवासी राम अभिलाष उर्फ बराती लाल ने बताया कि शुक्रवार की देर रात दावत से लौटने पर बरामदे में चारपाई डालकर सो गया। अन्य स्वजन छत पर सो रहे थे। दरवाजे के बगल में सेंध लगाकर भीतर घुसे चोरों ने बक्से का ताला तोड़कर पांच हजार रूपए नगदी के साथ करीब दो लाख के गहने, बर्तन आदि पार कर दिया। पड़ोसी के घर हुई चोरी की वारदात से ग्रामीण सहमे है।

भाजपा प्रत्याशी ने नुक्कड़ सभा कर मांगा जनसमर्थन

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। पिछले 10 वर्षों में गरीबों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर उनका जीवन स्तर सुधारने का काम हुआ है। व्यापारियों व युवाओं के लिए अनेकों योजनाएं संचालित हुई हैं। यह बातें भाजपा प्रत्याशी सांसद विनोद सोनकर ने शनिवार को सयारा, फरीदगंज, कंथुआ, गौसपुर, डोरमा, टांडा, भौंतर, कनवार व अझुवा में नुक्कड़ सभा के दौरान कही।

उन्होने केंद्र में नरेंद्र मोदी को पुनः पीएम बनाने की अपील करते हुए कहा कि जनपद में विकास के नाम पर अनेंको काम हुए है। जिन पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ नही मिला है आगे उन्हे दिया जाएगा। इस मौके पर पूर्व विधायक शीतला प्रसाद पटेल, सुनील मिश्रा, सुरेश मौर्य, योगेंद्र सिंह, अरविंद कुमार, चांदी सोनकर, दीपचंद पंडा, आलोक तिवारी, प्रदीप पटेल, इंद्रजीत पटेल, अजय शुक्ला, चक्रधर पांडेय आदि मौजूद रहे।

तिलगोड़ी की पतंग से चढ़ेगा मतदान में रंग

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। मतदाताओं को रिझाने व उनको मतदान का महत्व समझाने के लिए नेवादा के प्राथमिक विद्यालय तिलगोड़ी के छात्रों ने मतदाता पतंग बना डाली। छात्रों की बनाई हुई पतंग आगामी 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को जागरूक करेगी।

प्रधानाध्यापक डा. रामनेवाज सिंह के नेतृत्व में शनिवार को बच्चों के बीच पतंग बनाकर उस पर स्लोगन लिखने की प्रतियोगिता कराई गई। इसमें बच्चों ने खुद की बनाई पतंग के माध्यम से 20 मई को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया। विद्यालय के सैकड़ो छात्रों ने अपनी-अपनी पतंग पर जन-जन की है यही पुकार वोट देना सबका है अधिकार। यूथ को बूथ तक ले जाना है, सबको वोट का महत्व बताना है। जो सोच समझ कर सही प्रतिनिधि को वोट देता है, वही मतदाता भारत देश का भाग्य विधाता हैं आदि नारों को अपनी पतंग पर उकेरा। पतंग प्रतियोगिता मे दीपक, इनामुल हक अंसारी, रीना, मीत गुप्ता, काजल, मानसी, सिद्धार्थ नाथ, अपूर्व, रिंकी, तमन्ना, सिमरन, ऋषभ विश्वकर्मा, गौरी, अभिनव, अनमोल आदि मौजूद रहे।

...तब 365 दिन मखमली कालीनों से गुलजार होगा कालीन बाजार :जाबिर बाबू

भदोही। सीईपीसी प्रशासनिक समिति सदस्य पद के प्रत्याशी जाबिर बाबू अंसारी ने कहा कि हमारी टीम उद्योग हित में बेहतर से बेहतर करने की सोच रखती है। हमारी टीम ने भविष्य के लिए बहुत कुछ सोचकर रखा है। अवसर मिलने पर एक्सपो मार्ट 365 दिन खुलेगा। विदेशी आयातक वाराणसी, सीतामढ़ी, वृंदावन, अयोध्या जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थली सहित आगारा व अन्य पर्यटन स्थल पर आते रहते हैं। हम लोग इस तरह प्रचार-प्रसार करेंगे कि जो भी आयातक घूमने आएं, वह एक्सपो मार्ट में भी आएं।

इस तरह निर्यातकों का स्टॉक व लोकल मार्केटिंग भी होती रहेगी। आयातकों का नया कांटेक्ट भी बढ़ेगा। इसके अलावा हम लोगों की सोच है कि मार्ट में अंतर्राष्ट्रीय कालीन मेले की तिथि के 15 दिन पहले ही सभी निर्यातकों को पास डाक द्वारा पहुंचाया जाएगा। हमारी टीम सीईपीसी से सीओए को मिलने वाली सुविधा हम लोग न लेते हुए अपने खर्च से उद्योग की सेवा करेंगे। एक्सपो मार्ट में स्वचालित सीढ़ी अन्य मेंटेनेस सहित उद्योग हित के लिए शासन में लिखापढ़ी के साथ ही प्रतिनिधि मंडल प्राथमिकता से संबंधित मंत्री व प्रमुख सचिव से भेंट कर समस्या समाधान के लिए लगातार कार्य होगा।

उन्होंने कहा कि छोटे, मझोले निर्यातकों को आगे बढ़ाने में विशेष कार्य होगा। हमारी टीम में पूर्व एकमा अध्यक्ष रवि पटौदिया, विनय कपूर सहित संजय गुप्ता आदि अनुभवी व संघर्षशील लोग शामिल हैं। मतदाता निर्यातक उद्योग हित में हमारी टीम को एक अवसर दें। निश्चित तौर पर उद्योग प्रगति की ओर अग्रसर होगा। सीओए पद के प्रत्याशी रवि पटौदिया ने कहा कि हमारी टीम को अवसर मिलते ही सभी चुनावी वादे पूरे किए जाएंगे। किसी भी मतदाता निर्यातक को शिकायत का मौका नहीं मिलेगा।

सिलेंडर फटने से लगी आग में चार झुलसे

◘ खाना बनाते समय हुआ हादसा

स्वतंत्र चेतना

बारा, कौशांबी। मंझनपुर तहसील के बेरौचा गांव के मजरा सोनवारा में शनिवार की दोपहर खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर फटने से लगी आग में चार लोग झुलस गए। सभी को इलाज के लिए सीएचसी बारा में भर्ती कराया गया। जहां सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

सोनवारा निवासी शिमला देवी (42) पत्नी सुरेश पाल शनिवार की दोपहर लगभग एक बजे गैस चूल्हा पर खाना बना रही थी। अचानक गैस सिलेंडर फटने से घर में आग लग गई और विकराल रूप धारण कर लिया। चीख-पुकार सुनकर जुटे मोहल्ले के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना देते हुए आग में झुलसे शिमला देवी, सुरेश पाल व बेटा दिलीप पाल एवं संदीप को सीएचसी बारा में भर्ती कराया। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया।

आग लगने के बाद जला मकान

सरदार रिजवी व आदिल जाफरी बने कांग्रेस के जिला प्रभारी

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी माइनॉरिटी डिपार्टमेंट ने सरदार हुसैन रिजवी और आदिल जाफरी को पार्टी का जिला प्रभारी बनाया है। इससे कांग्रेसियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

नगर पंचायत चरवा स्थित कैम्प कार्यालय में शनिवार को कांग्रेस कार्यकताओं की बैठक में अध्यक्षता कर रहे कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पांडेय ने बताया कि चेयरमैन माइनॉरिटी सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के निर्देश पर सरदार हुसैन रिजवी और आदिल जाफरी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष तलत अजीम, राजेंद्र तिवारी, शिव मूरत तिवारी, देवेश श्रीवास्तव, राम बहादुर त्रिपाठी, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, कौशलेश द्विवेदी, शकील अब्बास रिजवी, पप्पू मिश्रा, कालका सिंह, मोहम्मद नसीम, असगर मदनी, मोहम्मद शफीक, सईद अहमद, उदय यादव आदि मौजूद रहे।

जंगल से भटक कर शहजादपुर की बस्ती में घुसा मृग शावक

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। कड़ा ब्लाक के शहजादपुर में शुक्रवार की दोपहर आवारा कुत्तों के भय से बचने के लिए एक मृग शावक गांव के ही रणजीत पंडित इंटर कालेज की चारदीवारी फांदकर जा घुसा था। जिसके बाद उसका कहीं पता नही चला।

शनिवार की सुबह वह भटकते-भटकते पुनः गांव के प्रदीप तिवारी के घर मे जा घुसा। मृग शावक को देख प्रदीप तिवारी ने वन विभाग के कर्मियों को सूचना दी। इसके बाद पहुंचे विभाग के कार्मियों ने मृग शावक को पकड़, हालांकि इधर उधर भागने में मृग शावक घायल हो गया था। जिसका ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे पशु चिकित्सक ने इलाज किया। इसके बाद वनकर्मी मृग शावक को अपने साथ ले गए। कड़ा क्षेत्र के वन दारोगा गया प्रसाद मौर्य ने बताया कि भयभीत मृग शावक को कुछ चोटें आई हैं। उसे डोरमा स्थित विभाग के कार्यालय में इलाज हेतु रखा गया है। स्वस्थ होने बाद किसी सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया जाएगा।

मवेशियों से लदी पिकअप सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र चेतना

भरवारी, कौशांबी। कोखराज पुलिस ने शुक्रवार की रात सिहोरी टोल प्लाजा के पास से मवेशियों से लदी पिकअप के साथ तीन तस्करों को धर दबोचा। सात मवेशियों को बरामद कर पुलिस ने तस्करों को जेल भेज दिया है।

थाना प्रभारी इंद्रदेव सिंह ने बताया कि शुक्रवार की शाम वह टीम के साथ गश्त पर थे। मुखबिर की सूचना पर सिहोरी टोल प्लाजा के पास घेराबंदी में एक पिकअप को रोकते हुए राजा निवासी सतना, मतीस निवासी रायपुर व वसीम निवासी रानीगंज प्रतापगढ़ को पकड़ा है। तस्करों के कब्जे से पुलिस ने सात मवेशियों को बरामद किया है। तस्करों ने बताया कि वह कौशांबी के रास्ते मवेशियों की खेप उन्नाव ले जा रहे थे। तस्करों को जेल भेज दिया गया है।

जनवरी में मारपीट, मई में लिखा मुकदमा

औराई(भदोही)। जनवरी महीने में हुई मारपीट की एक घटना का मुकदमा औराई पुलिस ने चार महीने बाद अब जाकर लिखा है। जानकारी के मुताबिक औराई क्षेत्र के नटवा गांव में नाद-खूंटा रखने के चक्कर में मारपीट हो गई थी, जिसमें महिला व उसके ससुर घायल हो गए हैं। पिंकी शुक्ला (निवासिनी नटवा) ने गांव के ही चार लोगों पर आरोप लगाया कि छह जनवरी को उसकी जमीन पर कुछ लोग नाद रखकर खूंटा गाड़ने लगे, मना करने पर वह अमादा फसाद हो गए और मुझे व ससुर को जमकर मारापीटा। इस संबंध में औराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 325, 323, 504 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छह राजनीतिक दलों समेत पांच निर्दलियों का नामांकन स्वीकृत

◘ इंद्रजीत सरोज समेत आठ प्रत्याशियों का जांच में नामांकन निरस्त

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। लोकसभा कौशांबी (50) आरक्षित सीट से छह राजनीतिक दलों समेत कुल पांच निर्दलीय प्रत्याशियों के नामांकन पत्र जांच में स्वीकृत हुए है। जबकि आठ नामांकन पत्र सही न मिलने पर निरस्त कर दिए गए है।

20 मई को पांचवे चरण में कौशांबी लोकसभा का चुनाव होना है। इसके लिए गत 26 अप्रैल से लेकर तीन मई के बीच कुल 19 प्रत्याशियों ने 27 नामांकन पत्र दाखिल किए। शनिवार को हुई नामांकन पत्रों की जांच में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल भाजपा, सपा व बसपा के अलावा तीन अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल अपना दल कमेरावादी, मानवतावादी समाज पार्टी व भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रत्याशियों समेत पांच निर्दलियों के नामांकन पत्र स्वीकृत हुए। जबकि आठ प्रत्याशियों के नामांकन पत्र प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर न होने, शपथ पत्र रिक्त होने व नोटरी न होने एवं अन्य खामियां मिलने पर निरस्त कर दिए गए है।

इनके नामांकन पत्र हुए स्वीकृत

1. पुष्पेंद्र सरोज समाजवादी पार्टी
2. विनोद सोनकर (भारतीय जनता पार्टी)
3. शुभ नारायण (बहुजन समाज पार्टी)
4. नरेंद्र कुमार (अपना दल कमेरावादी)
5. रामआसरे (मानवतावादी समाजपार्टी)
6. रामेश्वर प्रसाद (भारतीय शक्ति चेतना पार्टी)
7. पुष्पेंद्र कुमार (निर्दलीय)
8. प्रदीप कुमार (निर्दलीय)
9. राजेंद्र सोनकर (निर्दलीय)
10. शैलेंद्र (निर्दलीय)
11. संजय कुमार (निर्दलीय)

इनका हुआ नामांकन निरस्त

1. मंझनपुर विधायक इंद्रजीत सरोज
2. मुन्ना लाल
3. श्यामजी
4. छेद्दू
5. मटरू
6. साकेत कुमार
7. भैरव प्रसाद
8. पुष्पेंद्र सिंह

नगर पालिका अध्यक्ष समेत चार कद्दावर सपाइयों ने बदला पाला

ज्ञानपुर(भदोही)। वैसे तो आप सभी ने कुल सात रंगों के बारे में ही सुना होगा, इन्हीं रंगों से मिलकर अलग-अलग रंग बनते हैं, लेकिन राजनीति में इतने रंग होते हैं कि उसका अंदाजा लगा पाना भी मुश्किल है। शनिवार को भाजपा प्रत्याशी का नामांकन होना था। इसके पूर्व जनपद मुख्यालय पर जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें चार कद्दावर सपा नेताओं ने तमाम कार्यकताओं के साथ साइकिल की सवारी छोड़ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा प्रत्याशी व मझवा विधायक डा. विनोद कुमार बिंद के नामांकन से पहले ज्ञानपुर-गोपीगंज मार्ग स्थित सिंहपुर में एक जनसभा का आयोजन किया गया था, जिसमे उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक बतौर चीफ गेस्ट भाग लेने पहुंचे थे। यह सभा चल ही रही थी कि अचानक मंच पर कुछ सपा नेता दाखिल होगए, जिनका डिप्टी सीएम ने स्वागत करते हुए भाजपा की सदस्यता दिलवाई। साइकिल की सवारी छोड़ हाथ में कमल पकड़नेवालों में गोपीगंज के नगर पालिका अध्यक्ष जीतेंद्र गुप्ता, सपा के कुंवर प्रमोदचंद्र मौर्य, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री पूर्वप्रदेश सचिव सपा, सपा से श्याम कुमारी (वर्तमान जिला पंचायत सदस्य), रवींद्र पाल (पूर्व सपा युवजन सभा जिलाध्यक्ष), सतीश गुप्ता (पूर्व सपा व्यापार सभा जिलाध्यक्ष), समेत तमाम लोगों के नाम शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत के साथ रुपये में व्यापार करेगा नाइजीरिया; यूपीआई के जरिये संभव होगा डिजिटल भुगतान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और नाइजीरिया ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए स्थानीय मुद्रा में व्यापार पर जल्द एक समझौता करेंगे। इसके अलावा नाइजीरिया डिजिटल भुगतान के लिए भारत के यूपीआई का इस्तेमाल करेगा। वाणिज्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि भारत के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल मे ही नाइजीरिया की यात्री की है, जहां अबूजा में दोनों पक्षों ने कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, औषधि, बिजली उत्पादन सहित कई ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें व्यापार व सहयोग बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा दोनों देश इस बात के लिए सहमत हुए हैं कि स्थानीय मुद्रा निपटान (एलसीएस) समझौता किया जाए, ताकि दोनों देश एक-दूसरे की मुद्रा में व्यापार के लिए भुगतान कर सकें। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि अतिरिक्त सचिव अमरदीप सिंह भाटिया के नेतृत्व में भारत के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय एक्जिम बैंक और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के अधिकारी शामिल थे। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार के साथ-साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी निवेश को बढ़ाने के लिए कई क्षेत्रों की पहचान की है। नाइजीरिया अफ्रीका में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

बायजू घटनाक्रमः एनसीएलटी के समक्ष विक्रेताओं के कुल दावे 190 करोड़ रुपए तक पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। संकटग्रस्त बायजू के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष विक्रेताओं के कुल दावे 190 करोड़ रुपए तक पहुंच गए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसमें हैंडसेट विनिर्माता ओप्पो ने एक करोड़ रुपए का नया दावा दायर किया है। बायजू के लिए बढ़ते दावे ऐसे समय में सामने आए हैं, जब यह निवेशकों के साथ विवाद के कारण राइट इश्यू से जुटाए गए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि को हासिल नहीं कर पाई है।

एक सूत्र ने कहा, एनसीएलटी के समक्ष बायजू के खिलाफ कुल 190 करोड़ रुपए के दावे किए गए हैं। इसमें चीनी मोबाइल कंपनी ओप्पो का एक करोड़ रुपए का दावा भी शामिल है। इस मामले पर बायजू और ओप्पो को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने बायजू के खिलाफ 158.9 करोड़ रुपए का सबसे बड़ा दावा दायर किया है। इसके बाद कॉजेंट ई-सर्विसेज ने 6.7 करोड़ रुपए और टेलीपरफॉर्मेंस बिजनेस सर्विसेज ने पांच करोड़ रुपए का दावा किया है। एक सूत्र ने कहा कि सभी दावे विवादित हैं और वास्तविक बकाया इससे कम हो सकता है।

दूरसंचार ग्राहकों की संख्या मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 119.9 करोड़ हुईः ट्राई

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के नये ग्राहकों को जोड़ने के कारण देश में दूरसंचार ग्राहकों की संख्या मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 119.9 करोड़ हो गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की शुक्रवार को जारी मासिक ग्राहक रिपोर्ट के अनुसार ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या बढ़कर 92.4 करोड़ हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया, भारत में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या फरवरी 2024 के अंत में 1,19.77 करोड़ से बढ़कर मार्च 2024 के अंत में 1,19.93 करोड़ हो गई। इसमें मासिक आधार पर 0.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान रिलायंस जियो ने 21.4 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े, जबकि भारती एयरटेल ने 17.5 लाख ग्राहक जोड़े। दूसरी ओर वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 6.8 लाख मोबाइल ग्राहक, बीएसएनएल ने 23.5 लाख और एमटीएनएल ने 4,674 ग्राहक खो दिए।

श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल के बाद फिलीपींस चले गौतम अडानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप अब फिलीपींस में भारी निवेश की तैयारी में है। अडानी ग्रुप की कंपनियां इस देश में पोर्ट्स, एयरपोर्ट्स, पावर और डिफेंस सेक्टर में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है। ग्रुप की कंपनी अडानी पोर्ट्स ने फिलीपींस के बटान में एक 25 मीटर डीप पोर्ट को डेवलप करने में दिलचस्पी दिखाई है। यह पोर्ट पैनामैक्स वेसल्स को भी हैंडल कर सकता है। अमूमन इस तरह का जहाज 50,000 से 80,000 डेडवेट टन तक का होता है। ये 965 फीट लंबा, 106 फुट बीम और 39.5 फुट ड्राफ्ट का जहाज होता है। यह भारी मात्रा में सामान ले जा सकता है। दुनिया में कम ही बंदरगाहों में इस तरह के भारीभरकम जहाजों को हैंडल करने की सुविधा होती है।

गौतम अडानी के बेटे और अडानी पोर्ट्स के एमडी करण अडानी ने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्निडाड आर मार्कोस जूनियर के साथ गुरुवार को मनीला में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने फिलीपींस में अडानी ग्रुप की निवेश योजनाओं के बारे में बताया। मार्कोस ने अडानी पोर्ट्स की योजनाओं का स्वागत किया। उन्होंने सुझाव दिया कि कंपनी को एग्रीकल्चरल प्रॉडक्ट्स की हैंडलिंग पर फोकस करना चाहिए ताकि फिलीपींस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सके। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार देश में टूरिस्ट्स के लिए गेटवे डेवलप कर रही है। साथ ही एग्रीकल्चरल प्रॉडक्ट्स की लॉजिस्टिक कॉस्ट को भी सस्ता करने के लिए गेटवे बनाए जा रहे हैं। अगर अडानी पोर्ट्स की डील फाइनल होती है तो चौथे देश में कंपनी की एंट्री होगी। इससे पहले कंपनी श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल में एंट्री कर चुकी है।

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने हाल में चौथी तिमाही का रिजल्ट जारी किया था। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 76.87 प्रतिशत बढ़कर 2,014.77 करोड़ रुपये हो गया। देश की सबसे बड़ी एकीकृत लॉजिस्टिक्स कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,139.07 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। एपीएसईजेड ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकीकृत कुल आय बढ़कर 7,199.94 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 6,178.35 करोड़ रुपये थी। आलोच्य तिमाही में कुल व्यय बढ़कर 4,450.52 करोड़ रुपये हो गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 3,995 करोड़ रुपये था। कंपनी ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में प्रति शेयर छह रुपये का डिविडेंड देने की घोषणा की है। कंपनी ने इसके लिए 14 जून रेकॉर्ड डेट फिक्स की है।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, प्याज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार को प्याज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया है। इसी के साथ सरकार ने न्यूनतम निर्यात कीमत (एमईपी) को 500 डॉलर प्रति टन पर निर्धारित किया है। गौरतलब है कि केंद्र का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब देश में चुनाव जारी हैं और प्याज राजनीतिक दलों के लिए हवा बदलने वाली फसल साबित हुआ है। विदेशी व्यापार मामलों के महानिदेशालय ने अपने नोटिफिकेशन में कहा, प्याज की निर्यात नीति को प्रतिबंधित से बदलकर मुक्त विषय में लाया जा रहा है। इसका न्यूनतम निर्यात मूल्य तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक 550 डॉलर प्रति टन होगा।

एक रात पहले ही सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी ड्यूटी लगाने का एलान किया था। इससे पहले पिछले साल अगस्त में केंद्र ने प्याज के निर्यात पर आंशिक तौर पर रोक लगाते हुए 31 दिसंबर 2023 तक के लिए इसकी निर्यात ड्यूटी 40 फीसदी कर दी थी।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.41 अरब डॉलर घटकर 637.92 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.41 अरब डॉलर घटकर 637.92 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.28 अरब डॉलर घटकर 640.33 अरब डॉलर रहा था। यह कई सप्ताह की तेजी के बाद पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 648.56 अरब डॉलर के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इससे पहले, सितंबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 642.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.16 अरब डॉलर घटकर 559.70 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.27 अरब डॉलर घटकर 55.53 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.04 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा भी 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.64 अरब डॉलर हो गई।

मुकेश अंबानी ने एक झटके में गंवा दिए 19,177 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारी उतारचढ़ाव देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में तेजी के साथ शेयर बाजार रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही मामला बदल गया। आखिरकार बीएसई सेंसेक्स 732.96 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी दो फीसदी से ज्यादा गिरावट रही। कंपनी का शेयर 2.17 प्रतिशत गिरावट के साथ 2868.50 रुपये पर बंद हुआ। इससे रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में काफी गिरावट देखने को मिली। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक शुक्रवार को अंबानी की नेटवर्थ में 2.3 अरब डॉलर यानी करीब 19,177 करोड़ रुपये की गिरावट आई। इसके साथ ही अंबानी की नेटवर्थ 111 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं। अंबानी भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 14.3 अरब डॉलर की तेजी आई।

इस बीच अमेरिका के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे को छोड़कर सभी टॉप 10 रईसों की नेटवर्थ में शुक्रवार को तेजी रही। दुनिया के सबसे बड़े रईस फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 4.60 अरब डॉलर की तेजी आई। इस उछाल के साथ ही उनकी नेटवर्थ 218 अरब डॉलर पहुंच गई। इस लिस्ट

में दूसरे नंबर पर काबिज ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में 1.52 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और यह 208 अरब डॉलर पहुंच गई। एलन मस्क की नेटवर्थ में 75.9 करोड़ डॉलर की तेजी आई। वह 192 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने शुक्रवार को 3.55 अरब डॉलर की कमाई की। इस साल उनकी नेटवर्थ में 32.8 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में- दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स 149 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं। गूगल के फाउंडर लैरी पेज (149 अरब डॉलर) छठे, सर्गेई ब्रिन (141 अरब डॉलर) सातवें, स्टीव बाल्मर (141 अरब डॉलर) आठवें, वॉरेन बफे (132 अरब डॉलर) नौवें और लैरी एलिसन (130 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की नेटवर्थ में शुक्रवार को 61.1 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। वह 98.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 14.2 अरब डॉलर की तेजी आई है।

वर्किंग प्रोफेशनल वेब के माध्यम से आईआईटी मद्रास से ई-मोबिलिटी में एम.टेक. कर पाएंगे

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए वेब के माध्यम से ई-मोबिलिटी में एम.टेक. (डब्ल्यूईएमईएम) शुरू करने जा रहा है । यह कोर्स पूरी तरह इस उद्योग के अनुरूप है।कोर्स की सामग्री इस उद्योग के प्रोफेशनलों के लिए पूरी तरह प्रासंगिक है, जो इसकी विशिष्टता है।

एमटेक प्रोग्राम की परिकल्पना शिक्षा और उद्योग जगत के विशेषज्ञों की सूझबूझ से की गई थी और इसे उद्योग की जरूरतों के अनुसार लगातार बेहतर बनाया जाएगा।

प्रोग्राम की अहमियत बताते हुए आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने कहा, ''आईआईटी मद्रास कई सर्टिफिकेशन प्रोग्रामों के माध्यम से ई-मोबिलिटी सेक्टर में वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए कौशल बढ़ाने के प्रोग्राम शुरू करने में सबसे आगे रहा है । ऐसे प्रोग्रामों के प्रतिभागी और ऑटोमोटिव उद्योग भी एम.टेक. प्रोग्राम शुरू करने की मांग करते रहे हैं, जो स्वाभाविक है।इसलिए हमें डब्ल्यूईएमईएम शुरू करने की खुशी है और यह विश्वास है कि यह प्रोग्राम इस क्षेत्र में हमारे मिशन को आगे बढ़ाएगा, जो राष्ट्र के मानव संसाधन का तेजी से विकास करना है।''

यह डिग्री प्रोग्राम आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर आउटरीच एंड डिजिटल एजुकेशन (सीओडीई) के माध्यम से शुरू किया जा रहा है । इसमें आईआईटी मद्रास से एम.टेक. डिग्री के लिए जरूरी कड़ी मेहनत पर जोर देने के साथ-साथ कोर्स को व्यावहारिक ज्ञान देने योग्य बनाने का ध्यान रखा गया है।डब्ल्यूईएमईएम का

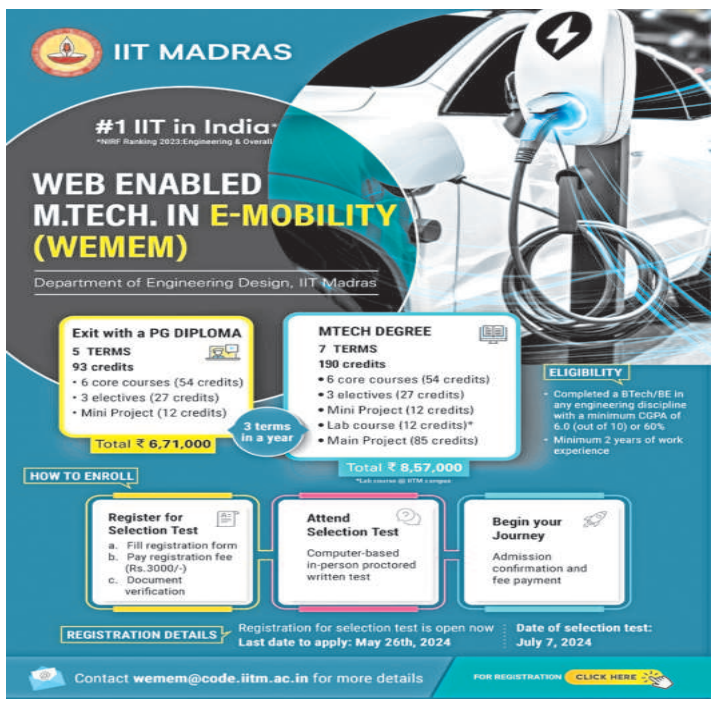

समन्वयन आईआईटी मद्रास का इंजीनियरिंग डिजाइन विभाग कर रहा है।

इसी सिलसिले में प्रोफेसर प्रताप हरिदोस, डीन, शैक्षिक पाठ्यक्रम, आईआईटी मद्रास ने कहा, ''डब्ल्यूईएमईएम की संरचना में यह ध्यान रखा गया है कि आईआईटी मद्रास से एम.टेक. डिग्री के लिए आवश्यक क्रेडिट प्राप्त हो।इसमें कोर और इलैक्टिव थियरी के कोर्स, लैब और प्रोजेक्ट होंगे ।

प्रोग्राम के बारे में विस्तार से बताते हुए आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर आउटरीच एंड डिजिटल एजुकेशन (सीओडीई) के अध्यक्ष प्रो. देवेंद्र जलिहाल ने कहा, ''आईआईटी मद्रास कैंपस से बाहर के सभी ऐकेडेमिक और आउटरीच प्रोग्रामों के लिए सीओडीई एक नोडल कार्यालय रहा है ।

प्रोफेसर एंड्रयू थंगराज, एसोसिएट चेयर, सेंटर फॉर आउटरीच एंड डिजिटल एजुकेशन (सीओडीई), आईआईटी मद्रास ने कहा, ''सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान में सही ताल मेल के लिए हमने उद्योग जगत के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया है जो कुछ कोर्स पढ़ाएंगे।प्रत्येक कोर्स के लिए नियमित असाइनमेंट देने के साथ-साथ परीक्षाएँ भी होंगी।इस तरह हम एक ठोस शिक्षा पद्धति पर काम करेंगे।''

प्रोग्राम की विस्तृत जानकारी देते हुए आईआईटी मद्रास के इंजीनियरिंग डिजाइन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर सी.एस. शंकरराम ने कहा, ''यह विभाग ई-मोबिलिटी में आईआईटी मद्रास के विभिन्न प्रयासों के लिए नोडल विभाग बनकर उभरा है ।

तनिष्क की आधुनिक आभूषणों की शानदार पेशकश ग्लैमडेज़

रोज़ाना पहनने के आधुनिक आभूषणों की रेन्ज मेक एवरीडे स्पाकरकल के लिए बनाए गए आभूषण

मुंबई, एजेंसी। अक्षय तृतीया का पवित्र पर्व नज़दीक आ रहा है। इस अवसर पर भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा समूह का हिस्सा, तनिष्क ने प्रस्तुत की है रोज़ाना पहनने के आधुनिक आभूषणों की शानदार और बहु उपयोगी रेन्ज - ग्लैमडेज़, जिसे दुनिया भर के डिज़ाइन्स से प्रेरित होकर बनाया गया है। शान और आधुनिक फैशन की खूबसूरती को साथ मिलाकर बनाए गए ग्लैमडेज़ के आभूषण आपकी रोज़ाना स्टाइल को और भी बढ़ाएंगे और हर महिला के वार्डरोब में एक बहुमूल्य एडिशन बनेंगे। इसमें 10000 से ज़्यादा अनोखे डिज़ाइन्स को शामिल किया गया है।

वैश्विक स्तर के कई अलग-अलग डिज़ाइन्स से प्रेरित होकर बनाए गए ग्लैमडेज़

में हर दिन की सुंदरता को रोज़ाना पहनने के स्टाइलिश फिर भी बहु उपयोगी आभूषणों के साथ परिभाषित किया गया है। हर दिन सुबह से लेकर रात तक आप इन आभूषणों को बहुत ही आसानी से पहन सकती हो। नाजुक खूबसूरती को दर्शाते हुए फ्लोरल पेंडंट, बोल्ड फिर भी रिफाइंड गोल्ड हूप्स, हर दौर में सभी की पसंद इन्फिनिटी रिंग्स या खूबसूरत गोल्ड ब्रेसलेट हो, ग्लैमडेज़ में सोने और हीरों से बने रोज़ाना पहनने के आभूषणों की आधुनिक रेन्ज शामिल है। दिन भर के सोफिस्टिकेशन को शाम के ग्लैमर में बहुत ही आसानी से बदलने का जादू इन आभूषणों में है। हर दिन एक नया, खूबसूरत लूक बनाया जा सकें इसके लिए कई अलग-अलग स्टाइल्स को इसमें शामिल किया गया है। अपने उपभोक्ताओं की खुशियों को और भी सुनहरा करने के लिए तनिष्क ने सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस और डायमंड ज्वेलरी के मूल्य पर 20 प्रतिशत तक की छूट दी है। साथ ही तनिष्क में गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम का भी लाभ उठाया जा सकता है, जिसमें भारत के किसी भी ज्वेलर से ख़रीदे हुए पुराने सोने पर 100 प्रतिशत एक्सचेंज मूल्य दिया जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार उत्पादों के आयात में चीन, हांगकांग की 56 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और इलेक्ट्रिकल उत्पादों का आयात 2023-24 में बढ़कर 89.8 अरब डॉलर हो गया जिनमें से आधे से अधिक आयात चीन और हांगकांग से होता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने इस रिपोर्ट में कहा है कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और इलेक्ट्रिकल क्षेत्र के कुल आयात में सर्वाधिक 43.9 प्रतिशत हिस्सेदारी चीन की है।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन और हांगकांग पर इन उत्पादों के मामले में गहरी निर्भरता दिखती है और यह पिछले कुछ साल में नाटकीय रूप से बढ़ी है। इसके मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार आयात के मामले में चीन और हांगकांग पर निर्भरता को कम करना जरूरी है। यह

न केवल आर्थिक लचीलापन बढ़ाने के लिए बल्कि तेजी से परस्पर जुड़ती जा रही दुनिया में भारत की डिजिटल और तकनीकी संप्रभुता की रक्षा के लिए भी जरूरी है।

रिपोर्ट कहती है, ये क्षेत्र लाखों लोगों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। हालांकि चीन से आयात पर भारत की अत्यधिक निर्भरता देश की रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करती है।

बृजेश, आर्यन समेत 7 भारतीयों ने फाइनल में प्रवेश किया

अस्ताना (कजाकिस्तान), एजेंसी। बृजेश टम्टा और आर्यन ने पांच अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ शुक्रवार को यहां एएसबीसी एशियन अंडर-22 और यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2024 में युवा पुरुष वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। भारत के लिए शुरुआत करते हुए, बृजेश ने 48 किग्रा वर्ग में मंगोलिया के तालाइबेक इसूर को 5-0 के ठोस स्कोर के साथ हराया। इसके बाद, राहुल कुंडू (75 किग्रा) और आर्यन (92 किग्रा) ने समान सर्वसम्मत निर्णयों के साथ चीन के कांजी बेई एर्सी और किर्गिस्तान के अलीबेव टाइनिस्तान को पछाड़ दिया। दूसरी ओर, सागर जाखड़ (60 किग्रा) ने अंतिम दौर में किर्गिस्तान के सादिरोव दिलेरबेक पर रेफरी स्टॉप द कॉन्टेस्ट (आरएससी) की जीत

के लिए मजबूर किया। आर्यन (51 किग्रा), यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) और प्रियांशु (71 किग्रा) ने विभाजित निर्णय के साथ भारत की जीत की लय को आगे बढ़ाया। इस बीच, सुमित (67 किग्रा) और साहिल (80 किग्रा) ने कजाकिस्तान के सबिरखान तोरेखन और किर्गिस्तान के जाकिरोव मुखमदाजिज के खिलाफ 0-5 से हारने के बाद कांस्य पदक के साथ समापन किया। भारतीय युवा दल ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में महिला वर्ग में 12 सहित 22 पदक हासिल किए हैं। बाद में शुक्रवार की रात, लक्ष्य राठी (92+ किग्रा) और मौजूदा जूनियर विश्व चैंपियन निशा (52 किग्रा) और आकांशा (70 किग्रा) 10 अन्य भारतीय युवा मुक्केबाजों के साथ फाइनल में जगह बनाने के लिए लड़ेंगे। गुरुवार रात ध्रुव सिंह (80 किग्रा), गुड्डी (48 किग्रा) और पूनम (57 किग्रा) ने अंडर-22 वर्ग के अंतिम-चार चरण में अपनी जगह बना ली। शनिवार को ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी प्रीति (54 किग्रा) और मौजूदा युवा विश्व चैंपियन विश्वनाथ सुरेश (48 किग्रा) 17 अन्य मुक्केबाजों के साथ अंडर-22 सेमीफाइनल में भारत की कमान संभालेंगे। मुस्कान (75 किग्रा) और अल्फिया पठान (81 किग्रा) को उनके संबंधित अंडर-22 सेमीफाइनल में बाई मिली है। यूथ और अंडर-22 वर्ग के फाइनल क्रमशः सोमवार और मंगलवार को खेले जाएंगे।

पाकिस्तानी टीम के अंदर कुछ तनाव था

आर्मी कैंप खिलाड़ियों को जोड़ने के लिए था- लतीफ़

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ सीनियर पुरुष टीम को सेना शिविर में प्रशिक्षण के लिए भेजने के पीछे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की सोच के समर्थन में सामने आए हैं। पीसीबी ने ञ20 विश्व कप 2024 से पहले पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के प्रशिक्षण के लिए एक अनूठा तरीका अपनाया था

35 साल के पीयूष चावला ने रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 51वें मैच में भले ही मुंबई इंडियंस को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 24 रन से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन ये टीम उनकी टीम के एक गेंदबाज के लिए काफी खास रहा। ये खिलाड़ी आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला दूसरा गेंदबाज बन गया है। इस गेंदबाज ने ड्वेन ब्रावो को सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने के मामले में पछाड़ दिया है।

मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले पीयूष चावला आईपीएल के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया है। पीयूष चावला ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच में रिंकू सिंह के रूप में अपना एकमात्र विकेट हासिल किया। इसी के साथ उन्होंने आईपीएल में 184 विकेट पूरे कर लिए। वह अब सिर्फ युजवेंद्र चहल से पीछे हैं। युजवेंद्र चहल 200 विकेट के साथ इस लिस्ट में सबसे आगे हैं।

टॉप-5 में सुनील नारायण की भी हुई एंट्री

कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाज सुनील नारायण भी सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने के मामले में पांचवें नंबर पर आ गए हैं। सुनील नारायण ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में 2 विकेट अपने नाम किए।

इसी के साथ आईपीएल में उनके 176 विकेट हो गए हैं। उन्होंने अमित मिश्रा को पीछे छोड़ा है। अमित मिश्रा के नाम आईपीएल में 174 विकेट दर्ज हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट

युजवेंद्र चहल	200 विकेट
पीयूष चावला	184 विकेट
ड्वेन ब्रावो	183 विकेट
भुवनेश्वर कुमार	178 विकेट
सुनील नारायण	176 विकेट

IPL 2024 का गणित

मुंबई प्लेऑफ रेस से बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में 51 मैच खत्म हो चुके हैं। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को 24 रन से हराया। इसी के साथ मुंबई 17वें सीजन के प्लेऑफ से बाहर होने वाली पहली टीम बनी, टीम 9वें नंबर पर है। वहीं कोलकाता ने दूसरे नंबर पर अपनी सिचुएशन स्ट्रॉन्ग कर ली। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बैटिंग करते हुए 19.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 169 रन बनाए। मुंबई 18.5 ओवर में 145 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा-

मुंबई फिलहाल एक टीम के रूप में नहीं खेल रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने शुक्रवार रात कोलकाता नाइट राइडर्स से 24 रन से मिली निराशाजनक हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की तीखी आलोचना की। पठान ने उन महत्वपूर्ण क्षणों पर प्रकाश डाला जहां उनका मानना था कि एमआई लड़खड़ा गया था, विशेष रूप से मैदान पर पांड्या के निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित किया। जब केकेआर 57/5 पर संघर्ष कर रहा था, तब तीन महत्वपूर्ण ओवरों में नमन धीर का उपयोग करने से भौंहें तन गईं, पठान ने सुझाव दिया कि मुंबई को 20 रन महंगे पड़े, जिससे केकेआर को 170 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में मदद मिली। इरफ़ान पठान ने इंस्टाग्राम पर कहा,मुंबई इंडियंस की कहानी आईपीएल 2024 में समाप्त हो गई है। वे कागज पर बहुत अच्छी टीम थे लेकिन उन्हें अच्छी तरह से प्रबंधित नहीं किया गया है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर सवाल बिल्कुल जायज हैं. आज जब केकेआर का स्कोर 57/5 था तो आपने नमन धीर के 3 ओवर कराये गए। आपने अपना छठा गेंदबाज डाला, केकेआर को मनीष पांडे और वेंकटेश अय्यर के बीच एक महत्वपूर्ण साझेदारी बनाने दी। यह 83 रन की साझेदारी केकेआर को 170 तक ले गई, जबकि उन्हें केवल 150 तक ही पहुंचना चाहिए था और यही अंतर का बिंदु बन गया। पठान की आलोचना यहीं नहीं रुकी। उन्होंने एमआई कैंप के भीतर की गतिशीलता पर प्रकाश डाला, जिससे पता चला कि टीम में एकजुटता और एकता की कमी है, जिससे टीम के भीतर संभावित दरार या गुटों का संकेत मिलता है। उन्होंने कप्तान के अधिकार को खिलाड़ी द्वारा स्वीकार करने के महत्व पर जोर दिया और संकेत दिया कि वर्तमान एमआई सेटअप में इसकी कमी हो सकती है। पठान ने आगे कहा, क्रिकेट एक ऐसा खेल है जहां कप्तानी और प्रबंधन महत्वपूर्ण है और एमआई फिलहाल एक टीम के रूप में नहीं खेल रही है और यह एमआई के लिए सीजन का सबसे बड़ा चर्चा का विषय है।

मैं एक स्मार्ट क्रिकेटर बनने की कोशिश करता हूं: वेंकटेश अय्यर

नईदिल्ली, एजेंसी। कोलकाता ने जब पावरप्ले में तीन विकेट गंवा दिए थे तो उनके एक छोर संभालकर वेंकटेश अय्यर ने 70 रन बनाए और टीम को 169 रन तक पहुंचा दिया। यह स्कोर मुंबई हासिल नहीं कर पाई और 145 रन ऑल आऊट होने के साथ ही उन्होंने 24 रन से यह मुकाबला गंवा दिया। अपनी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच बने वेंकटेश अय्यर ने कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर के

रूप में, मुझे स्थिति के मामले में लचीला होना होगा। जब मैंने गेंद को अच्छे से हिट करना शुरू किया तो 2 और विकेट गिर गए और मैंने सोचा कि मुझे एंकर की भूमिका निभानी होगी। यह चौथी या 5वीं बार है जब मनीष ने पैड अप किया है। इस बार उन्हें बैटिंग करने का मौका मिला। रसेल और रमनदीप को ऊपर भेजने से बेहतर है कि मनीष को रखा जाए जो एंकर की भूमिका निभा सके। विकेट पर बात करते हुए वेंकटेश ने कहा कि गेंद पकड़ में थी और यह दो गति वाला विकेट था। मैं एक स्मार्ट क्रिकेटर बनने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए पीयूष चावला और तेज गेंदबाजों का पीछा करना आसान होता। टीम को अंत तक मेरे बने रहने की जरूरत थी।

भारत के 7 बैडमिंटन खिलाड़ियों को ओलिंपिक टिकट

- तीन सिंगल्स और दो डबल्स इवेंट में लेंगे भाग, सिंधू से तीसरे मेडल की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु, पूर्व वर्ल्ड नंबर वन एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन ने सिंगल्स इवेंट के लिए अपनी जगह पक्की की है। वहीं मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी और विमेंस डबल्स में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल हुए हैं।

ओलिंपिक के लिए क्वालिफाइंग के लिए क्या नियम थे- ओलिंपिक में बैडमिंटन के टॉप 16 खिलाड़ी भाग लेते हैं। साथ ही एक देश से एक इवेंट में दो खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं। जुलाई में होने वाले पेरिस ओलिंपिक के लिए 30 अप्रैल तक की रैंकिंग को निर्धारित किया गया था। इसके के आधार पर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल हुए हैं।

टीम इंडिया बनी वनडे-टी20 में नंबर वन

टेस्ट रैंकिंग में भारत दूसरे स्थान पर है जबकि नंबर-1 पर ऑस्ट्रेलिया पर कब्जा है

दुबई, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा शुक्रवार को जारी वार्षिक अपडेट के बाद भारत ने पुरुषों की वनडे और टी20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। टेस्ट रैंकिंग में भारत दूसरे स्थान पर है जबकि नंबर-1 पर ऑस्ट्रेलिया पर कब्जा है।

टेस्ट रैंकिंग के लिए, आईसीसी ने कहा कि वार्षिक अपडेट 2020-21 सीजन के परिणामों को हटा देता है और मई 2021 के बाद से पूरी हुई सभी श्रृंखलाओं को दर्शाता है। वर्तमान विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप विजेता ऑस्ट्रेलिया अब 124 रेटिंग अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है। शीर्ष स्थान छोड़ने वाला भारत रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया से केवल चार अंक पीछे है और तीसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड से 15 अंक आगे है। दक्षिण अफ्रीका 103 अंकों के साथ 100 अंकों से ऊपर चौथी टीम है। भारत मुख्य रूप से इसलिए फिसला क्योंकि 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में उसकी 2-1 सीरीज जीत रैंकिंग से हटा दी गई है। तीसरे से नौवें स्थान पर रहने वाली टीमों का क्रम समान रहता है। अब केवल नौ टीमें रैंकिंग में हैं क्योंकि अफगानिस्तान और आयरलैंड ने अभी तक पर्याप्त टेस्ट नहीं खेले हैं जबकि

जिम्बाब्वे भी बाहर है क्योंकि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में केवल तीन टेस्ट खेले हैं। रैंकिंग तालिका में आने के लिए टीमों को तीन साल की अवधि में कम से कम आठ टेस्ट खेलने होंगे। सफेद गेंद वाले मैचों के मामले में, भारत वनडे और टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर है, क्योंकि वार्षिक अपडेट में कहा गया है कि इसमें मई 2023 से पहले पूरे किए गए मैचों को 50 प्रतिशत और बाद के मैचों को 100 प्रतिशत पर महत्व दिया गया है। भारत भले ही विश्व कप 2023 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया हो, लेकिन उसने उन पर अपनी बढ़त तीन से छह अंक तक बढ़ा ली है, जिससे वह 122 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है। शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन आयरलैंड जिम्बाब्वे को पछाड़कर 11वें स्थान पर पहुंच गया है।

तीसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के साथ आठ से चार अंकों का अंतर कम कर लिया है, जबकि श्रीलंका पांचवें स्थान पर मौजूद इंग्लैंड से सिर्फ दो अंक पीछे है। टी20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड से आगे दूसरे स्थान पर पहुंच गया है, लेकिन वह भारत से सात अंक पीछे है, जो 264 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष पर है। दक्षिण अफ्रीका अपडेट से पहले छठे स्थान से दो स्थान आगे बढ़ने के बाद इंग्लैंड से सिर्फ दो अंक पीछे है। न्यूजीलैंड के भी दक्षिण अफ्रीका की तरह 250 अंक हैं, लेकिन कुछ अंकों के मामले में वह पीछे है, जबकि वेस्टइंडीज के 249 अंक हैं, जिसका मतलब है कि तीसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड और छठे स्थान पर मौजूद वेस्टइंडीज के बीच सिर्फ तीन अंकों का अंतर है।

आईपीएल 2024 : अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	10	8	2	16
कोलकाता	9	6	3	12
हैदराबाद	10	6	4	12
लखनऊ	10	6	4	12
दिल्ली	10	5	5	10
चेन्नई	10	5	5	10
गुजरात	10	4	6	8
पंजाब	10	4	6	8
मुंबई	11	3	8	6
बेंगलुरु	10	3	7	4

पंजाब के खिलाफ लगातार दूसरे मैच में जीत दर्ज करना चाहेगी चेन्नई सुपर किंग्स

धर्मशाला :गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) रविवार को धर्मशाला स्टेडियम में लगातार दूसरी बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी तो उसकी कोशिश जीत की लय हासिल करने पर लगी होगी। तीन दिन पहले ही पंजाब किंग्स ने चेपक पर सीएसके को सात विकेट से हराया था। घरेलू टीम की यह पिछले तीन मैच में दूसरी हार थी जिससे टीम मुश्किल में है। सीएसके 10 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है और पांच बार की चैम्पियन उम्मीद करेगी कि स्थान बदलने से उसका भाग्य भी बदल जायेगा क्योंकि नॉकआउट चरण में अपना स्थान पक्का करने क लिए महज चार मैच बचे हैं। सीएसके हरप्रीत बरार और राहुल चाहर की स्पिन जोड़ी के खिलाफ मध्य के ओवरों में तेजी नहीं दिखा सकी जिससे उसने सात विकेट पर 162 रन का स्कोर बनाया था। उनकी बल्लेबाजी भी कप्तान रूतुराज गायकवड़ और शिवम दुबे पर निर्भर होती जा रही है तथा जैसे ही इनमें से एक विफल होता है, वैसे ही टीम के अनिरंतर बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ जाता है। गायकवाड़ ने सत्र का पांचवां 50 से ज्यादा रन का स्कोर बनाया जबकि अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे एक बार फिर शुरूआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे जबकि रविंद्र जडेजा और समीर रिज्वी स्पिन के खिलाफ जूझते नजर आये। सीएसके अपने तेज गेंदबाजों के स्वास्थ्य और फिटनेस चिंताओं से भी परेशान है जिसमें दीपक चाहर भी शामिल हैं जो महज दो गेंद फेंकने के बाद अपनी ह्यहैमस्ट्रिंगह्ल को पकड़कर लगड़ाते दिखे जिससे उनके पंजाब किंग्स के खिलाफ इस दूसरे मुकाबले में खेलने की संभावना नहीं है।

मुख्य गेंदबाज मथिशा पाथिराना (हल्की चोट) और तुषार देशपांडे (फ्लू) की अनुपस्थिति से टीम को नुकसान हुआ। और फिर ओस ने स्पिनरों की अहमियत कम कर दी जिससे पंजाब किंग्स ने आसानी से जीत हासिल की। रिचर्ड ग्लीसन ने पिछले मैच में आईपीएल पदार्पण किया था और सीएसके मुकेश चौधरी को वापस बुला सकती है। वहीं पंजाब किंग्स की बात करे जो तो उसने लगातार जीत हासिल कर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को उड़ान दी है।

प्लेऑफ में उम्मीदों को पुख्ता करने की कोशिश में लगे एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत चुनौती

लखनऊ इंडियन प्रीमियर लीग में प्लेऑफ की ओर बढ़ रही लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीमें रविवार को जब एक-दूसरे के सामने मैदान में होंगी तो उनका इरादा जीत के साथ अंतिम चार में अपनी जगह का दावा मजबूत करने पर होगा। मुंबई इंडियंस को उसके घरेलू मैदान पर कम स्कोर वाले मैच में 24 रन से मात देने के बाद केकेआर को नाम 14 अंक हो गये है और टीम प्लेऑफ क्वालीफिकेशन के बेहद करीब है। ऐसे में लोकेश राहुल की अगुवाई में एलएसजी पर दबाव होगा कि वह श्रेयस अय्यर की टीम के खतरे से बचने का रास्ता खोजे। एलएसजी के 10 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ 12 अंक है और यह टीम केकेआर से सिर्फ एक पायदान नीचे तीसरे नंबर पर है। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद (12 अंक) जबकि चेन्नई सुपरकिंग्स (10 अंक) और दिल्ली कैपिटल (10 अंक) भी मजबूती के साथ शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई है। एलएसजी को यहां एकाना स्टेडियम में अपने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 145 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। टीम आखिरी ओवर में सिर्फ चार विकेट से जीत हासिल कर सकी। कप्तान राहुल और हरफनमौला मार्कस स्टोइनिस ने एलएसजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है और यह देखना होगा कि क्या दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी क्विंटन डिकॉक को युवा अर्शिन कुलकर्णी के स्थान पर वापस लाया जाता है। कुलकर्णी ने पिछले मैच में पारी की शुरूआत की थी। निकोलस पूरन ने इस सत्र में अब तक अर्धशतक नहीं बनाया है लेकिन उन्होंने कई मौके पर आखिरी ओवर में टीम के लिए तेजी से रन बनाये हैं। वह हालांकि

मुंबई के खिलाफ रन बनाने में संघर्ष करते दिखे जिससे उनका ह्यफिनिशिंग कौशलह्ल सवालों के घेरे में है। आयुष बडोनी भी इस सत्र में एकाध मैच छोड़ कर प्रभावित करने में विफल रहे है। वह केकेआर के खिलाफ लय हासिल करना चाहेंगे। लखनऊ की टीम के गेंदबाजों को केकेआर के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा। टीम को तेज गेंदबाजी से प्रभावित करने वाले मयंक यादव की सेवाएं नहीं मिलेंगी। केकेआर की टीम को इस सत्र में तीन हार का सामना करना पड़ा है। टीम ने इन तीनों हार के बाद मजबूत वापसी की है।

एक नजर

यूरोप में साइबर हमलों के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराना अमेरिका का झूठा प्रचार-एंटोनोव

वाशिंगटन (वार्ता) अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय का रूसी खुफिया सेवाओं के कथित तौर पर यूरोप में साइबर हमलों में शामिल होने संबंधी दावा केवल झूठा प्रचार है। श्री एंटोनोव ने अपने बयान में कहा , हम ऐसे बयानों को मेगाफोन कूटनीति का एक और उदाहरण तथा रूस पर आरोप लगाने की अमेरिका की अदम्य इच्छा का सबूत मानते हैं। हमने अमेरिका से बार-बार कहा है: यदि आपको कोई संदेह है, तो उन्हें विशिष्ट तथ्य और साक्ष्य के प्रावधान के साथ आधिकारिक चैनलों के माध्यम से प्रसारित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के पास अपने दावों के समर्थन में दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है।

मैं बातचीत के लिए तैयार लेकिन सौदे के लिए नहीं, पूर्व पीएम इमरान खान ने तीन नेताओं को किया नामित

इस्लामाबाद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लंबे समय से जेल में बंद हैं। इस बीच, उन्होंने कहा कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं लेकिन उनका जनादेश चुराने वाले लोगों के साथ वे सौदा नहीं करेंगे। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अदियाला जेल में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बातचीत केवल विरोधियों के साथ ही की जाती है। इसलिए बात उनके साथ ही होनी चाहिए, जो पीटीआई के सबसे बड़े विरोधी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इमरान ने कहा कि वे 18 महीने से कह रहे हैं कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं लेकिन समझौता करने के लिए नहीं। खान ने साफ किया कि उनकी पार्टी तीन पक्षों को छोड़कर सभी के साथ बातचीत करेगी। पूर्व पीएम नवाज शरीफ का नाम लिए बिना उन्होंने कहा,सौदा वे करते हैं, जो देश छोड़ना चाहते हैं या जेल से बचना चाहते हैं। खान ने कहा कि मैंने तीन लोगों को बातचीत के लिए नामित किया है। नामित लोगों में खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर, नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब और सीनेट में विपक्ष के नेता शिबली फराज हैं। बता दें, खान तोशाखाना मामले में अदियाला जेल में बंद हैं। कहानी इमरान के प्रधानमंत्री रहते हुए शुरू हुई थी। 2018 में सत्ता में आए इमरान खान को आधिकारिक यात्राओं के दौरान करीब 14 करोड़ रुपये के 58 उपहार मिले थे। इन महंगे उपहारों को तोशाखाना में जमा किया गया था। बाद में इमरान खान ने इन्हें तोशखाने से सस्ते दाम पर खरीद लिया और फिर महंगे दाम पर बाजार में बेच दिया। इस पूरी प्रक्रिया के लिए उन्होंने सरकारी कानून में बदलाव भी किए।

पवित्र अग्नि अवतरण समारोह से पहले यरुशलेम में सुरक्षा चाक चौबंद

यरुशलेम (वार्ता) इजरायल की पुलिस ने चर्च ऑफ द होली सेपल्कर में पवित्र अग्नि के अवतरण समारोह से पहले यरुशलेम में पुराने शहर के आसपास और भीतरी इलाकों में सुरक्षा उपायों को काफी मजबूत कर दिया है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक समारोह को देखने की उम्मीद में उपासकों की भीड़ पुराने शहर के प्रवेश द्वार पर जमा हो गई है जहां चर्च ऑफ द होली सेपल्कर स्थित है। पुलिस हालांकि अभी तीर्थयात्रियों के संगठित समूहों को पुराने शहर में जाने की अनुमति नहीं दे रही है।

क्षेत्रीय संघर्ष के बढ़ने और इससे होने वाली समस्याओं के कारण इस वर्ष पुराने शहर में आने वाले पर्यटकों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में बहुत कम है क्योंकि कई एयरलाइंस इजराइल के लिए उड़ान भरने से बच रही हैं।

रूढ़िवादी परंपरा के अनुसार पवित्र अग्नि एक चमत्कार है जो हर साल रूढ़िवादी ईस्टर से एक दिन पहले पवित्र शनिवार को पवित्र सेपल्कर चर्च में होता है जब यीशु मसीह की कब्र से नीली रोशनी निकलती है।

गाजा के पुनर्निर्माण में आएगी करीब 80 से 40 अरब डॉलर की लागत, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का दावा

जकार्ता, (वार्ता) इंडोनेशिया के दक्षिणी प्रांत सुलावेसी में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 15 लोगों की मौत हो गयी।

देश की आपदा एजेंसी के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने कहा कि लुवु रीजेंसी में शुक्रवार से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनायें सामने आयी हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इस घटना में 1,800 से अधिक घर और मस्जिदें पानी में डूबी हुयी हैं और कुल 103 घर नष्ट हो गये। प्रवक्ता ने कहा कि इसके अलावा, 42 अन्य घर भी धारा में बह गये।

चीन का नया चंद्रमा मिशन, देशों के एक साथ काम करने का एक दुर्लभ उदाहरण

सिडनी। चीन के सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध तरीके से तैयार चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम के अगले चरण में सभी प्रणालियाँ आज रात के प्रक्षेपण के लिए तैयार हैं। एक शक्तिशाली लॉन्ग मार्च 5 रॉकेट के शीर्ष पर रखा गया, चांग ई 6 मिशन शाम 7:30 बजे (एईएसटी) दक्षिणी हैनान द्वीप पर वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से लॉन्च होने वाला है। इसका उद्देश्य चंद्रमा की खोज के लगे बहुत से अभियानों और प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में कई काम पहली बार करना है। 2019 में पहली बार चांग ई 4 के सफलतापूर्वक उतरने के बाद, चांग ई 6 चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला केवल दूसरा मिशन होगा।

यह चीन के सफल और लंबे समय से चल रहे चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम का नवीनतम मिशन है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक मिशन के साथ नई तकनीकी प्रगति साबित करना है। और इस बार, यह अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की एक प्रेरणादायक उपलब्धि भी है।

चंद्रमा के सुदूर भाग पर क्या है? अंतरिक्ष यान मूल रूप से पिछले मिशन - चांग ई 5 - के लिए बैकअप के रूप में बनाया गया था, जो 2020 में चंद्रमा के निकट से 1.73 किलोग्राम चंद्र रेजोलिथ (मिट्टी) को सफलतापूर्वक वापस लाया था। हालाँकि, चांग ई 6 मिशन के पैरामीटर अधिक महत्वाकांक्षी और वैज्ञानिक रूप से अधिक उच्च प्रत्याशा से जुड़े हैं। यह एक जटिल मिशन भी है। इसके चार अलग-अलग अंतरिक्ष यान को चंद्रमा के दूर वाले भाग से 2 किलोग्राम तक रेगोलिथ को सफलतापूर्वक वापस लाने के लिए निकट समन्वय में काम करना होगा।

पृथ्वी पर हमारे सुविधाजनक बिंदु से, चंद्रमा का सुदूर भाग कभी दिखाई नहीं देता है। पृथ्वी-चंद्रमा प्रणाली ज्वारीय रूप से बंद है: भले ही दोनों घूमते हैं, पर हम हमेशा चंद्रमा के एक ही तरफ के आधे हिस्से को देख पाते हैं। 1959 में जब सोवियत संघ का लूना 3 प्रोब चंद्रमा के सुदूर हिस्से की पहली तस्वीरें लाया, तो उन्होंने भारी गड्ढे वाली सतह दिखाई। यह हमारे परिचित निकट पक्ष से काफी भिन्न है। नासा के अपोलो मिशनों द्वारा लाए गए नमूनों के साथ संयुक्त रूप से इस विचित्र उपस्थिति ने लोकप्रिय लेट हेवी बॉम्बार्डमेंट सिद्धांत के लिए कुछ समर्थन प्रदान किया।

हालाँकि यह सिद्धांत सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत नहीं है, लेकिन इसके समर्थकों का सुझाव है कि बड़ी संख्या में उल्कापिंडों और क्षुद्रग्रहों ने अपने गठन के प्रारंभिक चरण में सौर मंडल के चट्टानी ग्रहों (और उनके चंद्रमाओं) को प्रभावित किया होगा। चांग ई 6 का लक्ष्य सबसे पुराने चंद्र प्रभाव क्रेटर, दक्षिणी ध्रुव-एटकेन बेसिन से नमूने एकत्र करना है। चंद्रमा पर हाल के कई मिशनों ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र को लक्षित किया है। यह, आंशिक रूप से, क्षेत्र के अंधेरे गड्ढों में पानी की बर्फ की खोज और भविष्य के चंद्र ठिकानों के लिए इसके संभावित दोहन से प्रेरित था।

इस आसन्न नमूना वापसी के साथ, अब हम यह जानने के करीब पहुंच रहे हैं कि चंद्र का सुदूर भाग किस चीज से बना है और इसकी उम्र क्या है। यह पहले से कहीं अधिक विवरण प्रदान करेगा। इससे हमें वास्तव में सौर मंडल के प्रारंभिक इतिहास को समझने में मदद मिल सकती है और क्या लेट हेवी बॉम्बार्डमेंट सिद्धांत पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। सीमाओं के बिना विज्ञान इस अभियान के दौरान एकत्र किए जाने वाले किसी भी नमूने को गहन विश्लेषण के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ साझा किया जाएगा, ठीक उसी तरह जैसे चांग ई 5 नमूने और चीन के अन्य अंतरिक्ष विज्ञान मिशनों के डेटा - जिसमें इसके हालिया उच्च-रिजॉल्यूशन चंद्रमा एटलस भी शामिल हैं।

भारत के पंचायती राज में महिलाओं के नेतृत्व की यूएन में हुई तारीफ

रुचिरा कंबोज ने बताया क्या हुआ बदलाव

वॉशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यक्रम में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ा है। कंबोज ने कहा कि भारत में ग्रामीण इलाकों में प्रशासन के लिए बनी पंचायती राज व्यवस्था पर भारत गर्व कर सकता है और इससे जमीनी स्तर पर सत्ता का विकेंद्रीकरण हुआ है। साथ ही उन्होंने भारत में लैंगिक समानता की दिशा में किए जा रहे कामों का भी उल्लेख किया।

रुचिरा कंबोज ने बताई भारत के पंचायती राज सिस्टम की खासियत

यूएन में भारत के सीपीडी57 साइड इवेंट में बोलते हुए रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत में जमीनी स्तर पर महिला सशक्तिकरण के परिवर्तनकारी प्रभाव हुए हैं। कंबोज ने कहा कि पंचायती राज सीधे लोकतंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें एक ग्राम सभा की पंचायत में सभी निवासियों की भागीदारी होती है। इससे सत्ता का विकेंद्रीकरण होता है। यह दुनिया में पाए जाने वाले पारंपरिक नगरपालिका प्रशासन मॉडल से अलग है और पंचायती राज व्यवस्था से समावेशी निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है।

भारत में लैंगिक समानता की दिशा में हुआ काफी काम

भारत की लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्धता को बताते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि 1992 में संविधान संशोधन के साथ एक अहम मील का पत्थर हासिल किया गया, जिसके तहत स्थानीय शासन में कम से कम एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गईं। जमीनी स्तर पर फैसले लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम था। कंबोज ने बताया कि आज भारत में निर्वाचित कुल 31 लाख जनप्रतिनिधियों में से 14 लाख से अधिक महिलाएं हैं। यह व्यापक सामाजिक बदलाव को दर्शाता है। कंबोज ने स्वीकार किया कि नेतृत्व में महिलाओं के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं, लेकिन इसके लिए सहायक कानूनी ढांचे, मजबूत क्षमता निर्माण और सहयोगी भागीदारी पर जोर देने की जरूरत है।

हरदीप निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा पुलिस ने 3 भारतीयों को गिरफ्तार किया, तीनों हिट स्क्वाड का हिस्सा

ओटावा: पिछले साल भारत द्वारा नामित खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के सिलसिले में शुक्रवार को कनाडा में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। हरदीप सिंह निज्जर मौत से भारत और कनाडा के बीच बड़ा विवाद पैदा हो गया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने अब उन तीनों आरोपियों की तस्वीरें और पहचान जारी की है, जिन्हें अल्बर्टा के एडमोंटन शहर में गिरफ्तार किया गया था।

इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेटिव टीम (आईएचआईटी) ने तीनों की पहचान की घोषणा की - करण बराड़, 22, कमलप्रीत सिंह, 22 और करणप्रीत सिंह, 28। इन सभी पर फर्स्ट-डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। हत्या. उन्हें अल्बर्टा आरसीएमपी, आईएचआईटी जांचकताओं और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सदस्यों की मदद से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

तीनों आरोपियों की तस्वीरों के साथ, कनाडाई पुलिस ने उस कार की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिसके बारे में माना जा रहा है कि हत्या से पहले सरे इलाके में और उसके आसपास संदिग्धों ने इसका इस्तेमाल किया था। आरसीएमपी के सहायक आयुक्त डेविड टेबौल ने कहा। निज्जर की हत्या में कथित संलिप्तता के लिए तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और उन पर आरोप लगाए गए हैं... हम सबूतों की प्रकृति पर कोई टिप्पणी करने में सक्षम नहीं हैं... हालांकि, मैं कहूंगा कि यह मामला बहुत सक्रिय जांच के अधीन है।

कनाडाई नागरिक निज्जर की 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर दो अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जांच यहीं खत्म नहीं होती है। इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेशन टीम (आईएचआईटी) के प्रभारी अधिकारी अधीक्षक मनदीप मुकर ने कहा, हम जानते हैं कि ऐसे अन्य लोग भी हैं जिन्होंने इस हत्याकांड में भूमिका निभाई है और हम उनमें से हर एक की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए समर्पित हैं।

इससे पहले, हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का एक कथित वीडियो फुटेज, जिसे 2020 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा आतंकवादी नामित किया गया था, ऑनलाइन सामने आया था। कनाडा स्थित सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो में निज्जर को हथियारबंद लोग गोली मारते हुए देख रहे हैं, जिसे कॉन्ट्रैक्ट किलिंग बताया गया है। वीडियो में निज्जर को अपने ग्रे डॉज राम पिकअप ट्रक में गुरुद्वारे की पार्किंग से निकलते हुए दिखाया गया है।

सूत्रों ने कहा कि कनाडाई जांचकताओं ने कथित हिट दस्ते के सदस्यों की पहचान की है, जिन्हें कुछ महीने पहले कनाडा में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था और उन्हें कड़ी निगरानी में रखा गया है।

40 सालों में सबसे खराब प्रदर्शन ने बढ़ाई प्रधानमंत्री सुनक की टेंशन, लेबर पार्टी ने कर दी आम चुनाव कराने की मांग

लंदन। इंग्लैंड में स्थानीय चुनावों में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी को करारी हार का सामना करने के बाद ब्रिटेन की लेबर पार्टी ने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से आम चुनाव कराने का आग्रह किया। टोरीज ने जिन सीटों पर चुनाव लड़ा उनमें से लगभग आधी सीटें हार गईं। इसके विपरीत, लेबर ने उन परिषदों में जीत हासिल की जो पार्टी के पास दशकों से नहीं थीं। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने कहा कि यहां ब्लैकपूल से एक तरह का संदेश सीधे प्रधानमंत्री को दिया गया है। स्टार्मर ने कहा कि यह सीधे तौर पर ऋषि सुनक को कहा गया कि हम आपके डाउनफॉल, आपकी अराजकता और आपके विभाजन की नीतियों से तंग आ चुके हैं और हम बदलाव चाहते हैं।

सुनक के पास आम चुनाव की तारीख तय करने की शक्ति है, लेकिन इसे अगले साल 28 जनवरी से पहले आयोजित किया जाना चाहिए। टीज वैली के उत्तरी क्षेत्र के मेयर के रूप में कंजर्वेटिव बेन हाउचेन के दोबारा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने एक विद्रोही रुख अपनाया। सुनक ने कहा कि आम चुनाव आते हैं, (मतदाता) भी हमारे साथ रहेंगे।

कंजर्वेटिव पार्टी के अध्यक्ष रिचर्ड होल्डन ने कहा कि यह एक कठिन रात थी। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लेबर पार्टी 20 प्रतिशत अंक आगे है। बीबीसी के अनुसार, अगर इसे राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता में दोहराया जाता है, तो शुरूआती आंकड़ों से पता चलता है कि लेबर 34 प्रतिशत वोट जीतेगी, जबकि टोरीज नौ अंकों से पीछे है।

पंजाब में ड्रोन द्वारा गिराई सवा किलो हेरोइन व ड्रोन बरामद

जालंधर (वार्ता) पंजाब के अमृतसर और तरनतारन जिलों से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने ड्रोन द्वारा गिराई गई एक किलो तीन सौ ग्राम हेरोइन और एक ड्रोन बरामद किया है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने शनिवार को कहा कि शुक्रवार रात बीएसएफ खुफिया विंग को जिला अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में एक संदिग्ध पैकेट की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली। इसके अलावा, सूचना के आधार पर बीएसएफ के जवान मौके पर पहुंचे और संदिग्ध इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

तलाशी के दौरान रात लगभग 10:45 बजे हरदो रतन गांव से सटे एक कटी हुई फसल के खेत से जवानों ने 01 पैकेट (कुल वजन 460 ग्राम) हेरोइन बरामद किया, जो पीले रंग के चिपकने वाले टेप से लिपटा हुआ था और 01 छोटी टॉर्च काले रंग के चिपकने वाले टेप से बंधी हुई थी। पैकेट के साथ एल्युमीनियम की एक अंगूठी भी लगी हुई मिली। इसी प्रकार एक अन्य मामले में जिला अमृतसर में सीमा बाड़ से आगे के क्षेत्र में किसान रक्षक ड्यूटी करते समय, बीएसएफ ने शुक्रवार की शाम को गांव भिंडी नैन से चप्पलों में छुपाए गए संदिग्ध हेरोइन के दो पैकेट बरामद किए। चप्पलों का निरीक्षण करने पर पता चला कि चप्पलों के तलवों में पीले रंग के चिपकने वाले टेप में लपेटे हुए संदिग्ध हेरोइन के दो पैकेट (कुल वजन - 435 ग्राम लगभग) छुपाए गए थे। बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने संयुक्त रूप से तरनतारन जिले के संकटारा गांव से 406 ग्राम हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया है। इसके अतिरिक्त शुक्रवार अपराह्न 03:30 बजे, सीमा बाड़ गेट प्रबंधन ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ जवानों ने तरनतारन जिले के गांव कालिया के पास कटाई के उद्देश्य से बाड़ के आगे खेत की ओर जा रहे एक ट्रैक्टर के नीचे से कुचलने की आवाज सुनी। जवानों ने तुरंत ट्रैक्टर को रोका और ट्रैक्टर के टायर के नीचे से एक ड्रोन टूटी हुई हालत में बरामद किया।

डूब रहे थे 20 पाकिस्तानी! भारत ने ऐसे बचाई जान, अरब सागर में नौसेना की कार्रवाई

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में एक संकट कॉल का जवाब देते हुए 20 पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को ले जा रहे एक ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की, जब इसके चालक दल के एक सदस्य लगभग डूब गए थे। नौसेना ने एक बयान में कहा कि अरब सागर में समुद्री डकैती रोधी अभियानों के लिए तैनात आईएनएस सुमेधा मिशन ने एक ईरानी एफवी (20 पाकिस्तानी चालक दल के साथ) को महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता प्रदान की, जिसमें से एक चालक दल के सदस्य के डूबने की स्थिति में था। गश्ती जहाज आईएनएस सुमेधा ने 30 अप्रैल के शुरूआती घंटों में एफवी अल रहमानी को रोक लिया। जहाज से चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम जहाज पर चढ़ गई और चालक दल के एक सदस्य को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की, जो सांस लेने में कठिनाई और सक्रिय दौरे का अनुभव कर रहा था। चिकित्सीय प्रबंधन के बाद, रोगी को होश आ गया और उसे चिकित्सकीय रूप से राहत मिली। बयान में कहा गया है कि भारतीय नौसेना की मिशन तैनात इकाइयों के अथक प्रयास क्षेत्र में काम करने वाले नाविकों की सुरक्षा और सहायता के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। मार्च में भारतीय नौसेना ने एक ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज के 23 सदस्यीय चालक दल को सफलतापूर्वक बचाया, जिसे सोमालिया के पास सशस्त्र समुद्री डाकुओं ने अपहरण कर लिया था। जहाज, अल-कंबर 786, को 28 मार्च को अरब सागर में सोकोट्रा, यमन के दक्षिण-पश्चिम में नौ समुद्री लुटेरों ने जब्त कर लिया था। भारतीय नौसैनिक जहाजों आईएनएस सुमेधा और आईएनएस त्रिशूल ने 12 घंटे से अधिक समय तक गहन बलपूर्वक सामरिक उपाय करते हुए हस्तक्षेप किया, जिसके कारण समुद्री डाकुओं को आत्मसमर्पण करना पड़ा।

इजरायल गाजा पट्टी में महिलाओं को बना रहा है निशाना : यूएनआरडब्ल्यूए

गाजा (वार्ता) फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने कहा है कि इजरायल गाजा पट्टी में हमलों में महिलाओं को निशाना बना रहा है।

यूएनआरडब्ल्यूए ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि गाजा पर जारी इजरायली हमलों में 10,000 से अधिक महिलाएं मारी गई हैं और 19,000 अन्य घायल हुई हैं। बयान में कहा गया है कि गाजा में औसतन 37 बच्चे हर दिन अपनी मां को खो देते हैं। एजेंसी ने कहा कि एन्क्लेव में 155,000 से अधिक गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए रहने की स्थिति विशेष रूप से भयानक है, जिन्हें पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि गाजा पर इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34,622 हो गई है और 77,867 से अधिक अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि इजरायली बलों ने पिछले 24 घंटों के दौरान गाजा पट्टी में तीन घातक हमले किए जिसके कारण 26 लोग मारे गए और 51 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का जवाब देने के लिए इजरायल गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला कर रहा है। हमले के दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और 200 से अधिक को बंधक बना लिया गया।

स्वतंत्र चेतना
प्रकाशक, मुद्रक आर.सी.गुप्त द्वारा डी.ए.चेतना प्रकाशन प्रा.लि. के लिए 8-ए हेस्टिंग्स रोड, इलाहाबाद से मुद्रित तथा प्रकाशित
फोन नं. 0532-2423438
आर.एन.आई. संख्या 54328/91
सम्पादक : आर.सी.गुप्त
दिल्ली कार्यालय : ए-29, द्वितीय तल, विक्रम नगर, फिरोजशाह कोटला/फोन नं. 011-23724374
गोरखपुर कार्यालय
शाहमारूफ, हिन्दी बाजार, गोरखपुर
फोन-0551-2341010
लखनऊ कार्यालय
15, ए.पी.सेन रोड, चारबाग, लखनऊ
फोन-0522-4101353
कानपुर कार्यालय
16/17 सिविल लाइन्स कानपुर
फोन-0512-2304107
आजमगढ़ कार्यालय
चेतना भवन, एलवल (निकट आर्य समाज मन्दिर) फोन-05462-223430 फैक्स-05462-223431
फैजाबाद कार्यालय
2/1/51/ए-4 बड़ा डाकखाना के बगल में सिविल लाइन्स,फैजाबाद
फोन : 05278-223035
वाराणसी कार्यालय:
18/2ए,बी,1/11 इमलॉक कालोनी प्रथत तल चेतना भवन अनन्ता कालोनी, नदेसर, वाराणसी। फोनः 0542-2502011
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंर्तगत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद गोरखपुर न्यायालय के अधीन ही होंगे।
Email-anandchetnanews@gmail.com

आज पूरे दिन रहेगा सर्वार्थ सिद्धि योग, इन राशियों के लोग हर कार्य में पाएंगे सफलता

रविवार 5 मई को रेवती नक्षत्र में पूरे दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग रहेगा। इस शुभ योग में कर्क, सिंह और धनु राशि के लोगों की आय में जबर्दस्त इजाफा होगा रविवार 5 मई को रेवती नक्षत्र में कर्क और सिंह राशि के लोगों को भाग्य का साथ मिलेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग में आपके धन में वृद्धि होगी और आपको हर क्षेत्र में कामयाबी हासिल होगी। आपको कारोबार में सफलता प्राप्त होगी और पैसों से जुड़ी सभी योजनाएं सफल होंगी। आपको आज हर मामले में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी।

मेष आर्थिक राशिफल: आपको भाग्य का साथ मिलेगा

मेष राशि के लोगों का दिन शुभ है और आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आज आपको परिवार के लोगों की हर मामले में भरपूर मदद मिलेगी। आज संतान के करियर के संबंध में आपको कोई फैसला लेना पड़ सकता है। शाम के वक्त कोई रुका काम बनने की संभावना है। रात का समय प्रियजनों के साथ आनंद में बीतेगा।

वृष आर्थिक राशिफल: आपके सुख में वृद्धि होगी

वृष राशि के लोगों के लिए आज का दिन संतोष और शांति का है और आपके सुख में वृद्धि होगी। आपके द्वारा राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

मिथुन आर्थिक राशिफल: आपका मन काफी प्रसन्न होगा

मिथुन राशि के लोगों के लिए आज का दिन हर मामले में सावधानी रखने का है। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा। संतान

की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता मिलने से हर्ष होगा। शाम के वक्त आपका कोई कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात में शुभ कार्य में भाग लेंगे और आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

कर्क आर्थिक राशिफल: आपको सफलता मिलेगी

कर्क राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और आज आपको सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आपके लिए आज मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि का दिन है। संतान के दायित्व की पूर्ति करेंगे और आपके कार्य सफल होंगे। यात्रा और देशाटन की स्थिति सुखद होगी। शाम से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

सिंह आर्थिक राशिफल: आमदनी के नए स्रोत बनेंगे

सिंह राशि के लोगों का दिन शुभ है और आज आपके लिए भाग्य में वृद्धि का दिन है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता से आपको लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपको शिक्षा और प्रतियोगिता की दिशा में विशेष सफलता प्राप्त होगह। आज कुछ जरूरी से आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आपके विरोधी आपस में ही लड़कर नष्ट हो जाएंगे।

कन्या आर्थिक राशिफल: आपके धन में वृद्धि के योग हैं

कन्या राशि के लोगों को आर्थिक लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि के योग हैं। आज आपके प्रयासों में सफलता मिलेगी। संतान पक्ष से भी आपको संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदम में जीत होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके शुभ खर्च और कीर्ति में वृद्धि होगी।

तुला आर्थिक राशिफल: पैसों की समस्या का अंत होगा

तुला राशि वालों का दिन शुभ है और आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्य आपस में खुश होंगे। कई दिनों से चली आ रही पैसों की समस्या का अंत होगा। आपके कारोबार के मामले में लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का अंत होगा। आज आपके लिए पास और दूर की यात्रा पर जाना हो सकता है।

वृश्चिक आर्थिक राशिफल: आर्थिक लाभ होगा

वृश्चिक राशि के लोगों को आर्थिक लाभ होगा। आज कुछ पैसों के मामले में आपको संभलकर काम करने की जरूरत है। आज का दिन आपकी कोई बीमारी की जांच करने में बीतेगा। आज आपके घर में कोई मेहमान आकर डेरा डाल सकता है और इससे आपका काम बढ़ेगा। साथ ही आपका बजट भी बिगड़ सकता है।

धनु आर्थिक राशिफल: धन में वृद्धि के योग बन रहे हैं

धनु राशि के लोगों के लिए आज खुशी का दिन है और आज आपके लिए धन में वृद्धि के योग बन रहे हैं। शासन सत्ता पक्ष से निकटता और गठजोड़ का लाभ मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। शाम से लेकर रात तक आपको किसी जरूरी कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर आर्थिक राशिफल: आर्थिक मामलों में दिन शुभ है

मकर राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और आज आपके लिए आर्थिक मामलों में दिन शुभ है। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर और सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सांयकाल के समय किसी झगड़े में विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ आर्थिक राशिफल: सम्मान में वृद्धि के योग हैं

कुंभ राशि के लोगों के लिए आर्थिक लाभ होगा। निर्मूल विवाद से आपको सफलता मिलेगी। अपनी बुद्धि से कार्य में सफलता प्राप्त होगी। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और झगड़े विवाद से बचें। आज आपके धन में वृद्धि के योग हैं। आपका भाग्य देगा और आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

मीन आर्थिक राशिफल: धन में वृद्धि के योग हैं

मीन राशि के लोगों को लाभ होगा और आज आपके धन में वृद्धि के योग हैं। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें। संबंध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्च हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें। आपको मूल्यवान वस्तुएं चोरी हो सकती हैं, सावधान रहें।

जनादेश 2024

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज, रविवार 05 मई 2024

मोदी के नेतृत्व के साथ आगे बढ़ना आज की जरूरत : योगी

यूपी 80 लोकसभा सीटों यानी 80 मनकों की माला मोदी के गले में डालने को तैयार है

अशोकनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मध्य प्रदेश के अशोकनगर में गुना लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व के साथ आगे बढ़ना आज की जरूरत है। यूपी 80 लोकसभा सीटों यानी 80 मनकों की माला मोदी के गले में डालने को तैयार है। एमपी में सभी 29 सीट पर कमल खिलने वाला है। खजुराहो देख लिया और इंदौर से इसकी शुरूआत हो चुकी है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में रामलला फिर से प्रतिष्ठित हुए और 500 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ। जब लोगों से पूछा जाता है कि मोदी सरकार क्यों चाहिए तो उनका कहना होता है कि इससे विकास के साथ-साथ बाकी सब भी पूरा होगा।

उन्होंने कहा कि कल फिर प्रधानमंत्री मोदी रामलला के दर्शन करने अयोध्या धाम पहुंच रहे हैं। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि के इतिहास को लेकर गुना का हर व्यक्ति भी गौरवान्वित होगा। राम जन्मभूमि आंदोलन को भाजपा और अन्य संगठन सभी मिलकर सहयोग करें, तब एक स्वर था जो मुखर रूप से कह रहा था कि इसका नेतृत्व हमें लेना चाहिए, क्योंकि यह हमारी आन-बान-शान का प्रतीक है, यह स्वर था राजमाता विजयाराजे सिंधिया का।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार को जब मौका मिला, रामलला का मंदिर भी बना और वहां के माफिया भी रामनाम सत्य की यात्रा पर चले गए। दोनों काम भाजपा की सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब क्रूर था। आज भी कोई अपने बच्चे का नाम औरंगजेब नहीं रखता। औरंगजेब ने जजिया कर लगाया था। आज कांग्रेस भी इस जजिया कर की बात करती है। कांग्रेस ने जिस विरासत टैक्स की बात कही वो यही है। राहुल गांधी ने कहा है कि हम सर्वे करा देंगे। सर्वे कराकर आपकी आधी संपत्ति ले लेंगे और कहेंगे कि ये हमारी है। कांग्रेस जजिया कर लगाना चाहती है। कोई स्वीकार करेगा क्या? वे कह रहे हैं कि ओबीसी और अजा के आरक्षण में सेंध लगाने का काम होगा। उन्होंने कर्नाटक में इसमें सेंध लगाई है।

सभा में पार्टी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि केंद्र में हमारे मोदी कर्मयोगी हैं और यूपी में योगी हैं। दोनों मिलकर विकास कर रहे हैं। आज तक ऐसा समय नहीं आया जब संकट आया हो और आपके साथ सिंधिया परिवार खड़ा न रहा हो। कोरोनाकाल में मेरे फेफड़े 60 फीसदी संक्रमित थे, तब गुना, अशोकनगर और शिवपुरी से ऑक्सीजन की कमी के फोन आए, मैंने ऑक्सीजन का प्लेन ग्वालियर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि जिस अशोकनगर में केवल दो ट्रेनें आती थीं, वहां अब कई ट्रेनें आती हैं। पहले फाटक पर जाम लगता था, हमले आरओबी बनवा दिया। अशोकनगर में केंद्रीय विद्यालय भी स्वीकृत कर दिया है।

भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले में पटाखे फूटने का वीडियो वायरल, जांच के आदेश

स्वतंत्र चेतना

गोंडा। बहुचर्चित कैसरगंज संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह के काफिले में पटाखे का वीडियो सामने आया है। वीडियो करणभूषण सिंह की फेसबुक वॉल पर रील के रूप में भी वायरल किया गया। काफिला शनिवार को कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत नवाबगंज, तरबगंज होते हुए बेलसर (रगड़गंज) बाजार पहुंचा। जगह-जगह स्वागत समारोह का कार्यक्रम जारी था। इसी बीच रगड़गंज बाजार में सिलसिलेवार फायरिंग सरीखे पटाखे दागे गये। जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा शर्मा ने पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दिये हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस क्षेत्राधिकारी तरबगंज से प्रारंभिक जांच कराई गई, जिसमें हथियार से फायरिंग न करके पटाखों की बात सामने आई है। भीड़-भाड़ में पटाखे फोड़ना भी आचार संहिता के उल्लंघन का मामला है। वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है। पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है। फ्लाइंग स्क्वायड टीम (एफएसटी) और पुलिस के उच्चाधिकारियों की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

लोकसभा चुनाव 2024

कांग्रेस एक नंबर की आदिवासी विरोधी पार्टी : अमित शाह

छोटाउदेपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने शनिवार को छोटाउदेपुर जिले के बोडेली में आयोजित चुनावी सभा में आरक्षण और संविधान को लेकर कांग्रेस की ओर से किए जा रहे दावों को झूठा करार देते हुए कहा कि केन्द्र में जब तक भाजपा सरकार है, आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक नंबर की आदिवासी विरोधी पार्टी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने आदिवासी विकास के लिए केन्द्र सरकार की ओर से किए गए कार्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 10 वर्षों के अंदर करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में प्रकाश फैलाया है। बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान में लिखा था कि आदिवासियों की जितनी आबादी है, उन्हें बजट में उसी के अनुपात में हिस्सेदारी देना चाहिए।

भारत का संविधान लागू होने के बाद सबसे पहले नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के बजट का 14 फीसदी आदिवासी जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक नंबर की आदिवासी विरोधी पार्टी है। इनके जमाने में आदिवासी मंत्रालय भी नहीं था। अटल बिहारी की सरकार ने पहली बार 1999 में अलग आदिवासी विभाग का मंत्रालय बनाया।

कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति पर प्रहार करते हुए अमित शाह ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी तो उन्होंने 5 फीसदी आरक्षण मुसलमानों को दे दिया। इसका अर्थ हुआ कि ओबीसी समाज का 5 फीसदी आरक्षण छीन लिया गया। उन्होंने कहा कि यह उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात है कि आरक्षण तो कांग्रेस छीन रही है और नाम भाजपा का दे रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की बात का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि वे कहते हैं कि गुजरात और राजस्थान की जनता को कश्मीर से क्या लेना-देना है। शाह ने कहा कि गुजरात का एक-एक व्यक्ति कश्मीर के लिए जान देने को तैयार है। शाह ने कहा कि राहुल गांधी संसद में अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध करते थे और कहते थे कि इसे हटाने पर देश में खून की नदिया बह जाएंगी। शाह ने कहा कि यह कानून हट भी गया, इसके बावजूद खून की नदियों की बात तो दूर किसी ने एक पत्थर भी फेंकने की हिम्मत नहीं की, यह भाजपा की ताकत है।

शाह ने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है, अमेठी छोड़ कर वे रायबरेली गए हैं। दरअसल प्रॉब्लम सीट में नहीं है, बल्कि उनमें है। रायबरेली से राहुल प्रचंड बहुमत से हारेंगे, चाहे वे जहां भाग लें, जनता उन्हें खोज रही है।

इससे पूर्व गृह मंत्री ने जयश्री राम के साथ सभा की शुरूआत की। भगवान स्वामीनारायण और हाफेश्वरबाबा को प्रणाम किया। उन्होंने छोटाउदेपुर से भाजपा उम्मीदवार जशुभाई राठवा को जिताने की अपील की।

बसपा नेता आकाश आनंद की चुनावी रैलियां बिना कारण बताए रद्द, दर्ज हुआ था आचार संहिता उल्लंघन का मामला

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती के उत्तराधिकारी और को पार्टी ऑर्डिनेटर आकाश आनंद की चुनावी रैलियां बिना कारण बताए रद्द कर दी गई हैं। उनके खिलाफ सीतापुर में आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान बयान दिया था कि ये आतंकवादियों की सरकार है। सूत्रों के अनुसार, इसी कारण वो चुनाव प्रचार से पीछे हट गए हैं। मुकदमा दर्ज होने के बाद वह दिल्ली लौट गए और बिना कारण बताए उनकी चुनावी रैलियां रद्द कर दी गई हैं। बसपा यूपी की सभी लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। कई जगह पार्टी कड़ी टक्कर में हैं। चुनाव विश्लेषक मानते हैं पार्टी कई सीटों पर जीत का परचम फहरा सकती है।

अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी है कांग्रेस पार्टी: कंगना रनौत

सुंदरनगर,वार्ता। हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी कंगना रनौत ने कांग्रेस पार्टी को अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी बताया है।

सुश्री रनौत ने सुंदरनगर बाजार में रोड़ शो किया और अपने लिए वोट मांगने के साथ ही कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं पर तीखे जुबानी हमले बोले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी है और इससे हमारा देश कई दशकों तक ग्रसित रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जनादेश सरदार पटेल को मिला, लेकिन प्रधानामंत्री जवाहर लाल नेहरू को बना दिया गया। उसके बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी और तानाशाही करके पूरे देश को कैद कर दिया। उसके बाद संजय गांधी ने लोगों की पकड़-पकड़ कर नसबंदी करवाई। फिर इटेलियन सोनिया गांधी इस देश पर अपना हाथ आजमाने आ गई। कांग्रेस पार्टी के इस परिवार वाद ने देश को दीमक की तरह खाया है। लेकिन 2014 में एक परिवर्तन हुआ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक नई दिशा दी।

कंगना ने राहुल गांधी, तेजस्वी सूर्या और अखिलेश यादव पर भी तीखे जुबानी हमले बोले। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का न कोई चरित्र है और न ही संस्कार। राहुल गांधी चांद पर आलू उगाने की बातें, तेजस्वी सूर्या गुंडागर्दी करके मछली को उछाल-उछाल कर खाते हैं और अखिलेश यादव उटपटांग बातें करते हैं। ये सभी बिगड़े शहजादे हैं। एक शहजादे हिमाचल में भी हैं जिन्हें देश में कोई जानता नहीं था, लेकिन मेरे खिलाफ अभद्र टिप्पणीयां करके आज उन्हें सुर्खियां मिल रही हैं। उन्हें यह मालूम होना चाहिए कि मुझे पद्मश्री जैसा प्रतिष्ठित सम्मान मिला है।

शहजादा का जवाब शहंशाह से, प्रियंका का मोदी पर वार

वह महलों में रहते है, सत्ता से घिरे हुए हैं यह शहजादा 4,000 किमी की दूरी तय कर चुका है: प्रियंका

बनासकांठा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें शहंशाह (सम्राट) बताया जो महलों में रहता है और आम आदमी की दुर्दशा को कभी नहीं समझ सकता। प्रियंका गांधी द्वारा शहंशाह शब्द का इस्तेमाल प्रधानमंत्री द्वारा उनके भाई और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को शहजादा (राजकुमार) के रूप में लगातार संदर्भित किए जाने के जवाब में किया गया था। गुजरात के बनासकांठा में न्याय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह (पीएम

मोदी) मेरे भाई को शहजादा कहते हैं। लेकिन मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि यह शहजादा 4,000 किमी की दूरी तय कर चुका है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक, वह लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए चले। उन्होंने किसानों से लेकर मजदूरों तक सभी से अपनी कठिनाइयों के बारे में बताने के लिए कहा और उन्हें हल करने के लिए हम क्या कर सकते हैं। और दूसरी ओर, आपके शहंशाह (सम्राट) नरेंद्र मोदी हैं। वह महलों में रहते है। क्या आपने उन्हें टीवी पर देखा है? उनका चेहरा साफ है, उनका सफेद कुर्ता हमेशा बिना किसी दाग के बेदाग रहता है। उसके बाल एकदम सही हैं। वह आपके परिश्रम को, आपके खेतों को कैसे समझेंगे? वह कैसे समझेंगे कि पेट्रोल-डीजल कितना महंगा है या खेती कितनी महंगी है?

डिंपल यादव के लिए क्षेत्र में बेटी अदिति मांग रही है वोट

इटावा,वार्ता। उत्तर प्रदेश की यादवबेल्ट के तहत आने वाले मैनपुरी संसदीय क्षेत्र में आजकल घर की बिटिया खूब चर्चा में है। मैनपुरी सीट से डिंपल यादव समाजवाटी पार्टी की उम्मीदवार हैं, जो पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी होने के साथ यहां की सांसद भी हैं। सपा प्रमुख अखिलेश और सांसद डिंपल की बेटी अदिति अपनी मां के लिए शहरी और ग्रामीण इलाकों में प्रचार कर रही हैं। अदिति वोटर्स से अपनी मां को वोट देने की अपील कर रही हैं। 21 साल की अदिति लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में पढ़ती हैं। वह दो महीने की छुट्टियों में भारत आई हैं। अदिति की मैनपुरी संसदीय क्षेत्र में मौजूदगी इलाके के लोगों के बीच चर्चा का विषय है। लंदन में राजनीति और इंटरनेशनल रिलेशंस की उनकी पढ़ाई इस चुनाव प्रचार में उनके कितने काम आ रही है, यह फिलहाल बताना मुश्किल है लेकिन, उनकी अपील वोटर्स को खूब पसंद आ रही है।

कन्नौज, रायबरेली लोकसभा सीटों पर परीक्षा देने को तैयार गठबंधन

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कन्नौज लोकसभा सीट से अखिलेश यादव और रायबरेली लोकसभा सीट से राहुल गांधी के चुनाव मैदान में आने के बाद दोनों लोकसभा सीटें राजनीतिक गलियारें में चर्चा का विषय है। आईएनडीआईए गठबंधन की दो पार्टियों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अपने अपने नेताओं को जीताने के लिए संयुक्त रुप से चुनावी परीक्षा देने को तैयार हैं।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के प्रभारी बनाकर भेजे गये कांग्रेस

महासचिव अविनाश पाण्डेय और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव अपनी पार्टियों के कार्यकताओं को लगातार निर्देशित कर रहे है कि गठबंधन धर्म निभाते हुए संयुक्त रुप से कार्य करें। जिससे बूथ पर मजबूती से गठबंधन दिखायी पड़े तो वहीं बड़ी संख्या में मतदाताओं को मतदान के लिए निकाला जा सके। कांग्रेस महासचिव अविनाश पाण्डेय वरणबद्ध बनी सूची में कांग्रेस के प्रत्याशियों के अलावा समाजवादी पार्टी के महत्वपूर्ण सीटों पर भी ध्यान केन्द्रीत किये हुए है। कन्नौज लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकताओं से वार्ता कर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता संग कदम मिलाकर बढ़ने को कह रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में मतदान के लिए मतदाताओं को निकालने से पहले तैयारी करने को निर्देशित कर रहे हैं।

चुनावी नारो की सरकार बनाने और बिगाडने में अहम भूमिका रही है

स्वतंत्र चेतना

प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हिन्दुस्तान में चुनाव के दौरान संवेदनशील चुनावी नारों की बदौलत मतदाताओं को अपने पक्ष में कर हारती बाजी को जीत और जीतती हुई बाजी को हार में बदलकर सरकारें बनती और बिगडती देखी गयी है।

भारतीय राजनीति में चुनावी नारों की अहम भूमिका रही है। नारे, मतदाताओं को आकर्षित कर अपने पक्ष में मतदान करने की संवेदनशील अपील है, जो अनवरत कायम है। देश में नारों की सहायता से कई बार सरकारें बनती और बिगड़ती देखी गयी है। नारे एक व्यवस्था या व्यक्ति के बारे में कुछ भी बताने की क्षमता रखते हैं।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता के के श्रीवास्तव ने बताया कि तमाम चुनाव ऐसे रहे हैं जो नारों पर ही टिके थे। उन्होंने बताया कि एक दोहा है देखन में छोटन लगे, घाव करें गंभीर। चुनावी नारे इतने असरदार होते हैं कि हवा के रूख को बदलने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने बताया कि जब तक सूरज चांद रहेगा, इंदिरा तेरा नाम रहेगा, राजा नहीं फकीर है, देश की तकदीर है, नसबंदी के तीन दलाल इंदिरा, संजय, बंसीलाल, द्वार खड़ी औरत चिल्लाए, मेरा मरद गया नसबंदी में, मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है का काउंटर था छोरा गंगा किनारे वाला जैसे नारों में दिग्गजों को धूल चटाया तो सिर पर ताज भी पहनाया। उन्होंने बताया कि 1952, 1957 और 1962 में कांग्रेस का ही वर्चस्व था। उस समय तक जो भी चुनाव हुए उसमें कांग्रेस के पास दो बैलों की जोड़ी जबकि जनसंघ का चुनाव निशान दीपक और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी का चुनाव निशान झोपडी थी। इसी को लेकर तमाम नारे बने जो बहुत कारगर नहीं थे क्योंकि उस समय मे पंडित जवाहर लाल नेहरू का वजूद कायम था।नारों के लिहाज से इंदिरा गांधी का समय बहुत दिलचस्प था। उनके सक्रिय होने के दौरान कई नारे खूब चर्चित हुए। शुरूआत में ये नारा बहुत गूंजता था- जनसंघ को वोट दो, बीड़ी पीना छोड़ दो, बीड़ी में तम्बाकू है, कांग्रेस पार्टी डाकू है. ये नारा अलग-अलग शब्दों के प्रयोग के साथ लगाया जाता था। इसके अलावा इंडिया इज इंदिरा एंड इंदिरा इज इंडिया नारा भी खूब चला था। इमरजेंसी के दौरान कई नारे गूंजे थे। कांग्रेस का सबसे चर्चित नारा रहा- कांग्रेस लाओ, गरीबी हटाओ. ये नारा हर चुनाव में लगता रहा और फिर विपक्ष ने इसकी काट में इंदिरा हटाओ, देश बचाओ, नारा दिया। नसबंदी को लेकर भी कांग्रेस के खिलाफ खूब नारे चमके जिससे कांग्रेस मुंह की खायी।

श्री श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 1969 में कांग्रेस अध्यक्ष सिद्दवनहल्ली निजलिंगप्पा को श्रीमती गांधी ने पार्टी से निष्कासित कर दिया। उस समय असंतुष्ट धड़े के साथ निजलिंगप्पा, कुमारस्वामी कामराज और मोरारजी देसाई जैसे कांग्रेस नेताओं ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (संगठन) के नाम से राजनीतिक दल का गठन किया और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली नई कांग्रेस-आर पार्टी बनायी। चुनाव आयोग ने कांग्रेस की दो बैलों की जोडी को जब्त कर लिया। वर्ष 1971 के चुनाव में निजलिंगप्पा की पार्टी को तिरंगे में चरखा और इंदिरा गांधी की पार्टी को ह्लगाय और बछड़ा। चुनाव के दौरान इंदिरा गांधी ने अपनी पार्टी की अलग पहचान बनाए रखने को लेकर आम लोगों को दिलों के छू लेने वाला गरीबी हटाओ का नारा दिया। इस चुनावी नारे ने कांग्रेस को पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की।

श्री श्रीवास्तव ने बताया कि इंदिरा गांधी 1971 में पूर्ण बहुमत में आने के बाद लोकसभा का जो चुनाव 1976 में होना था उससे पहले 1975 में देश में आपात काल (इमरजेंसी) लगा कर कार्यकाल एक साल और बढ़ा दिया। इसी दौरान नसबंदी ने देश में हाहाकार मचा दिया। आपातकाल जनवरी 1977 में समाप्त हुआ और फिर लोकसभा चुनाव की घोषणा हुयी। आपातकाल में बहुत नारे बने जिसमें कांग्रेस के खिलाफ सम्पूर्ण क्रांति का नारा इंदिरा हटाओ देश बचाओ का नारा खूब गूंजा।

देश में नसबंदी को लेकर इंदिरा गांधी के खिलाफ आक्रोश का माहौल था। इस दौरान नारों ने सत्ता पक्ष की बाजी को पलटने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उस दौरान नसबंदी के तीन दलाल ह्लइंदिरा, संजय, बंसीलाल, द्वार खड़ी औरत चिल्लाए, मेरा मरद गया नसबंदी में, आकाश से नेहरू करें पुकार, मत कर बेटी पर अत्याचार नारो ने इंदिरा गांधी का तख्ता पलट दिया और जनता पार्टी की सरकार में मोरारजी देशाई 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री रहे।

भदोही में बोले ब्रजेश पाठक: 2024 की लड़ाई मंदिर बनाने और कारसेवकों पर गोली चलाने वालों के बीच है

स्वतंत्र चेतना

भदोही। भदोही जिले में लोकसभा चुनाव को लेकर जनसभा में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि 2024 की लड़ाई मंदिर बनाने और कारसेवकों पर गोली चलाने वालों के बीच है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि भाजपा को छोड़कर सपा, तृणमूल और कांग्रेस जैसी पार्टियां परिवारवाद से ग्रसित हैं। कांग्रेस के राज्य में आतंकियों को बिरयानी खिलाया जाता था और आज पुलवामा अटैक करने वाले आतंकियों के ठिकाने पर एयर स्ट्राइक कर सरकार ने आतंक का मुंह तोड़ जवाब दिया है। यह सब आपके वोट की बदौलत हुआ।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस पिछड़ों के आरक्षण पर डाका डालने का काम कर रही है। एनडीए की सरकार में आज दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।